RNI NO . KARHIN/2021/82440 | बेंगलूरु ,सोमवार ,01 दिसम्बर 2025 | वर्ष-5 , अंक- 145 | पृष्ठ-8 , मूल्य- 5 रुपए | HIND SAGAR PRAHARI LOKTANTRA KA

दैनिक हिन्दी समाचार पत्र

हिन्द सागर प्रहरी लोकतंत्र का

जनसूचना से जनजागरण
आम आदमी का मीडिया मंच

Posted at Bengaluru PSO, Bengaluru - 560026, Daily Newspaper. Regd. No.KRNA/BGE-1172/2023-2025

प्रधान संपादक: शिवसागर पाण्डेय

बेंगलुरु और लखनऊ से एक साथ प्रकाशित

ಹಿಂದ್ ಸಾಗರ್ ಪ್ರಹರಿ ಲೋಕ್ ತಂತ್ರ ಕಾ...

E- PAPER LINK
Contect Mobile Number-8660106725
Email id.-hsplk@gmail.com

हरियाणा के झज्जर पहुंचे सीएम योगी

धर्मांतरण की साजिश से सतर्क रहें :सीएम योगी

मूर्ति प्राण प्रतिष्ठा में शामिल हुए सीएम योगी

जब हम बंटे, तब-तब हमें नुकसान हुआ।

झज्जर। उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री व गोरक्षपीठाधीश्वर योगी आदित्यनाथ ने कहा कि भारत जब-जब स्वर्णयुग की ओर बढ़ा है, तब-तब विदेशियों ने विभिन्न माध्यमों से प्रहार करने की कोशिश की है। आज भी धर्मांतरण, लव जेहाद और नशे के जरिए समाज को कमजोर करने की कोशिशें हो रही हैं, जिनसे सजग रहने की आवश्यकता है। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने रविवार को हरियाणा के झज्जर जनपद के कबलाना गांव स्थित बाबा पालनाथ आश्रम में आयोजित मूर्ति प्राण प्रतिष्ठा और आठ मान के भव्य भंडारे में शामिल होकर समाज और संत समुदाय को सतर्क रहने का संदेश दिया। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने कहा कि भारत, विश्व मानवता और चराचर जगत की रक्षा के लिए सनातन धर्म की रक्षा अनिवार्य है। जब हम बंटे, तब-तब हमें नुकसान हुआ। इसलिए न जाति के नाम पर बंटना है, न क्षेत्र और न ही भाषा के आधार पर। उन्होंने अयोध्या में रामजन्मभूमि मंदिर परिसर में फहराए गए भगवा धर्मध्वज का उदाहरण देते हुए कहा कि जैसे वहां सनातन की विजयी ध्वजा लहरा रही है, वैसे ही हर सनातनी के घर पर धर्मध्वजा दिखनी चाहिए। योगी आदित्यनाथ ने कहा कि हरियाणा भी डबल इंजन सरकार की बदौलत विकास के नए प्रतिमान गढ़ रहा है। उन्होंने लोगों के सुख-शांति, प्रगति और खुशहाली की कामना की। नशे के मुद्दे पर मुख्यमंत्री ने सख्त रुख अपनाते हुए कहा कि ष्सीमा पार से नशे के कारोबार को फैलाने की साजिशें लगातार हो रही हैं। नशा नाश का कारण है और यह समाज की सोचने की क्षमता को नष्ट कर देता है। यदि हम जागरूक नहीं हुए तो भावी पीढ़ी हमें माफ नहीं करेगी। योगी आदित्यनाथ ने संतों से आग्रह किया कि हर धार्मिक आयोजन में धर्मांतरण, लव जेहाद और नशे के खिलाफ आवाज बुलंद की जाए। उन्होंने बताया कि नाथ संप्रदाय के योगी पारंपरिक रूप से सारंगी बजाकर गांव-गांव जाकर जनजागरण करते थे, जो समाज को जागृत करने की प्रभावी पद्धति थी। उन्होंने कहा कि सनातन धर्म दुनिया की सबसे प्राचीन परंपरा है, जिसकी साधना और सिद्धांतों ने मानव कल्याण का मार्ग प्रशस्त किया। आदिनाथ भगवान शिव की उपासना उत्तर से दक्षिण और पूरब से पश्चिम तक भारत की एकात्मता का प्रतीक है। नाथ सिद्धों ने 12 उपपंथों के माध्यम से सनातन की शिक्षाओं को सर्वसुलभ किया है। भंडारे की व्यवस्था और विशाल जनसमूह को देखकर मुख्यमंत्री ने इसे अविस्मरणीय बताते हुए कहा कि यह आयोजन प्रयागराज महाकुंभ की स्मृति दिलाता है। उन्होंने कहा कि ऐसे कार्यक्रम समाज को जोड़ने, योग और ध्यान की परंपरा को आगे बढ़ाने और स्वस्थ व सशक्त भारत के निर्माण में योगदान देने वाले हैं। कार्यक्रम में सिद्ध शिरोमणि बाबा मस्तनाथ, बाबा पालनाथ और उनके गुरु भाई सहित शिव परिवार एवं बजरंग बली की मूर्तियों की प्राण प्रतिष्ठा संपन्न हुई। इस मौके पर बाबा मस्तनाथ पीठ के महंत व विधायक योगी बालक नाथ, महंत नरहरिनाथ, चेताईनाथ, राजनाथ सहित अनेक संत एवं जनप्रतिनिधि उपस्थित रहे।

पीएम मोदी ने मन की बात में उत्तराखंड के विंटर टूरिज्म का किया जिक्र

नई दिल्ली। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने रविवार को अपने मन की बात कार्यक्रम में उत्तराखंड के विंटर टूरिज्म का जिक्र किया। उन्होंने कहा कि विंटर टूरिज्म इन दिनों पर्यटकों को विशेष रूप से आकर्षित कर रहा है। औली, मुनस्यारी, चोपटा और डेयारा जैसी जगहें तेजी से लोकप्रिय हो रही हैं। मन की बात कार्यक्रम के 128वें एपिसोड में प्रधानमंत्री मोदी ने सर्दियां आने के साथ देश में विंटर टूरिज्म को बढ़ावा देने पर जोर दिया। उन्होंने कहा कि दुनिया के कई देशों ने विंटर टूरिज्म को अपनी अर्थव्यवस्था का प्रमुख आधार बना लिया है, जहां स्कीइंग, स्नो-बोर्डिंग, स्नो ट्रेकिंग, आइस क्लाइंबिंग और फैमिली स्नो पार्क जैसे आकर्षण उनकी पहचान बन चुके हैं। प्रधानमंत्री ने कहा कि भारत में भी विंटर टूरिज्म की अपार संभावनाएं मौजूद हैं। ऊंचे पर्वत, सांस्कृतिक विरासत और एडवेंचर के अनूठे अवसर देश को इस क्षेत्र में आगे बढ़ाने की क्षमता रखते हैं। प्रधानमंत्री मोदी ने पिथौरागढ़ जिले में 14 हजार फुट से अधिक की ऊंचाई पर हुई पहली श्हाई एल्टीट्यूड अल्ट्रा रन मैराथन का उदाहरण दिया, जिसमें 18 राज्यों के 750 से ज्यादा खिलाड़ियों ने हिस्सा लिया। उन्होंने कहा कि 60 किलोमीटर लंबी आदि कैलाश परिक्रमा रन का प्रारंभ कड़कड़ाती सर्दी में सुबह 5 बजे हुआ था। इतनी ठंड के बावजूद भी लोगों का उत्साह देखते ही बनता था। पीएम मोदी ने बताया कि आदि कैलाश की यात्रा पर आने वाले पर्यटकों की संख्या दो हजार से बढ़कर अब तीस हजार के पार पहुंच चुकी है। प्रधानमंत्री मोदी ने यह भी कहा कि आने वाले हफ्तों में उत्तराखंड में श्विंटर गेम्सश का आयोजन होना है, जिसके लिए देशभर के खिलाड़ी और एडवेंचर प्रेमी उत्साहित हैं।

सार संक्षेप

विमान में एयरहोस्टेस से दुर्व्यवहार के आरोप में यात्री गिरफ्तार

हैदराबाद। दुबई से हैदराबाद आ रही एक उड़ान में विमान परिचारिका के साथ दुर्व्यवहार करने के आरोप में एक यात्री को गिरफ्तार किया गया है। पुलिस ने रविवार को यह जानकारी दी। आरजीआई हवाईअड्डा पुलिस थाने के निरीक्षक कंकैया समपथी ने बताया कि चाल दल के सदस्य द्वारा दर्ज कराई गई शिकायत के अनुसार, केरल के रहने वाले यात्री ने शुक्रवार को उड़ान के दौरान परिचारिका के कथित तौर पर छुआ। पुलिस ने बताया कि चालक दल ने यह भी पाया कि यात्री (30) घटना के वक्त शराब के नशे में था। उसने बताया कि विमान के उतरने के बाद संबंधित अधिकारियों को मामले की जानकारी दी गई। पुलिस ने बताया कि गिरफ्तार आरोपी एक सॉफ्टवेयर कंपनी का कर्मचारी है। उसने बताया कि मामला दर्ज कर आरोपी को गिरफ्तार किया गया।

दिल्ली पुलिस ने खतरनाक टेरर मॉड्यूल का किया पदार्फाश

नईदिल्ली। दिल्ली पुलिस की स्पेशल सेल ने पाकिस्तान की खुफिया एजेंसी आईएसआई से जुड़े एक खतरनाक टेरर मॉड्यूल का पदार्फाश करते हुए तीन आतंकियों को गिरफ्तार किया है। आरोपी पाकिस्तान में बैठे कुख्यात गैंगस्टर-शहजाद भट्टी के सीधे संपर्क में थे। सभी गिरफ्तार आरोपी उत्तर भारत के अलग-अलग राज्यों के रहने वाले हैं। बताया जा रहा है कि आतंकी दिल्ली-एनसीआर समेत उत्तर भारत के कई शहरों में बड़े आतंकी हमले की फिराक में थे। इनके निशाने पर खास तौर पर दिल्ली में बड़े धार्मिक स्थल, भीड़भाड़ वाले बाजार और वीआईपी इलाके थे। दिल्ली पुलिस की स्पेशल सेल पूरे मामले को गंभीरता से ले रही है और आगे की जांच जारी है। इससे पहले पाकिस्तानी गैंगस्टर शहजाद भट्टी का नाम हाल ही में अनमोल बिश्नोई मामले में सामने आया था। दरअसल, अनमोल बिश्नोई ने भट्टी से खुद को जान का खतरा बताया था और सरकार से सुरक्षा की मांग की थी। शनिवार को गैंगस्टर अनमोल बिश्नोई ने एनआईए कोर्ट में शहजाद भट्टी से खुद की जान का खतरा बताते हुए सुरक्षा मांगी। अनमोल ने कोर्ट में अर्जी दाखिल कर बताया कि पाकिस्तानी गैंगस्टर शहजाद भट्टी से उसकी जान को बड़ा खतरा है। सोशल मीडिया पर आए एक वीडियो में अनमोल और उसके परिवार को खुले आम हत्या की धमकी दी गई थी। अनमोल की ओर से कहा गया कि यह पहली बार नहीं है जब इस गैंगस्टर ने ऐसी धमकी दी हो। मार्च 2025 में भी जालंधर में एक यूट्यूबर के घर ग्रेनेड हमला इसी गैंगस्टर की वीडियो धमकियों के बाद हुआ था।

शिवसेना नेता शाइना एनसी ने राहुल-सोनिया के खिलाफ दर्ज हुई एफआईआर पर दी प्रतिक्रिया,

नेशनल हेराल्ड मामला कोई राजनीतिक साजिश नहीं

मुंबई। शिवसेना नेता शाइना एनसी ने नेशनल हेराल्ड केस में सोनिया गांधी और राहुल गांधी के खिलाफ दिल्ली पुलिस की एफआईआर पर प्रतिक्रिया दी है। उन्होंने कहा कि नेशनल हेराल्ड मामला कोई राजनीतिक साजिश नहीं है। एफआईआर एसोसिएटेड जर्नल्स लिमिटेड की संपत्तियों से जुड़ी आपराधिक साजिश के बारे में है। शाइना एनसी ने मीडिया से बातचीत में कहा कि कोई भी व्यक्ति कानून के ऊपर नहीं है, चाहे वह सोनिया गांधी हों या राहुल गांधी। इस मामले में शामिल आरोपियों के बारे में तहकीकात के बाद पूरा खुलासा होगा। मेरा मानना है कि कानून को अपना काम करने दिया जाना चाहिए।नासिक कुंभ पर शिवसेना-यूबीटी के नेता संजय राउत के सवालों पर शाइना एनसी ने जवाब में कहा, संजय राउत के आरोप बेबुनियाद हैं। प्रयागराज में जो हुआ वह नासिक में नहीं होगा। लोगों को गुमराह न करें। कुंभ में कोई भगदड़, कोई कैजुअल्टी या कोई फंड मिसमैनेजमेंट नहीं होगा। उन्हें नासिक कुंभ को लेकर कोई अफवाह नहीं फैलानी चाहिए। शिवसेना नेता ने कहा कि अगर संजय राउत को आपत्ति है तो वे बताएं कि कहां 1700 पेड़-पौधे कटे हैं। उन्होंने यह भी कहा कि बेबुनियाद आरोप लगाना बंद करें। इसी बीच, शाइना एनसी ने संजय राउत को नासिक कुंभ में जाने और स्नान करने की सलाह दी। उन्होंने कहा, मेरी सलाह है कि आप भी नासिक कुंभ में जरूर स्नान करने जाएं और अपने पापों का प्रायश्चित करें। अगर आप अपने पापों को नहीं धोएंगे तो जनता आपको स्वीकार नहीं करेगी। संसद के शीतकालीन सत्र पर शिवसेना नेता ने कहा कि 10 प्रमुख बिल हैं, जिन पर इस शीतकालीन सत्र के दौरान संसद में चर्चा की जाएगी। हमें उम्मीद है कि विपक्ष सकारात्मक भूमिका निभाएगा। उन्होंने कहा कि एसआईआर को लेकर काफी चर्चा रही है, लेकिन यह चर्चा संसद के बाहर नहीं, बल्कि संसद के अंदर होनी चाहिए। शाइना एनसी ने महमूद मदनी के उस बयान पर भी जवाब दिया, जिसमें मौलाना ने कहा कि जब भी जुल्म होगा, जिहाद होगाश। शिवसेना नेता ने कहा, मौलाना महमूद मदनी अपने आप को मुस्लिम समाज के ठेकेदार बुलाते हैं, उनको समझना चाहिए कि वे क्या बोल रहे हैं। वे लोगों को गुमराह और समाज में बंटवारा करने के लिए गैर-जिम्मेदाराना बयान देते हैं।

शिवगंगा में दो बसों की भीषण टक्कर; सात लोगों की मौत, कई यात्री घायल

चेन्नईः तमिलनाडु के शिवगंगा जिले में तिरुपथुर के पास रविवार को एक भीषण सड़क हादसा हुआ, जिसमें दो बसों की आमने-सामने टक्कर हो गई। टक्कर लगने से कई यात्री गाड़ियों के अंदर फंस गए, जिन्हे स्थानीय लोगों की मदद से बाहर निकाला

टक्कर में 7 लोगों की मौत हो गई। इस हादसे में करीब 20 लोग घायल बताए जा रहे हैं। घटना की पुष्टि शिवगंगा जिले के पुलिस अधीक्षक शिवा प्रसाद ने की। पुलिस ने बताया कि एक बस कराईकुडी जा रही थी, जबकि दूसरी मदुरै की तरफ जा रही थी, तभी थिरुपथुर के पास दोनों बसों गया। पुलिस के अनुसार, टक्कर इतनी जबरदस्त थी कि दोनों बसों के आगे के हिस्से बुरी तरह क्षतिग्रस्त हो गए। कई लोगों की मौके पर ही मौत हो गई। घायलों को शिवगंगा के जिला अस्पताल में भर्ती कराया गया है। रिपोर्ट्स के मुताबिक, कई लोगों की हालत गंभीर बताई जा रही है।

संसद के शीतकालीन सत्र से पहले हुई सर्वदलीय बैठक

एसआईआर, वोट चोरी समेत कई मुद्दों पर हुई चर्चा

नईदिल्ली। संसद के शीतकालीन सत्र के शुरू होने से एक दिन पहले रविवार को सर्वदलीय बैठक हुई जिसमें दोनों सदनों के विधायी कार्यों और विभिन्न विषयों को लेकर चर्चा की गई। इस बैठक में सरकार की तरफ से रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह, राज्यसभ में सदन के नेता एवं स्वास्थ्य मंत्री जेपी नड्डा, संसदीय कार्य मंत्री किरेन रीजीजू और संसदीय कार्य राज्य मंत्री अर्जुन राम मेघवाल शामिल हुए। कांग्रेस के प्रमोद तिवारी, कोडिकुनिल सुरेश, तृणमूल कांग्रेस के नेता डेरेक ओब्रायन, समावादी पार्टी के अखिलेश यादव, द्रमुक के तिरुचित शिवा और कई अन्य दलों के नेता शामिल हुए। सर्वदलीय बैठक से पहले

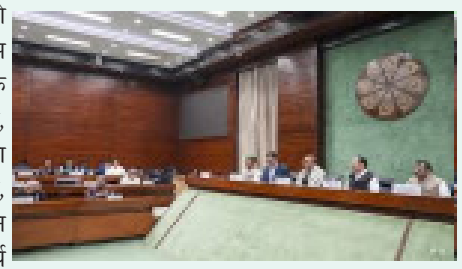

कांग्रेस नेता प्रमोद तिवारी ने रविवार को कहा कि विपक्ष निर्वाचन आयोग के साथ मिलीभगत से सत्तारूढ़ भाजपा द्वारा कथित तौर पर वोट चोरी किए जाने का मुद्दा उठाएगा। उन्होंने संवाददाताओं से कहा कि जब लोकतंत्र की हत्या की जा रही हो और सिर्फ ष्वोट चोरीष नहीं, बल्कि वोट डकैती की जा रही हो, तो यह एक मुद्दा अहम होगा। उनका कहना था, जब लाल किले के पास विस्फोट हो रहा है, तो यह एक मुद्दा है। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी की विदेश नीति विफल हो गई है। ये सभी मुद्दे उठाए जाएंगे। शीतकालीन सत्र सोमवार से शुरू हो रहा है और 19 दिसंबर को समाप्त होगा।

सीएम मोहन के बेटे ने सामूहिक विवाह में की शादी, सादगी का दिया संदेश

उज्जैन। मुख्यमंत्री मोहन यादव के बेटे डॉ. अभिमन्यु यादव ने सामूहिक विवाह में डॉ. इशिता पटेल के साथ सात फेरे लेकर सादगी और फिजूलखर्ची से बचने का प्रभावी संदेश दिया, जो अनावश्यक खर्चों को हतोत्साहित करने की पहल को दशार्ता है। इस निर्णय का उद्देश्य सामाजिक समानता को बढ़ावा देना और शादियों में दिखावे की बजाय सादगी को अपनाने की मिसाल कायम करना है। मध्य प्रदेश के मुख्यमंत्री मोहन यादव के छोटे बेटे डॉ. अभिमन्यु यादव ने रविवार को उज्जैन में क्षिप्रा नदी के किनारे एक सामूहिक विवाह समारोह में डॉ. इशिता

पटेल के साथ सात फेरे लिए। इस जोड़े ने सादगी और फिजूलखर्ची से बचने का संदेश देते हुए, 21 दूसरे जोड़ों के साथ एक ही कार्यक्रम में शादी की। सादगी बनी मिसाल परिवार ने कहा कि इस आयोजन का मकसद शादियों में सादगी को बढ़ावा देना और अनावश्यक खर्चों से बचना था। समारोह में पारंपरिक रंग देखने को मिले। दूल्हे घोड़ों पर सवार होकर आए, जबकि दुल्हनें सजी हुई गाड़ियों में बैठी थीं। भव्य बारात और सांस्कृतिक आकर्षणों ने धन-दौलत के दिखावे की जगह ले ली। शादी के निमंत्रणों में भी महंगे तोहफों या दिखावटी सेटिंग्स को स्पष्ट रूप से हतोत्साहित किया गया था। पारिवारिक सूत्रों ने बताया कि सामूहिक शादी करने का फैसला मुख्यमंत्री का सोचा-समझा कदम था ताकि सामाजिक बराबरी और शादी के खर्चों पर रोक का एक उदाहरण पेश किया जा सके। बाबा महाकाल, भगवान श्री गोपाल कृष्ण की असीम कृपा और पूज्य माताजी-पिताजी के आशीर्वाद से आज सुपुत्र डॉ. अभिमन्यु और सौभाग्यवती डॉ. ईशिता सहित कुल 21 नवयुगल सामूहिक विवाह समारोह में परिणय सूत्र में बंधे। दूल्हे ने जताई खुशी शादी के बाद अभिमन्यु यादव ने सामूहिक विवाह में अपनी नई जिंदगी शुरू करने पर खुशी जाहिर की।

दिल्ली की हवा ने लिया यू-टर्न! 305 से गिरकर 268 पर आई, सांस लेना हुआ थोड़ा आसान

नई दिल्ली। दिल्ली में कई दिनों तक वायु गुणवत्ता बहेद खराब श्रेणी में रहने के बाद रविवार सुबह खराब श्रेणी में आ गई है जिससे राष्ट्रीय राजधानी की हवा की गुणवत्ता में थोड़ा सुधार हुआ है। केंद्रीय प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड (सीपीसीबी) के अनुसार, दिल्ली में समग्र वायु गुणवत्ता सूचकांक (एक्यूआई) 268 दर्ज किया गया, जो एक दिन पहले यानी शनिवार के मुकाबले बेहतर है। शनिवार को एक्यूआई 305 दर्ज की गई थी। सीपीसीबी के समीर ऐप के आंकड़ों के अनुसार दिल्ली के पांच निगरानी केंद्रों ने वायु गुणवत्ता ष्बहेद खराबष श्रेणी में दर्ज की गयी है, जबकि अन्य 33 केंद्रों ने इसके ष्खराबष स्तर पर बने रहने की जानकारी दी है। सीपीसीबी के मानकों के अनुसार, एक्यूआई को शून्य से 50 के बीच अच्छा, 51 से 100 के बीच संतोषजनक, 101 से 200 के बीच मध्यम, 201 से 300 के बीच खराब, 301 से 400 के बीच बहुत खराब और 401 से 500 के बीच गंभीर माना जाता है। भारत मौसम विज्ञान विभाग (आईएमडी) ने बताया कि दिल्ली में न्यूनतम तापमान 8.3 डिग्री सेल्सियस दर्ज किया गया जो मौसम के औसत से दो डिग्री कम है।

केंद्रीय मंत्री रिजिजू बोले-सौहार्दपूर्ण रही सर्वदलीय बैठक

शीतकालीन सत्र में विपक्षी दलों से सहयोग की उम्मीद

नईदिल्ली। सरकार ने कहा है कि रविवार को बुलाई गई सर्व दलीय बैठक सौहार्दपूर्ण रही है और भरोसा है कि शीतकालीन सत्र के सुचारू संचालन में सरकार को सभी दलों का सहयोग मिलेगा। रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने बैठक की अध्यक्षता की। संसदीय कार्य मंत्री किरेन रिजिजू ने बैठक के बाद रविवार को यहां संसद भवन परिसर में पत्रकारों से कहा सभी दलों के सदन के नेताओं के साथ हुई बैठक बहुत अच्छी, अत्यंत उपयोगी और सौहार्दपूर्ण रही। विपक्ष के सभी नेताओं ने सौहार्दपूर्ण तरीके से अपनी बात रखी और इसके लिए मैं सभी दलों के सदन के नेताओं का आभार व्यक्त करता हूँ। सभी ने इसमें उत्साह से भाग लिया और अपनी-अपनी पार्टी के विचार रखे। उन्होंने कहा ष्बैठक में राज्यसभा में सदन के नेता जे.पी. नड्डा, मंत्रिमंडल के सहयोगियों और मैंने सभी सुझावों को नोट कर लिया है और दोनों सदनों को व्यवस्थित ढंग से चलाने के लिए सभी नेताओं के सुझावों और प्रस्तावों पर विचार किया जाएगा। दोनों सदनों की कार्य मंत्रणा समिति की बैठक में इन मुद्दों को भी प्रस्तुत किया जाएगा।ष उन्होंने वंदे मातरम को लेकर कहा कि यह महत्वपूर्ण है कि डेढ़ सौ साल पहले रचे गये इस गीत को नारा बनकर हमारे स्वतंत्रता संग्राम सेनानियों ने वंदे मातरम नारा लगाया और अंग्रेजों के खिलाफ लड़ाई लड़ी थी। स्वतंत्रता सेनानी और महान साहित्यकार बंकिम चंद्र चटर्जी के वंदे मातरम गीत को लिखे 150 साल हो गए हैं और इस पर देश में आयोजन किया जा रहे हैं। केंद्रीय मंत्री ने कहा कि यह कोई राजनीतिक एजेंडा नहीं है। इस गीत पर पूरा देश विश्वास करता है और इसका सम्मान करता है इसलिए यह कोई राजनीतिक एजेंडा नहीं है। इस पर संसद में चर्चा भी करनी होगी, तो इस बात को सभी दलों के सामने रखा जाएगा। इस गीत पर चर्चा कराने को लेकर पत्रकारों के सवालों के जवाब में उन्होंने कहा ष्मैं इसे कार्य मंत्रणा समिति के समक्ष उठाऊंगा। मैं यहां एजेंडा की घोषणा नहीं कर सकता। यह पूछने पर कि कुछ विपक्षी दल ज्वलन्त मुद्दों और खासकर एसआईआर को लेकर संसद नहीं चलने देने की बात कर रहे हैं तो उन्होंने कहा कि संसद नहीं चलेगी या चलने नहीं देगी, यह बात बैठक में किसी ने नहीं कही। उनका कहना था कि कुछ नेताओं ने कहा कि एसआईआर का मुद्दा सदन में रखेंगे। उन्होंने कहा कि सरकार विपक्ष की हर बात सकारात्मक रूप से सुनने को तैयार है। संसद सबकी है, देश की है।

तेलंगाना ग्राम पंचायत चुनावः पहले चरण के लिए 25,000 से अधिक उम्मीदवारों ने दाखिल किया नामांकन

हिन्द सागर प्रलोका, जीएनएस

हैदराबाद, 30 नवंबरः तेलंगाना में ग्राम पंचायत चुनाव के पहले चरण की वोटिंग 11 दिसंबर को होगी। राज्य चुनाव आयोग के अनुसार, इस चरण के लिए 25,654 लोगों ने 4,236 ग्राम पंचायतों में नामांकन पत्र दाखिल किए हैं।

शनिवार को नामांकन की आखिरी तारीख थी, जब 17,940 उम्मीदवारों ने पर्चा भरा। कुल 37,440 वार्ड्स के लिए 82,276 नामांकन प्राप्त हुए हैं। अधिकारियों द्वारा नॉमिनेशन की जांच के बाद अंतिम उम्मीदवारों की सूची रविवार देर रात जारी की जाएगी।

अपील 1 दिसंबर को दाखिल की जा सकेगी और 2 दिसंबर को निपटारा होगा। नाम वापसी की आखिरी तारीख 3 दिसंबर है। मतदान सुबह 7 बजे से दोपहर 1 बजे तक होगा और मतगणना उसी दिन दोपहर 2 बजे से शुरू होगी।

पहले चरण में कुल 12,728 सरपंच और 1,12,242 वार्ड के लिए चुनाव होंगे, जिनमें 1.66 करोड़ ग्रामीण मतदाता मतदान करेंगे।

दूसरे चरण के नामांकन 30 नवंबर से शुरू होंगे और नाम वापसी 6 दिसंबर तक की जा सकेगी। अंतिम चरण के नामांकन 3 दिसंबर से शुरू होंगे और नाम वापसी 9 दिसंबर तक होगी।

तेलंगाना कैबिनेट ने सिर्फ ग्राम पंचायत चुनाव कराने का फैसला 17 नवंबर को किया था, ताकि केंद्र से मिलने वाला 3,000 करोड़ रुपये का अनुदान 31 मार्च, 2026 तक सुरक्षित रहे।

आईआरएस अधिकारी डॉ. कुंदन यादव को भारत गौरव सम्मान 2025 से नवाजा गया

हिन्द सागर प्रलोका, जीएनएस

हैदराबाद। काशी के निवासी और मुंबई में कमिश्नर आईआरएस अधिकारी डॉ. कुंदन यादव को हैदराबाद में आयोजित भारत गौरव सम्मान 2025 समारोह में सम्मानित किया गया। समारोह में 16 राज्यों से चुने गए कुल 16 लोगों को विभिन्न क्षेत्रों में उत्कृष्ट कार्य के लिए सम्मानित किया गया।

डॉ. कुंदन यादव का जन्म वाराणसी में हुआ। उन्होंने इलाहाबाद विश्वविद्यालय से स्नातक, बीएचयू और जवाहरलाल नेहरू विश्वविद्यालय से एम.ए., एम.फिल. व पीएच.डी. की उपाधि प्राप्त की। वे फुलब्राइट स्कॉलर के रूप में इलिनॉय विश्वविद्यालय, शिकागो में हिन्दी और भारतीय संस्कृति का अध्यापन कर चुके हैं।

भारतीय राजस्व सेवा के 2007 बैच के अधिकारी डॉ. यादव वर्तमान में वित्त मंत्रालय के कस्टम और अप्रत्यक्ष कर विभाग के तहत मुंबई में कमिश्नर पद पर कार्यरत हैं। तस्करों के खिलाफ कड़ी कार्रवाई और सख्त चुनाव पर्यवेक्षक के रूप में स्वच्छ चुनाव सुनिश्चित करने की उनकी भूमिका के कारण उन्हें यह सम्मान मिला।

समारोह का आयोजन भारत टास्क मीडिया ग्रुप ने किया। मुख्य अतिथि के रूप में तेलंगाना के राज्यपाल जिष्णुदेव वर्मा और विशिष्ट अतिथि चिन्ना जीयर स्वामी उपस्थित थे।

तमिलनाडु में दो सरकारी बसों की भीषण टक्कर, 7 की मौत - कई घायल

हिन्द सागर प्रलोका, जीएनएस

तमिलनाडु के शिवगंगा जिले में रविवार सुबह हुए दर्दनाक सड़क हादसे में दो सरकारी बसों की आमने-सामने टक्कर में 7 लोगों की मौके पर मौत हो गई। हादसा गुम्मिदीपोंडी फ्लाईओवर के पास हुआ, जहां टक्कर इतनी जोरदार थी कि कई यात्री बसों के अंदर ही फंस गए।

सूचना मिलते ही पुलिस और प्रशासन की टीमों ने राहत और बचाव कार्य शुरू किया। स्थानीय लोगों की मदद से घायलों को बाहर निकालकर शिवगंगा सरकारी अस्पताल में भर्ती कराया गया, जहां कई की हालत नाजुक बताई जा रही है।

शिवगंगा के एसपी शिव प्रसाद ने बताया कि एक बस कराईकुडी की ओर जा रही थी जबकि दूसरी बस मदुरै की तरफ से आ रही थी, तभी थिरुपत्तूर के पास यह भीषण दुर्घटना हो गई। मृतकों की संख्या बढ़ने की आशंका जताई गई है।

हैदराबाद में फर्जी कॉल सेंटर का भंडाफोड़, ऑस्ट्रेलियाई नागरिकों से करोड़ों की ठगी

हिन्द सागर प्रलोका, जीएनएस

साइबराबाद पुलिस ने हैदराबाद के माधापुर में चल रहे फर्जी कॉल सेंटर रिज आईटी सॉल्यूशन का भंडाफोड़ किया है। यह कॉल सेंटर पिछले दो वर्षों से ऑस्ट्रेलियाई नागरिकों को निशाना बनाकर 8झ्र 10 करोड़ रुपये की ऑनलाइन ठगी को अंजाम दे रहा था। पुलिस ने अब तक 9 आरोपियों को गिरफ्तार किया है, जबकि और गिरफ्तारियों की संभावना जताई गई है।

जांच के अनुसार, ठग पहले ऑस्ट्रेलियाई नागरिकों को फर्जी ईमेल और मैसेज भेजकर यह दावा

करते थे कि उनका फोन या लैपटॉप हैक हो सकता है। इसके बाद उन्हें एक कस्टमर केयर नंबर पर संपर्क करने को कहा जाता था। फोन पर ठग उनके डिवाइस में एक ऐप इंस्टॉल करवाकर पूरा नियंत्रण हासिल कर लेते थे और ऑनलाइन बैंकिंग से धन निकाल लेते थे। यह पैसा पहले ऑस्ट्रेलिया में भारतीयों के खातों में जाता था, फिर हवाला नेटवर्क के जरिए भारत भेजा जाता था।

छापेमारी में पुलिस ने 45 ऑस्ट्रेलियाई बैंक खाते सीज किए हैं। शुरूआती जांच में पता चला है कि यह रैकेट प्रवीण और प्रकाश नामक दो भाइयों द्वारा संचालित किया जा रहा था, जिन्होंने कॉल सेंटर चलाने के लिए कोलकाता से 7 लोगों को भर्ती कर प्रशिक्षित किया था।

चक्रवात दित्वा से निपटने के लिए दूरसंचार विभाग ने 247 कंट्रोल रूम बनाया

हिन्द सागर प्रलोका,जीएनएस

नई दिल्ली, 30 नवंबर। बंगाल की खाड़ी में उठे चक्रवात दित्वा के खतरे को देखते हुए दूरसंचार विभाग ने दूरसंचार नेटवर्क की सुरक्षा और निर्बाध कनेक्टिविटी सुनिश्चित करने के लिए 247 कंट्रोल रूम स्थापित किया है। मंत्रालय के अनुसार, तटीय आंध्र प्रदेश और तमिलनाडु पर चक्रवात के संभावित प्रभाव को ध्यान में रखते हुए सभी दूरसंचार सेवा

प्रदाताओं को पर्याप्त ईंधन भंडारण, आपात बिजली बैकअप और संवेदनशील जिलों में फील्ड टीमों की तैनाती के निर्देश दिए गए हैं।

मानक संचालन प्रक्रिया के तहत इंट्रा सर्कल रोमिंग और सेल ब्रॉडकास्ट प्रणाली का परीक्षण पूरा कर लिया गया है, ताकि आपात स्थिति में समय पर चेतावनी और संचार बना रहे। विभाग ने कहा है कि चक्रवात के दौरान और बाद में भी नेटवर्क स्थिति पर लगातार नजर रखी जा रही है।

उधर, आईएमडी ने तमिलनाडु, पुडुचेरी और आंध्र प्रदेश के कई जिलों में येलो अलर्ट जारी किया है। तमिलनाडु में चक्रवात के प्रभाव से हुई बारिश में तीन लोगों की मौत हुई है, जबकि 149 मवेशी मारे गए और करीब 57 हजार हेक्टेयर कृषि भूमि प्रभावित हुई है।

यरता गांव में गैर समुदाय की बरात पहुंचने पर विवाद

परशुरामपुर। थानाक्षेत्र के यरता गांव में शुक्रवार की रात अनुसूचित जाति की युवती से शादी करने गोंडा जिले के एक गांव के मुस्लिम समुदाय के लोग बरात लेकर पहुंच गए तो हंगामा मच गया। विश्व हिंदू महासंघ के कार्यकताओं की सूचना पर पहुंची पुलिस दूल्हे को हिरासत में लेकर थाने ले गई। वहां शनिवार देर शाम तक दोनों पक्षों में बातचीत के बाद सुलह-समझौता हो गया। यरता गांव की युवती का चार-पांच वर्ष पहले गोंडा जनपद के पटखौली निवासी एक युवक से फोन पर बातचीत चल रही थी। धीरे-धीरे दोनों ने शादी करने का मन बनाया और अपने परिवार के लोगों को भी राजी कर लिया। शुक्रवार को दूल्हा बरात लेकर यरता गांव पहुंचा। इसी दौरान गांव में 15-20 की संख्या में गैर-संप्रदाय के बरातियों के पहुंचने से लोगों में हलचल मच गई। किसी ने विश्व हिंदू महासंघ को सूचना दे दी। संगठन के सदस्य महेश हिंदुस्थानी, साहब पाठक, संजय पांडेय सहित अन्य कार्यकर्ता मौके पर पहुंचे और शादी का विरोध करने लगे। सूचना पर परशुरामपुर के एसओ भानु प्रताप सिंह भी पहुंचे और दूल्हे व अन्य बरातियों को थाने ले गए। एसओ ने बताया कि दोनों परिवार आपसी रजामंदी से यह शादी कर रहे हैं।

मीडिया के सामने रोया गैंगस्टर सबलू

कानपुर। डीटू गैंग के शूटर और हिस्ट्रीशीटर एजाजुद्दीन उर्फ सबलू को जेल से पांच लाख रुपये की रंगदारी मांगने के आरोप में गिरफ्तार कर लिया गया है। 15 से अधिक मामलों में वांछित सबलू ने मीडिया के सामने अब क्राइम न करने की गुहार लगाई। कानपुर में जेल से पांच लाख रुपए की रंगदारी मांगने के मामले डीटू गैंग के शूटर और हिस्ट्रीशीटर एजाजुद्दीन उर्फ सबलू को रविवार सुबह अनवरगंज और क्राइम ब्रांच की संयुक्त टीम ने डिप्टी पड़ाव के पास से गिरफ्तार कर लिया है। गिरफ्तारी के बाद पुलिस हिरासत में मीडिया के सामने सबलू बोला कि साहबङ्कअब नहीं करेंगे क्राइम मेरे छोटे-छोटे बच्चे हैं। बांसमंडी की रहने वाली रहनुमा बानो ने हिस्ट्रीशीटर एजाजुद्दीन उर्फ सबलू पर अनवरगंज थाने में प्राथमिकी दर्ज कराई थी। आरोप था कि हिस्ट्रीशीटर ने उनके

पति मो. नावेद से रुपये ऐंठने की नीयत से उनका नाम साजिशन एक एफआईआर में लिखवा दिया था। पति के जेल जाने के कुछ दिन बाद रंगदारी के मामले में सबलू को भी पुलिस ने जेल भेज दिया था। महिला ने देवर को पूरी बात बताई जेल में मुलाकात के दौरान हिस्ट्रीशीटर सबलू ने पति से कहा कि जमानत करवानी है, तो पांच लाख रुपये दो। नहीं तो जमानत नहीं होने देंगे। अगर हो भी गई जमानत तो बाहर आने पर जान से मार दूंगा। पति ने डर के मारे एक लाख पहले और बाकी चार लाख रुपये जेल के बाहर आने की हामी भर दी। महिला के अनुसार जेल में मिलाई के दौरान पति ने यह बात बताई। फिर उन्होंने देवर सकलैन को पूरी बात बताई। सबलू पर करीब 15 से ज्यादा मुकदमे दर्ज हैं इसके बाद हिस्ट्रीशीटर के गुर्गे लगातार फोन कर पैसों की मांग करने लगे थे। इस पर उन लोगों ने एक लाख रुपए दे दिए। पुलिस ने मामले में सबलू के साथी इरफान चूड़ी को गिरफ्तार कर लिया। मामले में फरार चल रहे हिस्ट्रीशीटर सबलू की तलाश में अनवरगंज पुलिस और क्राइम ब्रांच की टीम लगी थी। रविवार को पुलिस उसे डिप्टी पड़ाव चौराहे से गिरफ्तार कर लिया। डीसीपी सेंट्रल श्रवण कुमार सिंह ने बताया कि सबलू पर करीब 15 से ज्यादा रंगदारी, हत्या का प्रयास, एनडीपीएस, लूट के मुकदमे दर्ज हैं।

मौसम में बदलाव से सर्दी-जुकाम के मरीजों की तादाद बढ़ी

बस्ती। जिला अस्पताल की ओपीडी में मरीजों की संख्या कम होने के बजाय बढ़ रही है। ओपीडी में सर्दी, जुकाम, बुखार के अलावा सांस रोग के मरीजों की संख्या सबसे अधिक रही। त्वचा रोग विभाग में भी भीड़ दिखी। समय से पर्चा न बनने, जांच और रिपोर्ट के चलते कई मरीजों को बिना इलाज के ही वापस लौटना पड़ रहा है। ओपीडी में आए कई मरीजों के गर्दन में समस्या थी। दर्द से परेशान थे। चिकित्सकों ने परामर्श देकर घर भेजा। फिजीशियन डॉ. रामजी सोनी ने बताया कि 88 मरीजों में सर्दी-जुकाम और बदन दर्द की शिकायत थी। गंभीर रोगियों को मेडिकल वार्ड में भर्ती कराया गया। बताया कि ठंड के चलते मौसम संबंधी बीमारियां बढ़ रही हैं। बचाव के तौर-तरीके भी बताए गए। जिला अस्पताल में शनिवार को 754 मरीजों ने पंजीकरण कराया। मेडिसिन विभाग की ओपीडी में सर्वाधिक मरीज देखे गए। अधिकांश लोग खांसी, जुकाम, बुखार और गले की सूजन जैसी मौसमी बीमारियों से पीड़ित थे। सुबह से ही इलाज के लिए लंबी कतारें देखने को मिलीं। इसके बाद बाल रोग विशेषज्ञ कक्ष में बच्चों की भीड़ दिखी।

दुकान के बंटवारे के विवाद में भाभी-ननद में मारपीट

बभनान। बंटवारे के विवाद में भाभी व ननद के बीच मारपीट का मामला प्रकाश में आया है। पीड़िता की मां की तहरीर पर पुलिस ने पुत्र व बहू के विरुद्ध केस दर्ज किया है। गौर थाना क्षेत्र के नगर पंचायत बभनान के वार्ड नंबर 6 भगत सिंह नगर निवासी सावित्री देवी पत्नी स्व. रामजी कसौधन ने गौर पुलिस को दिए तहरीर में बताया है कि उसके पति का स्वर्गवास हो चुका है। उसकी दो पुत्रियां प्रीति व मुस्कान हैं। एक पुत्र सनी है। सनी की पत्नी पिंकी ने बीते 25 नवंबर को करीब 6:00 बजे दुकान के बंटवारे को लेकर मेरी पुत्री प्रीति को गाली गलौज देते हुए मारना पीटना शुरू कर दिया। बीच बचाव के लिए वह और उनकी पुत्री मुस्कान आई तो मेरे पुत्र सनी ने गाली गलौज देते हुए घर से निकाल दिया। थानाध्यक्ष गौर संतोष कुमार गोड़ ने बताया कि पीड़िता की तहरीर पर केस दर्ज कर विवेचना चौकी प्रभारी बभनान को सौंप दी गई है।

नहीं आई परीक्षा केंद्रों की सूची

बस्ती। बोर्ड परीक्षा 2026 को लेकर माध्यमिक शिक्षा विभाग कार्यालय में शनिवार को काफी हलचल रही। संभावना जताई गई कि परिषद से ऑनलाइन परीक्षा केंद्रों की सूची जारी कर दी जाएगी। सुबह दस बजे कार्यालय पहुंचने के बाद से ही लोग सूची के इंतजार में थे। इस बीच कुछ विद्यालयों के प्रबंधक भी कार्यालय में आते- जाते रहे। इसके अलावा कर्मचारियों, अधिकारियों का फोन दिन भर बजता रहा। सभी ने एक ही उत्तर दिया कि अभी सूची आई नहीं है। पूरे दिन इंतजार के बाद देर शाम तक जब सूची नहीं आई तब लोग शांत हुए। इस बार 27 नवंबर को ही परीक्षा केंद्रों के ऑनलाइन निर्धारण की घोषणा परिषद की ओर से कर दी गई थी। दो दिन बीतने के बाद भी अभी इसका निर्धारण नहीं हो पाया है। विभागीय जानकारों का कहना है कि कुछ जनपदों से सत्यापन रिपोर्ट भेजने में देरी हुई है। इस वजह से केंद्रों के निर्धारण में विलंब हो रहा है। माना जा रहा था कि शनिवार तक सूची जारी हो जाएगी। लेकिन, यह संभव नहीं हो पाया। तमाम विद्यालय प्रबंधक विभाग से दिन भर जानकारी करते रहे। पिछले सत्र में हाईस्कूल एवं इंटरमीडिएट परीक्षा के लिए 124 केंद्रों का निर्धारण हुआ है। परीक्षार्थियों की संख्या में लगभग पांच हजार गिरावट आने की वजह से इस बार इन केंद्रों की संख्या घटने की उम्मीद है। ऐसे तमाम निजी विद्यालय प्रबंधन उहापोह की स्थिति में है।

छात्र संख्या घटने से यदि केंद्रों की संख्या कम हुई तो केंद्र बनने के मापदंड खरे उतरने के बाद भी कुछ विद्यालयों को सूची से बाहर होना पड़ेगा।

अंतिम यात्रा शुरू भैरव घाट में होगा क्रियाकर्म

कानपुर। पूर्व कोयला मंत्री श्रीप्रकाश जायसवाल की अंतिम यात्रा आज सुबह उनके लालबंगला स्थित आवास से शुरू हुई, जिसमें बिहार के राज्यपाल आरिफ मोहम्मद खान और कई सांसद-विधायक शामिल हुए। उनका अंतिम संस्कार भैरव घाट पर राजकीय सम्मान के साथ किया जाएगा। कांग्रेस पार्टी के कद्दावर नेता, कानपुर के तीन बार के सांसद और पूर्व केंद्रीय कोयला मंत्री श्रीप्रकाश जायसवाल का आज रविवार को राजकीय सम्मान के साथ अंतिम संस्कार किया जाएगा। उनका पार्थिव शरीर आज सुबह लालबंगला स्थित आवास से अंतिम यात्रा के लिए निकला है। उनके बड़े बेटे सिद्धार्थ जायसवाल भी अंतिम संस्कार में शामिल होने के लिए सुबह कनाडा से कानपुर पहुंचे। अंतिम यात्रा में शामिल होने के लिए सुबह से ही कांग्रेस कार्यकताओं के साथ अन्य दलों के नेता और कार्यकर्ता भी उनके आवास पर पहुंचे। अंतिम यात्रा में दिग्गजों की उपस्थिति इनमें प्रमुख रूप से बिहार के राज्यपाल आरिफ मोहम्मद खान, कानपुर सांसद रमेश अवस्थी, अकबरपुर सांसद देवेंद्र सिंह भोले, भाजपा विधायक सुरेंद्र मैथानी, पूर्व स्वास्थ्य मंत्री अनंत मिश्रा आदि शामिल रहे। बता दें कि, श्रीप्रकाश जायसवाल का शुक्रवार को 81 साल की उम्र में निधन हो गया था। इस रूट ये गुजरेगी यात्रा यात्रा सबसे पहले कैनाल रोड स्थित पैतृक निवास पहुंचेगी। उसके बाद यात्रा मेस्टन रोड स्थित कांग्रेस मुख्यालय तिलक हाल में कुछ देर रुकेगी। यहां देशभर से आए नेता और लोग पार्थिव शरीर पर श्रद्धांजलि देंगे। इसके बाद यात्रा भैरव घाट के लिए प्रस्थान करेगी, जहां उनका अंतिम संस्कार किया जाएगा। शोक का माहौल कांग्रेस कार्यकताओं, विभिन्न राजनीतिक दलों के नेताओं और आम नागरिकों ने नम आंखों

से अपने प्रिय नेता को विदाई दी। उनकी सौम्यता और हर वर्ग से जुड़े रहने के कारण उन्हें भारी जनसमर्थन मिला। बता दें कि अंतिम यात्रा उनके निवास से शहर के प्रमुख मार्गों से होते हुए भैरव घाट के लिए प्रस्थान करेगी।

मेले में छात्र- छात्राओं को दी गई जानकारी

गौर। राजकीय हाई स्कूल पिपरहिया गौर में कॅरिअर गाइडेंस मेला का आयोजन किया गया। इसमें कॅरिअर से संबंधित स्टाल लगाए गए। इसके जरिये छात्र-छात्राओं को भविष्य संवारने की जानकारी दी गई। विद्यालय के नोडल अधिकारी विवेक कुमार श्रीवास्तव की देखरेख में मेले का आयोजन हुआ। छात्र-छात्राओं ने कॅरिअर विकल्प के रूप में डॉक्टर, इंजीनियर, सिविल सर्विसेज, ब्यूटी पार्लर, शिक्षक, होटल मैनेजमेंट, बैंकर, एडवोकेट, म्यूजिशियन, पत्रकारिता, शारीरिक शिक्षक आदि विभिन्न कॅरिअर विकल्पों को स्टॉल प्रदर्शनी के माध्यम से विद्यालय में प्रदर्शित किए। विद्यालय के प्रधानाचार्य इंद्र बहादुर ने कहा कि इस तरह के कॅरिअर गाइडेंस मेले के आयोजन से बच्चों को अपने सुनहरे भविष्य को लेकर तमाम कुछ जानने और सीखने को मिलता है। निर्णायक मंडल की ओर से उत्कृष्ट प्रदर्शन करने वाले बच्चों को ट्रॉफी देकर सम्मानित किया गया।

मेहंदी का रंग भी नहीं छूटा उजड़ गया सुहाग

भदोही। उत्तर प्रदेश के भदोही जिले में भीषण सड़क हादसा हो गया। इसमें दो लोगों ने अपनी जान गंवा दी। वहीं, तीन की हाल गंभीर बताई जा रही है, जिन्हें जिला अस्पताल रेफर कर दिया गया। सभी लोग वाराणसी के रहने वाले है। भदोही औराई कोतवाली के महाराजगंज इटवा के पास हाइवे पर ट्रेलर में पीछे से टकराई कार से भाई-बहन की मौत हो गई। वहीं युवक की पत्नी समेत तीन लोग घायल हो गए। हादसा हाइवे के ट्रेलर के सामने अचानक कुत्ता आ जाने से चालक द्वारा अचानक ब्रेक लगाने से हुआ। इससे पीछे से आ रही तेज रफ्तार कार ट्रेलर में टकरा गई। गंभीर रूप से घायल तीनों को जिला अस्पताल रेफर कर दिया गया है। वाराणसी के तिलक नगर कॉलोनी कैंट निवासी विनय श्रीवास्तव (40) अपनी पत्नी श्रेया श्रीवास्तव (35), बड़ी बहन श्वेता श्रीवास्तव पत्नी दीपेश कुमार (44) और भांजा जयश्री श्रीवास्तव (10) पुत्र दीपेश कुमार निवासी वीडीए कॉलोनी जार्जटाउन प्रयागराज और सीमा श्रीवास्तव (52) पत्नी पवन कुमार श्रीवास्तव को लेकर प्रयागराज जा रहे थे। प्रयागराज में उनकी बड़ी बहन सीमा श्रीवास्तव की लॉ की परीक्षा थी। परीक्षा दिलाने के साथ-साथ एक बहन व भांजे को छोड़ने व घूमने की मंशा से सभी लोग प्रयागराज जा रहे थे। उनके आगे एक टेलर पर भी चल रहा था।

अस्पताल चौराहे से हटेगा अतिक्रमण

पुरानी बस्ती। जिला अस्पताल चौराहे के लिए लाइलाज बनी जाम की समस्या से निदान की उम्मीद जगी है। नगर पालिका ने इस समस्या के समाधान की रूपरेखा तय करते हुए इसे प्रभावी करने की तैयारी शुरू कर दी है। प्रथम चरण में मुख्य मार्ग से सटे बिजली के खंभे को हटाने का काम होगा। इसके लिए नगर पालिका ने बिजली निगम को 1.87 लाख रुपये दे दिए हैं।जिला अस्पताल चौराहे पर जाम की समस्या पर अमर उजाला ने खबर प्रमुखता से प्रकाशित किया था। इसे संज्ञान लेते हुए नगर पालिका के ईओ अंगद गुप्ता ने समस्या के समाधान के प्रयास शुरू कर दिए हैं।

किसानों के मुद्दे पर BJP का 8 दिसंबर को बेलगाम में बड़ा आंदोलन, लापता मंत्रियों के पोस्टर जारी

हिन्द सागर प्रलोका
(hindsagarplk.com)

बेंगलुरु। किसानों को न्याय दिलाने की मांग को लेकर भारतीय जनता पार्टी 8 दिसंबर को बेलगाम स्थित सुवर्ण विधान सौध का घेराव करेगी। यह जानकारी प्रदेश इखढ रैयत मोर्चा के सचिव सतीश कडनामले ने जगन्नाथ भवन स्थित राज्य कार्यालय में आयोजित प्रेस वार्ता में दी।

उन्होंने कहा कि राज्य के किसान और खेतिहर मजदूर गंभीर आर्थिक संकट से जूझ रहे हैं, लेकिन सरकार उनकी सहायता के लिए कोई ठोस कदम नहीं उठा रही है। कडनामले ने आरोप लगाया कि कांग्रेस सरकार ने अपने चुनावी घोषणापत्र में दूध उत्पादकों को 7 रुपये प्रति लीटर प्रोत्साहन राशि देने का वादा किया था, लेकिन अब तक इसका भुगतान नहीं किया गया। पूर्ववर्ती भाजपा सरकार द्वारा लागू 5 रुपये प्रति लीटर की प्रोत्साहन राशि ही फिलहाल जारी है। उन्होंने बताया कि पिछले पांच महीनों का लगभग 620 करोड़ रुपये का बकाया अब तक जारी नहीं हुआ है।

उन्होंने कहा कि भाजपा सरकार के समय किसानों को मिलने वाला शून्य ब्याज ऋण 3 लाख से बढ़ाकर 10 लाख रुपये किया गया था, लेकिन वर्तमान सरकार इस योजना को प्रभावी ढंग से आगे नहीं बढ़ा पाई है। उन्होंने गन्ने के उचित मूल्य, मक्का के लिए खरीद केंद्र खोलने, RTC में फसल पंजीकरण की अनिवार्यता समाप्त करने और डीजल सब्सिडी जल्द जारी करने की भी मांग की।

इस अवसर पर प्रदेश इखढ रैयत मोर्चा के उपाध्यक्ष एम. रुद्रेश ने कहा कि कांग्रेस सरकार ने किसानों से किए गए वायदों को अब तक पूरा नहीं किया, इसलिए 8 दिसंबर को राज्यस्तरीय बड़ा आंदोलन किया जाएगा। उन्होंने भारी बारिश और सूखे से प्रभावित किसानों को तत्काल मुआवजा देने की मांग भी उठाई।

प्रेस वार्ता के दौरान सरकार के कृषि, बागवानी, विपणन और चीनी मंत्री विदेश में होने का आरोप लगाते हुए उनके लापता पोस्टर भी जारी किए गए।

स्वस्थ शहर के लिए व्यापक सफाई अभियान जरूरी: आयुक्त राजेंद्र चोलन

हिन्द सागर प्रलोका
(hindsagarplk.com)

बेंगलुरु,30 नवंबर। बेंगलुरु सेंट्रल सिटी कॉर्पोरेशन द्वारा आज सुबह 6 बजे से शहर के छह विधानसभा क्षेत्रों में वृहद सफाई अभियान चलाया गया। इस अभियान में कुल 538 सफाई कर्मियों ने 17.3 किलोमीटर सड़कों की सफाई की। 48 ट्रैक्टर और 7 जेसीबी की मदद से 52 ट्रैक्टर लोड कचरा हटाया गया, साथ ही 19 ब्लैक स्पॉट और 14 पैदल यात्रियों की बाधाएं भी हटाई गईं।

सुबह 7 बजे विभिन्न स्थानों पर निरीक्षण के दौरान आयुक्त राजेंद्र चोलन ने कहा कि स्वस्थ और स्वच्छ शहर के लिए बड़े पैमाने पर नियमित सफाई अभियान अत्यंत आवश्यक हैं तथा सभी अधिकारियों को इसमें सक्रिय रहने के निर्देश दिए।

शिवाजीनगर क्षेत्र में इंदिरानगर डबल रोड, 100 फीट रोड और सेंट जॉन्स रोड पर निरीक्षण करते हुए आयुक्त ने सड़कों एवं फुटपाथों पर पड़े अनुपयोगी सामान, छोड़ी गई गाड़ियां, बेकार ठेले और पुशकार्ट हटाने के निर्देश दिए। इंदिरानगर में एक खाली भूखंड में अत्यधिक कचरा पाए जाने पर उन्होंने तत्काल सफाई कराकर संबंधित संपत्ति मालिक पर जुमार्ना लगाने का आदेश दिया।

इस अवसर पर आयुक्त ने सफाई कर्मियों से संवाद कर उनकी समस्याएं भी सुनीं और अधिकारियों को उनके समाधान के लिए तुरंत कार्रवाई करने के निर्देश दिए।

कांग्रेस ने आपातकाल लगाकर संविधान को बेकार किया: चलवादी नारायणस्वामी

हिन्द सागर प्रलोका
(hindsagarplk.com)

चित्रदुर्ग। विधान परिषद में विपक्ष के नेता चलवादी नारायणस्वामी ने कांग्रेस पार्टी पर तीखा हमला करते हुए कहा कि कांग्रेस ने ही देश में आपातकाल लगाकर संविधान को ठेस पहुंचाई थी। उन्होंने याद दिलाया कि 1975 में तत्कालीन प्रधानमंत्री इंदिरा गांधी द्वारा लगाए गए आपातकाल से लोकतंत्र और संविधान दोनों को नुकसान पहुंचा।

चित्रदुर्ग में मीडिया से बातचीत करते हुए उन्होंने कहा कि आज कांग्रेस संविधान की रक्षा की बात करती है, जबकि इतिहास गवाह है कि उसी पार्टी ने संविधान को सबसे अधिक चोट पहुंचाई। उन्होंने सवाल उठाया कि जो लोग बार-बार संविधान बचाने की बात करते हैं, उन्हें यह बताना चाहिए कि वास्तव में उसे खतरा कहां से है।

नारायणस्वामी ने कांग्रेस की राजनीतिक स्थिति पर टिप्पणी करते हुए कहा कि पार्टी का देश में लगातार जनाधार घटता जा रहा है। उन्होंने कहा कि कभी 400 से अधिक सीटें जीतने वाली कांग्रेस पहले 200, फिर 100 और अब लोकसभा में 44 सीटों तक सिमट गई है। बिहार में पिछली बार 4 सीटें मिलने के बाद इस बार 6 सीटें आने पर जश्न मनाने पर भी उन्होंने कटाक्ष किया।

उन्होंने दावा किया कि कांग्रेस अब बूढ़ी हो चुकी पार्टी बन गई है और उसका पुनर्जीवन कठिन है। उन्होंने कहा कि आने वाले चुनावों में भाजपा को जनता का समर्थन मिलेगा।

नारायणस्वामी ने कहा कि केवल सत्ता परिवर्तन पर बहस करने के बजाय सरकार को जनता की समस्याओं का समाधान करना चाहिए। उन्होंने कहा कि लोगों की वास्तविक अपेक्षा सुशासन और विकास से जुड़ी है, न कि केवल राजनीतिक बयानबाजी से।

उधार बांटकर राष्ट्र नहीं बनते: फ्रीबी राजनीति पर पूर्व RBI गवर्नर का तीखा प्रहार

हिन्द सागर प्रलोका
hindsagarplk.com)

नई दिल्ली। देश में चुनावों के दौरान बढ़ती फ्रीबी राजनीति पर पूर्व रिजर्व बैंक गवर्नर दुव्वुरी सुब्बाराव ने तीखी चेतावनी दी है। उन्होंने साफ कहा है–

उधार का पैसा बांटना आसान है, लेकिन उससे देश नहीं बनता। इसका बोझ आने वाली पीढ़ियों को उठाना पड़ता है।

अपने एक लेख में उन्होंने कहा कि चुनाव अब जिम्मेदार शासन नहीं, बल्कि लोकलुभावन वादों की होड़ बनते जा रहे हैं। बिहार विधानसभा चुनाव का उदाहरण देते हुए उन्होंने बताया कि सत्ता पक्ष ने जहां 1.2 करोड़ महिलाओं को 10 हजार रुपये ट्रांसफर किए, वहीं विपक्ष ने इससे भी बड़े नकद वादे कर दिए। उनका कहना है कि चुनावी राजनीति में आर्थिक अनुशासन पूरी तरह पीछे छूट चुका है।

सुब्बाराव ने चेताया कि लगातार मुफ्त योजनाओं से राज्यों की अर्थव्यवस्था पर भारी दबाव बढ़ रहा है। आंध्र प्रदेश, तेलंगाना, महाराष्ट्र और कर्नाटक जैसे राज्य पहले ही वित्तीय संकट से जूझ रहे हैं। उन्होंने कहा कि जब बजट का बड़ा हिस्सा नकद ट्रांसफर और सब्सिडी में चला जाता है, तो शिक्षा, स्वास्थ्य, रोजगार और बुनियादी ढांचे के लिए धन नहीं बचता।

उन्होंने सबसे गंभीर खतरा यह बताया कि सरकारें इन योजनाओं के लिए लगातार कर्ज ले रही हैं। उनका कहना है कि आज की चुनावी राजनीति, आने वाले कल को कर्ज के दलदल में धकेल रही है।

राजनीतिक दलों की चुप्पी पर सवाल उठाते हुए उन्होंने कहा कि कोई भी पार्टी फ्रीबी के विरोध में इसलिए नहीं बोलती, क्योंकि उसे गरीब विरोधी कहे जाने का डर रहता है। उन्होंने इसे पूरी राजनीतिक व्यवस्था की विफलता बताया।

पूर्व गवर्नर ने कहा कि फ्रीबी देना इस बात की स्वीकारोक्ति है कि सरकारें रोजगार और आय के स्थायी अवसर देने में असफल रही हैं। उन्होंने मांग की कि देश में मुफ्त योजनाओं पर खर्च को लेकर एक राष्ट्रीय नियम और सख्त ढांचा बनाया जाए।

मुख्यमंत्री सामूहिक विवाह छह दिसंबर को

बस्ती/गौर। जिले में मुख्यमंत्री सामूहिक विवाह योजना के अंतर्गत सामूहिक विवाह कर आयोजन छह दिसंबर को विक्रमजोत ब्लॉक के रामरेखा मंदिर छावनी में होगा। इसको लेकर तैयारियां शुरू कर दी गई हैं। जिला समाज कल्याण अधिकारी लालजी यादव ने बताया कि इस बार जिले में कुल 575 जोड़ों का सामूहिक विवाह कराए जाने के लिए शासन की ओर से न्यूनतम लक्ष्य निर्धारित किया गया है। जिसको लेकर तैयारी पहले से चल रही है। प्रत्येक विकास खंड से 37-37 जोड़ों की शादी कराने का लक्ष्य दिया गया है।

मासूम ने नादानी में जला दिया नानी का घर

मानिकचंद। विकास क्षेत्र साऊंघाट के ग्राम पंचायत धमौरा में बीते शुक्रवार की शाम चार वर्षीय बच्ची आशू माचिस से खेलने के दौरान नादानी में नानी की झोपड़ी में आग लगा दी। घटना के दौरान नानी सुनीता दवा कराने गौरा चौराहे पर गई थीं और नाना रामतौल मजदूरी पर गए थे। मासूम ने रजाई ओढ़कर उसी झोपड़ी में सो रही अपनी छह वर्षीय बहन को भी जगाकर आग के बारे में बताया। तभी ग्रामीणों ने तत्परता से दोनों बच्चों को सुरक्षित बाहर निकाल लिया गया और आग बुझाई गई। आग में तख्त, चारपाई, पंखा, सिलिंडर, चूल्हा, सिलाई मशीन, गेहूं, चावल, रजाई, कंबल, कपड़े, बर्तन और दरवाजा सहित सभी सामान जलकर नष्ट हो गए। घटना की सूचना पर पहुंचे ब्लॉक प्रमुख अभिषेक कुमार ने पीड़ित परिवार से मिलकर पूरी मदद का भरोसा दिया और आर्थिक सहायता प्रदान की। हल्का लेखपाल रामजी वर्मा ने जले मकान का नुकसान आकलन कर तहसील प्रशासन बस्ती सदर को रिपोर्ट सौंप दी है।

अपनों की आवाज से साइबर ठगी का खतरा

बस्ती। साइबर अपराधियों ने अब एआई वॉइस क्लोनिंग को नया हथियार बना लिया है। सिर्फ 10 सेकेंड की आवाज से हूबहू नकली आवाज तैयार कर परिवार या परिचित के नाम पर इमरजेंसी कॉल कर पैसे ऐंठे जा रहे हैं। मोबाइल नंबर, फर्जी यूपीआई और सोशल मीडिया से जुटाई जानकारी का इस्तेमाल कर ठग पैनिक क्रिएट करते हैं, जिससे लोग तत्काल ट्रांजेक्शन कर देते हैं। अभी हाल में ही ऐसा मामला सामने आ चुका है। लालगंज थाना क्षेत्र के रमपुरवा बानपुर निवासी बेचूराम का कहना है कि उनके बेटे को विदेश में काम करते समय साइबर ठगों ने फोन पर फंसाकर 60 हजार रुपये ऐंठ लिया। बताया कि शुक्रवार सुबह करीब नौ बजे उनके पास एक अनजान नंबर से कॉल आया। कॉल करने वालों ने दावा किया कि उनका बेटा उसके कब्जे में है और अगर उसे बचाना है तो तुरंत 60 हजार रुपये उनके बताए गूगल नंबर पर भेजने होंगे। उस समय किसी के रोने की आवाज आ रही थी, जो उसके बेटे के जैसी थी। घबराहट में बेचूराम ने बाहर रहने वाले अपने रिश्तेदार की मदद से दो किस्तों में 15 हजार और 45 हजार रुपये साइबर ठगों के बताए नंबर पर भेज दिए।

अमृतवाणी

अरु हलधर सों भैया कहन लागे मोहन मैया मैया।
नंद महर सों बाबा बाबा अरु हलधर सों भैया ॥
ऊंच चढि चढि कहति जशोदा लै लै नाम कन्हैया।
दूरि खेलन जनि जाहु लाला रे! मारैगी काहू की गैया ॥
गोपी ग्वाल करत कौतूहल घर घर बजति बधैया।
सूरदास प्रभु तुम्हरे दरस कों चरननि की बलि जैया ॥

सूरदास जी का यह पद राग देव गंधार में आबद्ध है। भगवान बालकृष्ण मैया, बाबा और भैया कहने लगे हैं। सूरदास कहते हैं कि अब श्रीकृष्ण मुख से यशोदा को मैया-मैया नंदबाबा को बाबा-बाबा व बलराम को भैया कहकर पुकारने लगे हैं। इना ही नहीं अब वह नटखट भी हो गए हैं, तभी तो यशोदा ऊंची होकर अर्थात कन्हैया जब दूर चले जाते हैं तब उचक-उचककर कन्हैया को नाम लेकर पुकारती हैं और कहती हैं कि लल्ला गाय तुझे मारेगी। सूरदास कहते हैं कि गोपियों व ग्वालों को श्रीकृष्ण की लीलाएं देखकर अचरज होता है। श्रीकृष्ण अभी छोटे ही हैं और लीलाएं भी उनकी अनोखी हैं। इन लीलाओं को देखकर ही सब लोग बधाइयां दे रहे हैं। सूरदास कहते हैं कि हे प्रभु! आपके इस रूप के चरणों की मैं बलिहारी जाता हूँ।

(सूरवाणी)
डॉ.एस.ए.मंजुनाथ

स्लीपर कोच में भी मिलेगा बेडरोल, 1 जनवरी 2026 से शुरू होगी नई सुविधा

हिन्द सागर प्रलोका
(hindsagarplk.com)

चेन्नई। अब तक केवल एसी कोच तक सीमित रहने वाली बेडरोल सुविधा (कंबल, चादर और तकिया) जल्द ही स्लीपर क्लास यात्रियों को भी मिलने लगेगी। दक्षिण रेलवे के चेन्नई डिविजन ने घोषणा की है कि 1 जनवरी 2026 से चुनिंदा ट्रेनों में स्लीपर कोच के लिए ऑन-डिमांड बेडरोल सेवा शुरू की जाएगी।

इस सुविधा के तहत यात्री आवश्यकता अनुसार पैसे देकर साफ-सुथरा और सैनिटाइज्ड बेडरोल ले सकेंगे। रेलवे अधिकारियों के अनुसार यह सेवा खास तौर पर रात की यात्राओं को अधिक आरामदायक बनाएगी और यात्रियों को अपना बेडरोल साथ ले जाने की परेशानी से भी निजात मिलेगी।

रेलवे ने इस सेवा को वर्ष 2023-24 में NINFRIS योजना के तहत पायलट प्रोजेक्ट के रूप में शुरू किया था, जिसे यात्रियों से अच्छा प्रतिसाद मिला। इसके बाद इसे स्थायी रूप से लागू करने का निर्णय लिया गया।

इतना देना होगा शुल्क

एक बेडशीट – 20 रुपये

एक तकिया व कवर – 30 रुपये

पूरा सेट (बेडशीट + तकिया + कवर) – 50 रुपये

यात्री ट्रेन स्टाफ से अनुरोध कर यह सुविधा ले सकेंगे।

इन ट्रेनों में पहले चरण में सुविधा

नीलगिरि एक्सप्रेस, मंगलूरू सुपरफास्ट एक्सप्रेस, मनारगुड़ी एक्सप्रेस, तिरुचेंदूर सुपरफास्ट, पालघाट एक्सप्रेस, सिलंबु सुपरफास्ट, ताम्बरमझनागरकोइल सुपरफास्ट, तिरुवनंतपुरम सुपरफास्ट, अलेप्पी सुपरफास्ट और मंगलूरू एक्सप्रेस सहित कुल 10 ट्रेनों में यह सेवा शुरू होगी।

रेलवे के इस फैसले से स्लीपर यात्रियों की सुविधा बढ़ेगी और यात्रा अधिक आरामदायक बनेगी।

कप्तानगंज में आलू लदा ट्रक पलटा

कप्तानगंज (बस्ती)। कस्बे के मुख्य चौराहे पर शुक्रवार की रात करीब 12:30 बजे सामने से आ रहे ट्रक को बचाने में आलू लदा ट्रक अनियंत्रित होकर हाईवे के अयोध्या-बस्ती फोरलेन पर पलट गया। इससे करीब एक घंटे तक इस लेन पर जाम लगा गया। पुलिस और एनएचएआई की टीम ने रात में ही करीब 1:30 क्रेन से पलटे ट्रक को सड़क के किनारे करवाया। इसके बाद आवागमन सुगम हो गया। जानकारी के अनुसार, पंजाब से पांच सौरी बोरी आलू लादकर एक ट्रक बस्ती नवीन सब्जी मंडी जा रहा था। जैसे ही ट्रक कस्बे के मुख्य चौराहे के पास पहुंचा, तभी सामने से अचानक दूसरा ट्रक निकलने लगा। उसे बचाने के चक्कर में आलू लदा ट्रक अनियंत्रित होकर ट्रक को टक्कर मारने के बाद पलट गया। हादसे में पंजाब के गुरदासपुर जिले बटाला निवासी आलू लदे ट्रक का चालक बलजीत सिंह और उसका खलासी बेटा रविंद्र पाल बाल-बाल बच गए, जबकि दूसरा ट्रक सड़क के किनारे गुमटी को तोड़ते हुए दुर्गा मंदिर के चबूतरे से टकरा गया। इस ट्रक के चालक रुधौली थाना क्षेत्र के अंदेवरा निवासी संदीप पांडेय, खलासी आनंद पांडेय सुरक्षित बच गए।

कांशीराम कॉलोनी में दूर होगा पेयजल संकट

बस्ती। पेयजल संकट से जूझ रहे कांशीराम आवास कॉलोनी के नागरिकों को जल्द ही शुद्ध पेयजल की सुविधा मिलने लगेगी। डारीडीहा स्थित आवासीय कॉलोनी में करीब एक करोड़ रुपये खर्च कर नई पाइप लाइन बिछाई जाएगी। इसके जरिये पेयजल की किल्लत दूर होगी। नगर पालिका पुराने ओवरहेड टैंक का मरम्मत भी करवाएगी। बताया गया कि जल्द ही नगर पालिका पाइप लाइन बिछाने का कार्य शुरू कराएगी। कांशीराम आवासीय कॉलोनी में लंबे समय से पेयजल संकट बना हुआ है। लोग दूषित जल पीने को विवश हैं। आवासीय परिसर में बना ओवर हेड टैंक जर्जर हो गया है। जगह-जगह पाइप लाइन लीकेज है। जिसके चलते गंदा पानी लोगों की टोटी से निकलता है। कोई देसी नल से पानी पीने को विवश है तो कोई पाइप लाइन के पानी को गुनगुना कर पी रहा है। कुछ माह पहले तो पाइप लाइन के जरिए लोगों के घरों की टोटी से केंचुए निकल रहे थे। लोग पानी को छानकर उसे गुनगुना करते थे। उसके बाद उसे प्रयोग में लाते थे। दूसरी ओर परिसर में स्थित नलकूप भी बदहाल हो गया था। कुछ माह पहले इसकी शिकायत लोगों ने की थी। नगर पालिका ने नई पाइप लाइन बिछाने के लिए प्रस्ताव तैयार किया था। उसके बाद शासन से स्वीकृति के लिए भेजा। शासन ने इस पर मुहर लगा दिया है। बहुत जल्द ही नगर पालिका कांशीराम आवास में नई पाइप लाइन बिछाएगी। लगभग एक किमी पाइप लाइन बिछाने का कार्य किया जाएगा। वहीं पुराने पानी की टंकी की मरम्मत का भी कार्य कराया जाएगा। उसके बाद कालोनी के लोगों का पेयजल की समस्या दूर हो जाएगी। उन्हें स्वच्छ पेजयल मिलने लगेगा।

राजीव दीक्षित की जयंती पर मनाया गया स्वदेशी दिवस, योग और स्वदेशी जीवनशैली अपनाने की अपील

हिन्द सागर प्रलोका
(hindsagarplk.com)

हुबली। आजादी बचाओ आंदोलन के संस्थापक राजीव दीक्षित की जयंती एवं पुण्यतिथि के अवसर पर देशभर में स्वदेशी दिवस मनाया गया। इसी क्रम में हुबली के केशवपुर स्थित पतंजलि स्टेट ऑफिस में विशेष कार्यक्रम का आयोजन किया गया।

इस अवसर पर कर्नाटक पतंजलि योगपीठ के सीनियर स्टेट इंचार्ज श्री भवरालाल आर्य ने लोगों से शुद्ध स्वदेशी उत्पाद अपनाने और नियमित योग करने की अपील की। उन्होंने कहा कि आज के समय में रासायनिक खाद और कीटनाशकों के अत्यधिक प्रयोग से भोजन विषैला हो गया है, जिससे हृदय रोग, कैंसर जैसी गंभीर बीमारियां बढ़ रही हैं। ऐसे में योग और स्वदेशी भोजन ही स्वस्थ जीवन का आधार हैं।

उन्होंने कहा, राजीव दीक्षित ने स्वदेशी के लिए अपना जीवन समर्पित कर दिया। उनके सपनों को साकार करना हम सबकी जिम्मेदारी है। लोगों को जंक फूड और सॉफ्ट ड्रिंक्स से दूर रहकर घर का बना भोजन अपनाना चाहिए।

श्री आर्य ने बताया कि पतंजलि 100 प्रतिशत स्वदेशी संगठन है और उसका लक्ष्य योग युक्त, रोग मुक्त कर्नाटक बनाना है। उन्होंने यह भी कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी, संघ प्रमुख मोहन भागवत और योग गुरु बाबा रामदेव भी स्वदेशी अपनाने का आान कर चुके हैं।

कार्यक्रम में पतंजलि एनिमल फीड डिवीजन साउथ जोन के जोनल मैनेजर श्री दिवाकर मूर्ति, स्वदेशी डिवीजन कर्नाटक के सेल्स मैनेजर श्री मनोज कुमार साहू तथा डॉ. मंजूनाथ उपस्थित रहे।

उन्होंने बताया कि गांवों में स्वदेशी उत्पादों और दवाइयों के स्टोर खोलने की योजना है। इच्छुक व्यक्ति 9008100882 पर संपर्क कर सकते हैं।

भावभीनी श्रद्धांजलि

श्री एम.एस. उमेश

कन्नड़ सिनेमा के जाने-माने कलाकार श्री एम.एस. उमेश के निधन की खबर सुनकर बहुत दुख हुआ, जो अपने मजेदार रोल के लिए मशहूर थे। वे लगभग साढ़े पांच दशकों तक फिल्म इंडस्ट्री में एक्टिव रहे और अपनी अनोखी एक्टिंग और डायलॉग स्टाइल से बहुत लोकप्रियता हासिल की। उनके निधन से फिल्म इंडस्ट्री ने अपना एक जाना-माना कलाकार खो दिया है। मैं उनकी आत्मा की शांति के लिए प्रार्थना करता हूं। मैं उनके परिवार वालों और फैंस के प्रति अपनी गहरी संवेदनाएं व्यक्त करता हूं। ओम शांति

बी वाई राजेंद्र
(अध्यक्ष - भाजपा कर्नाटक राज्य)

संपादकीय

सी.ओ.पी.30 और जी-20 समिट भारत के लिए चुनौती

नवंबर 2025 में, दो बड़े वैश्विक सम्मेलन हुए-ब्राजील के बेलेम में सी.ओ.पी.30 और साऊथ अफ्रीका के जोहान्सबर्ग में जी-20। हालांकि बयानबाजी में कुछ हद तक एक जैसे थे लेकिन उन्होंने क्लाइमेट एक्शन और मल्टीलेटरल कोऑपरेशन के अलग-अलग नजरिए पर जोर दिया। दोनों सम्मेलनों ने क्लाइमेट एक्शन की जरूरत को माना लेकिन सी.ओ.पी.30 और जी-20 सम्मेलन के नतीजों ने जीवाश्म ईंधन और क्लाइमेट फाइनैंस से जुड़े मुद्दों पर उनके नजरिए में काफी अंतर दिखाया। इसके अलावा, उन्होंने मौजूदा वैश्विक शासन संस्थानों में बड़ी कमियों को भी उजागर किया और भारत समेत कई देशों के लिए जरूरी चुनौतियां खड़ी कीं। सम्मेलन कहां अलग-अलग होते हैं। सी.ओ.पी.30 एक बड़ी निराशा के साथ खत्म हुआ। फाइनल डील में जीवाश्म ईंधन के इस्तेमाल को धीरे-धीरे खत्म करने पर कोई पक्का वादा नहीं था जबकि कोलंबिया, पनामा और उरुग्वे समेत 80 से ज्यादा देशों ने ऐसा करने की मांग की थी। हालांकि, सम्मेलन में कोयला, तेल और गैस का इस्तेमाल कम करने के लिए साफ भाषा अपनाने का दबाव था लेकिन सी.ओ.पी.30 का आखिरी नतीजा सिर्फ ऊर्जा के दूसरे सोर्स पर जाने के लिए अपनी मर्जी से, बिना किसी शर्त के रोडमैप का एक सैट था। इसके अलावा, दो ट्रैक (एक यू.एन.के अंदर और एक बाहर) बनाए गए, जिससे असल में दोनों ट्रैक से लागू करने के तरीके हट गए। इसी तरह, जी-20 ने एक लीडर की घोषणा करते समय सावधानी बरती, जिसमें क्लाइमेट चेंज को इमरजैंसी मानने की जरूरत को माना गया और 2030 तक रिन्यूएबल एनर्जी के इस्तेमाल को तीन गुना करने का लक्ष्य बताया गया, कम कार्बन ऊर्जा सोर्स में बदलाव के तरीके के तौर पर टैक्नोलॉजी न्यूट्रैलिटी के विचार का समर्थन करते हुए, घोषणा में एनर्जी सिक्योरिटी को जीवाश्म ईंधन के साथ-साथ रिन्यूएबल एनर्जी में निवेश करने का एक सही कारण माना गया। सभी सदस्य देशों के बीच आम सहमति बनाने के लिए कंटैंट को जल्दबाजी में तैयार किया गया था, इसलिए समझौते के लिए महत्वाकांक्षा को कुर्बान कर दिया गया। जीवाश्म ईंधन के इंटरैस्ट दोनों सम्मेलनों में प्रतिभागियों के बीच सबसे बड़ा मतभेद वाला क्षेत्र दिखाते हैं। सऊदी अरब, रूस और दूसरे तेल बनाने वाले देश (जैसे यू.ए.ई.) दोनों मीटिंग में उत्सर्जन कम करने के लिए कानूनी रूप से बाइंडिंग कमिटमैंट्स को रोकने में अहम भूमिका निभा रहे थे। सऊदी अरब पहले के ग्लोबल क्लाइमेट सम्मेलन में प्रतिभागी होने के बावजूद, जीवाश्म ईंधन को धीरे-धीरे खत्म करने के बारे में खास भाषा को लागू करने से रोकने में खास तौर पर सफल रहा है। आखिरकार, इन देशों की बड़े एमिटर के तौर पर एकजुट होने की क्षमता, विकसित देशों के बीच आम सहमति की इच्छा और विकासशील और विकसित देशों के बीच बंटवारे के कारण ग्लोबल जीवाश्म ईंधन लिमिट विकसित करने की राजनीतिक इच्छा की कमी हुई। भारत ने क्लाइमेट इक्विटी और रिन्यूएबल एनर्जी डिवैल्पमैंट का समर्थन करते हुए, जीवाश्म ईंधन की पक्की टाइमलाइन का भी विरोध किया। भारत ने विकास की जरूरत के आधार पर इस बात को सही ठहराया, यह तर्क देते हुए कि विकसित देशों पर उत्सर्जन के लिए ऐतिहासिक जिम्मेदारी है और उन्हें पहले गरीब देशों में बदलावों को फाइनैंस करना चाहिए। हालांकि यह सही इक्विटी सिद्धांतों पर आधारित था लेकिन इस रुख ने यूनिवर्सल जीवाश्म ईंधन कमिटमैंट्स को स्थापित करने की कोशिशों को मुश्किल बना दिया। क्लाइमेट फाइनैंस गैप रू सी.ओ.पी.30 और जी-20 सम्मेलनों ने लगातार ग्लोबल फाइनैंस घाटे पर जोर दिया। सी.ओ.पी.30 ने 2035 तक एडैप्टेशन फाइनैंस में 1.3 ट्रिलियन डॉलर तक पहुंचने का लक्ष्य घोषित किया लेकिन बिना किसी बाध्यकारी फंडिंग पाथवे या अकाऊंटेबिलिटी मैकेनिज्म के। जी-20 ने भी इसी तरह बिलियन से ट्रिलियन तक जाने की जरूरत को माना लेकिन मोबिलाइजेशन स्ट्रैटेजी पर बहुत कम सफाई दी। विकासशील देशों को क्लाइमेट लक्षित को पूरा करने के लिए 2030 तक हर साल लगभग $5.8-$5.9 ट्रिलियन की जरूरत है जो मौजूदा कमिटमैंट्स से कहीं ज्यादा है। रियो (1992) से किए गए वादों को पूरा करने में विकसित देशों की लंबे समय से चली आ रही नाकामी ग्लोबल क्लाइमेट को ऑपरेशन में भरोसा और वैधता को कम करती जा रही है। जैसा कि भारत ग्लोबल साऊथ की तरफ से तर्क देता है कि यह कमी सिर्फ फाइनैंसिंग का गैप नहीं है, यह क्लाइमेट इक्विटी और न्याय का उल्लंघन है। भारत की स्ट्रैटेजिक पोजीशनरू भारत टूटे हुए क्लाइमेट लैंडस्केप को सावधानी से देखता है। इसने 2005 से पहले के रिन्यूएबल एनर्जी लक्ष्य को पार कर लिया है और एमिशन इंटैंसिटी को 36 प्रतिशत तक कम कर दिया है जिससे पता चलता है कि विकास और क्लाइमेट एक्शन एक साथ आगे बढ़ सकते हैं। फिर भी, कोयले से भारत की 74 प्रतिशत से ज्यादा बिजली बनती है और ग्रोथ और डीकाबोर्नाइजेशन के बीच जारी ग्लोबल टैंशन को दिखाते हुए कोई फिक्स्ड फेज-आऊट टाइमलाइन नहीं है। भारत जैसे विकासशील देशों को कई अलग-अलग इंस्टीच्यूशन पर अपना डिप्लोमैटिक असर डालने की एक और चुनौती का सामना करना पड़ता है, साथ ही उन्हें बराबरी के सिद्धांतों पर आधारित गठबंधन बनाने की दिशा में काम करना पड़ता है। ग्लोबल गवर्नेंस क्लाइमेट चेंज से असरदार तरीके से निपटने के लिए इन मतभेदों को किस हद तक दूर कर पाएगा, यह अभी भी बहुत पक्का नहीं है।

जब बैंड-बाजा बन जाता है बिजनेस बूस्टर

> लेकिन अगर आप थोड़ा गौर से उस शोर को सुनें, तो उसमें एक उम्मीद की धुन सुनाई देगी। यह धुन है-भारतीय अर्थव्यवस्था के पहियों के घूमने की। भारत में द ग्रेट इंडियन वेडिंग सीजन का आगाज हो चुका है। देवउठनी एकादशी के साथ ही शुरू हुआ यह उत्सव 15 दिसंबर तक पूरी रफ्तार पर रहेगा। लेकिन इस साल यह शोर थोड़ा अलग है, थोड़ा ज्यादा है। यह सिर्फ दो दिलों या दो परिवारों का मिलन नहीं रह गया य यह मंदी की आहटों के बीच भारतीय बाजार का सबसे बड़ा सेलिब्रेशन बन गया है। तो आज दूल्हे की शेरवानी के रंग या दुल्हन के गहनों की चमक पर बात नहीं करेंगे, बल्कि उस अर्थशास्त्र, उस तकनीक और उस बदलते सामाजिक ताने-बाने की पड़ताल करेंगे जो इन शामियानों के पीछे छिपा है। जब पूरी दुनिया की अर्थव्यवस्थाएं सहमी हुई हैं, बड़े-बड़े देश रिसेशन शब्द से कांप रहे हैं, तब भारत अपनी मस्ती में झूम रहा है।

नवंबर की हल्की सर्द शामें, हवा में घुलती धुंध और दूर कहीं से आती ब्रास बैंड की तेज आवाज। अगर आप भारत के किसी भी शहर, कस्बे या गांव में रहते हैं, तो पिछले कुछ दिनों में आपने महसूस किया होगा कि हवा का रुख बदल गया है। सड़कें जाम हैं, बाजारों में पैर रखने की जगह नहीं, और रात के सन्नाटे में डीजे का शोर अक्सर नींद में खलल डाल रहा है। पहली नजर में यह सब अराजक लग सकता है। ट्रैफिक में फंसा एक आम आदमी इसे परेशानी का नाम दे सकता है। लेकिन अगर आप थोड़ा गौर से उस शोर को सुनें, तो उसमें एक उम्मीद की धुन सुनाई देगी। यह धुन है-भारतीय अर्थव्यवस्था के पहियों के घूमने की। भारत में द ग्रेट इंडियन वेडिंग सीजन का आगाज हो चुका है। देवउठनी एकादशी के साथ ही शुरू हुआ यह उत्सव 15 दिसंबर तक पूरी रफ्तार पर रहेगा। लेकिन इस साल यह शोर थोड़ा अलग है, थोड़ा ज्यादा है। यह सिर्फ दो दिलों या दो परिवारों का मिलन नहीं रह गया य यह मंदी की आहटों के बीच भारतीय बाजार का सबसे बड़ा सेलिब्रेशन बन गया है। तो आज दूल्हे की शेरवानी के रंग या दुल्हन के गहनों की चमक पर बात नहीं करेंगे, बल्कि उस अर्थशास्त्र, उस तकनीक और उस बदलते सामाजिक ताने-बाने की पड़ताल करेंगे जो इन शामियानों के पीछे छिपा है। जब पूरी दुनिया की अर्थव्यवस्थाएं सहमी हुई हैं, बड़े-बड़े देश रिसेशन शब्द से कांप रहे हैं, तब भारत अपनी मस्ती में झूम रहा है। कन्फेडरेशन ऑफ ऑल इंडिया ट्रेडर्स (कैट) ने हाल ही में जो रिपोर्ट जारी की है, वह किसी भी अर्थशास्त्री को सोचने पर मजबूर कर दे। एक रिपोर्ट के मुताबिक, एक नवंबर से 15 दिसंबर के बीच भारत में करीब 46 लाख शादियां होने का अनुमान है। अगर हम इसे पिछले

साल के आंकड़ों से तुलना करें, तो यह एक बड़ी छलांग है। लेकिन असली कहानी इन शादियों की संख्या में नहीं, बल्कि उन पर होने वाले खर्च में है। अनुमान है कि इन 46 लाख शादियों में करीब 6.5 लाख करोड़ रुपये का व्यापार होगा। जरा इस आंकड़े को गहराई से समझें। यह रकम दुनिया के कई छोटे देशों की कुल जीडीपी से भी ज्यादा है। इतनी बड़ी कि भारत के कई मंत्रालयों के सालाना बजट को भी पीछे छोड़ देती है। यह प्रमाण है कि भारतीय समाज में उपभोग की भूख अभी शांत नहीं हुई। महंगाई और मंदी की तमाम खबरों के बीच, भारतीय परिवार अपनी परंपराओं और खुशियों पर खर्च करने में कोई कोताही नहीं बरत रहे। अक्सर जब हम बिग फैट इंडियन वेडिंग की बात करते हैं, तो हमारी आंखों के सामने फाइव-स्टार होटल्स, विदेशी फूल और महंगी गाड़ियां आती हैं। लगता है कि यह पैसा अमीरों की जेब से निकलकर अमीरों की जेब में ही जा रहा है। लेकिन हकीकत इससे अलग और सुखद है। शादियों का यह अर्थशास्त्र असल में धन के वितरण का बेहतरीन उदाहरण है। जब एक मध्यमवर्गीय पिता अपनी बेटी की शादी के लिए बैंक से अपनी जीवनभर की जमापूंजी निकालता है, तो वह पैसा समाज की नसों में दौड़ने लगता है। कैट का डेटा बताता है, कुल खर्च का एक बड़ा हिस्सा, करीब 10 प्रतिशत, खानपान और कैटरिंग पर व्यय होता है। करीब 15 प्रतिशत हिस्सा ज्वैलरी की खरीद में जाता है। लेकिन जरा ध्यान दीजिये उन अदृश्य हाथों की तरफ जो इस उत्सव को संभव बनाते हैं। जरा उस टेंट लगाने वाले मजदूर के बारे में सोचिए जो बांस और रस्सियों के सहारे शामियाना खड़ा करता है। उस बिजली वाले के बारे सोचिए जो झालरें लगाता है। उस फूल वाले के बारे में, उस नाई, उस धोबी, उस रिक्शा चालक, और स्थानीय पंडित जी के बारे में सोचिए। एक औसत शादी प्रत्यक्ष और अप्रत्यक्ष रूप से 50 से 100 लोगों को रोजगार देती है। ये वो असंगठित क्षेत्र है, जिसकी कमाई का कोई फिक्स्ड जरिया नहीं होता। उनके लिए यह वेडिंग सीजन किसी दिवाली से कम नहीं है। इन 46 लाख शादियों का मतलब है करोड़ों मानव-दिवस रोजगार। यह पैसा जब इन मेहनतकश लोगों की जेब में पहुंचता है, तो वे राशन खरीदते हैं, कपड़े खरीदते हैं, और अर्थव्यवस्था का चक्र घूमता रहता है। अगर आप पिछले एक दशक में किसी शादी में नहीं गए हैं और अब अचानक किसी समारोह में पहुंच जाएं, तो शायद आप चौंक जाएंगे। भारतीय शादियां अब वैसी नहीं रहीं, जैसी 90 के दशक में हुआ करती थीं। अब यहां रस्मों के साथ-साथ टेक्नोलॉजी का भी बोलबाला है। वेडिंग इंडस्ट्री ने तकनीकी बदलाव को बांहें फैलाकर स्वीकार किया है। अब सिर्फ पंडित जी की पोथी तक सीमित नहीं है। आज आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस और डेटा एनालिटिक्स का इस्तेमाल मैच-मेकिंग से लेकर गेस्ट लिस्ट मैनेज करने तक में हो रहा है। कौन सा मेहमान क्या खाना पसंद करेगा, किसे कहां बैठाना है- सब ऐप्स के जरिए तय हो रहा है। पहले शादी की एल्बम एक दस्तावेज होती थी, अब शादी की फिल्म एक ब्लॉकबस्टर होती है। ड्रोन अब स्टेटस सिंबल नहीं, बल्कि जरूरत हैं। प्री-वेडिंग शूट्स का बाजार इतना बड़ा कि इसने पर्यटन स्थलों पर फोटोग्राफर्स और मेकअप आर्टिस्ट्स के लिए एक नई इंडस्ट्री खड़ी कर दी। आज की पीढ़ी के लिए, अगर शादी इंस्टाग्राम पर अच्छी नहीं दिखी, तो क्या वो शादी हुई भी? इंस्टा-वर्दी पलों को बनाने के लिए डेकोरेशन पर लाखों खर्च किए जा रहे हैं। एक नई तरह की इकोनॉमी खड़ी हो गई -इंफ्लुएंसर इकोनॉमी। लोग शादियों में कंटेंट क्रिएटर्स को बुला रहे हैं ताकि उनकी रील वायरल हो सके। यह मनोवैज्ञानिक बदलाव नये उत्पादों और सेवाओं की मांग पैदा कर रहा है। इस साल के वेडिंग सीजन में एक और महत्वपूर्ण बदलाव दिख रहा है, जो सीधे देशहित से जुड़ा है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने कुछ समय पहले ॅमक पद प्दकपं का आान किया था। लगता है देश के संभ्रांत वर्ग ने इस अपील को गंभीरता से लिया। कुछ साल पहले तक, इटली का लेक कोमो या तुर्की के रिसॉर्ट्स भारतीय अमीरों की पहली पसंद थे। करोड़ों रुपये की विदेशी मुद्रा इन डेस्टिनेशन वेडिंग्स के नाम पर देश से बाहर जा रही थी। लेकिन इस साल रुझान बदला है। उदयपुर, जोधपुर, जयपुर, केरल और गोवा जैसे भारतीय स्थलों की मांग में जबरदस्त उछाल आया। जब एक बड़ी डेस्टिनेशन वेडिंग भारत में होती है, तो उसका फायदा हमारे होटल उद्योग व एयरलाइंस को मिलता है, और हस्तशिल्पियों को मिलता है। यह रिवर्स ड्रेन ऑफ वेल्थ रोकने का माध्यम बन रहा है।

इसके साथ ही, वोकल फॉर लोकल का असर भी दिख रहा है। बाजारों से चीनी लाइटें और सस्ते प्लास्टिक फूल धीरे-धीरे गायब हो रहे हैं। उनकी जगह स्थानीय कारीगरों द्वारा बनाए मिट्टी के दीये, गेंदे के फूलों और भारतीय कपड़ों ने ले ली। यह बदलाव सिर्फ आर्थिक नहीं, भावनात्मक भी है। हम जड़ों की ओर लौट रहे, और हमारी जड़ें हमारे बाजार को सींच रही हैं।

सत्य की शक्ति मानव को असीमित शक्ति और अतुल्य बल प्रदान करती है.स्वामी विवेकानंद

> मानव जीवन में सत्य और धनकृये दोनों तत्व सदैव से निर्णायक कारक रहे हैं, किन्तु इनकी परस्पर भूमिका समय और परिस्थिति के अनुसार बदलती रही है। सत्य का मूल्य सार्वकालिक, अपरिवर्तनीय और दिव्य है, जबकि धन का महत्व व्यवहारिक जीवन की सुगमता और व्यवस्थित समाज-निर्माण तक सीमित है। धन की उपस्थिति विकास के लिए आवश्यक अवश्य है, परंतु उसका अतिरेक व्यक्ति, समाज और राष्ट्र की दिशा को दिग्भ्रमित कर सकता है। सत्य की भाँति स्थायी आधार पर धन का संतुलित प्रयोग ही विकास को सार्थक एवं मानवीय बनाता है। गलत मार्ग से अर्जित धन घोर अंधकार है, जबकि सत्य जीवन का शाश्वत प्रकाशकृजिसकी आभा कभी मंद नहीं पड़ती। भारतीय दर्शन यही प्रतिपादित करता है कि धनबल सब कुछ नहींय सत्य के अभाव में धन निरर्थक, अधूरा तथा अंतत: विनाशकारी है। सत्य सिद्धांत के बिना धन की मीमांसा अधूरी है, ठीक वैसे ही जैसे शरीर प्राण के बिना। प्राचीन भारतीय परम्परा में धन जीवन के साधन रूप में प्रतिष्ठित हुआ, परंतु सत्य जीवन के परम उद्देश्य और चरम साधना के रूप में आदर प्राप्त करता आया है। निवृत्ति, संयम, त्याग, तप, संतोष और विवेककृइन मूल्यों की तुलना में भोगवाद को किसी भी समय वरीयता नहीं दी गई, अत: सत्य का गौरव कभी दमन नहीं हुआ। वेदों तथा पुराणों में कहा गया है कि सत्य का सुख स्वर्ण-पात्र में आच्छादित हैय जब धन मुखर होता है तब सत्य नेपथ्य में चला जाता है, पर धन का अतिरेक होते ही सत्य पुन: उद्भासित हो उठता है। सत्य सनातन शक्ति है, धन मिथ्याय धन क्षणभंगुर, सत्य अनादि-अनन्त।

जीवन में सफलता का सम्यक पैमाना।मान नियम हैय यही वह अक्षय शक्ति है जिसके प्रभाव से ब्रह्मांड से लेकर सूक्ष्मतम कण तक निरंतर रूपांतरण की प्रक्रिया से गुजरते हैं। समय की धारा में नवीन मूल्यों का उद्भव और जर्जर मूल्यों का विस्थापन एक शाश्वत सत्य की भाँति सदा से स्वीकार्य रहा है। मानव सभ्यता का सम्पूर्ण इतिहास इस तथ्य का साक्षी है कि उन्नति की हर सीढ़ी अदम्य जिज्ञासा, जिजीविषा, प्रबल उत्साह, निडर आशावादिता और अविरत पुरुषार्थ के बल पर ही संभव हुई है। स्वामी विवेकानंद के शब्दकृ सत्य की शक्ति मानव को असीमित शक्ति और अतुल्य बल प्रदान करती हैकृ केवल उपदेश मात्र नहीं, बल्कि अनुभव-सिद्ध और आत्म-साक्षात्कार से उद्भूत दर्शन है। मानव जीवन में सत्य और धनकृये दोनों तत्व सदैव से निर्णायक कारक रहे हैं, किन्तु इनकी परस्पर भूमिका समय और परिस्थिति के अनुसार बदलती रही है। सत्य का मूल्य सार्वकालिक, अपरिवर्तनीय और दिव्य है, जबकि धन का महत्व व्यवहारिक जीवन की सुगमता और व्यवस्थित समाज-निर्माण तक सीमित है। धन की उपस्थिति विकास के लिए आवश्यक अवश्य है, परंतु उसका अतिरेक व्यक्ति, समाज और राष्ट्र की दिशा को दिग्भ्रमित कर सकता है। सत्य की भाँति स्थायी आधार पर धन का संतुलित प्रयोग ही विकास को सार्थक एवं मानवीय बनाता है। गलत मार्ग से अर्जित धन घोर अंधकार है, जबकि सत्य जीवन का शाश्वत प्रकाशकृजिसकी आभा कभी मंद नहीं पड़ती। भारतीय दर्शन यही प्रतिपादित करता है कि धनबल सब कुछ नहींय सत्य के अभाव में धन निरर्थक, अधूरा तथा अंतत: विनाशकारी है। सत्य सिद्धांत के बिना धन की मीमांसा अधूरी है, ठीक वैसे ही जैसे शरीर प्राण के बिना। प्राचीन भारतीय परम्परा में धन जीवन के साधन रूप में प्रतिष्ठित हुआ, परंतु सत्य जीवन के परम उद्देश्य और चरम साधना के रूप में आदर प्राप्त करता आया है। निवृत्ति, संयम, त्याग, तप, संतोष और विवेककृइन मूल्यों की तुलना में भोगवाद को किसी भी समय वरीयता नहीं दी गई, अत: सत्य का गौरव कभी दमन नहीं हुआ। वेदों तथा पुराणों में कहा गया है कि सत्य का सुख स्वर्ण-पात्र में आच्छादित हैय जब धन मुखर होता है तब सत्य नेपथ्य में चला जाता है, पर धन का अतिरेक होते ही सत्य पुन: उद्भासित हो उठता है। सत्य सनातन शक्ति है, धन मिथ्याय धन क्षणभंगुर, सत्य अनादि-अनन्त। भारतीय संस्कृति ने सत्य को मन, वचन और कर्म की त्रिवेणी में अद्वैत के रूप में प्रतिष्ठित किया है। साँच को आंच नहीं, सत्यं ब्रूयात प्रियं ब्रूयात, नैति सत्यं जैसी कहावतें और मुंडक उपनिषद का दिव्य वाक्य सत्यमेव जयते भारतीय चित्त और चरित्र की सर्वोच्च पहचान हैं। यही मंत्र आज भारतीय गणतंत्र का आदर्श वाक्य हैकृजो केवल संविधान की शोभा नहीं, बल्कि करोड़ों भारतीयों की आत्मा की ध्वनि है। वैदिक दर्शन से लेकर जैन, बौद्ध, सिख, ईसाई और इस्लामी चिंतन तक सभी ने सत्य को सर्वोपरि माना है। परंतु औद्योगिक क्रांति के पश्चात पश्चिम में भोगवाद और पूँजीवाद के विस्तार ने आर्थिक तत्व को प्रमुख जीवन-निर्धारक सिद्धांत बना दिया। वैश्वीकरण, उदारीकरण और पूँजी-केन्द्रित विकास की नयी दुनिया में राजनीति, समाज, धर्म, अध्यात्म, न्याय, शिक्षा, मीडिया, पर्यावरण, यहाँ तक कि पारिवारिक संबंध भी अर्थ-बल के नियमों पर संचालित होने लगे। आज स्थिति यह है कि धन के बल पर शक्ति, प्रतिष्ठा, मान-सम्मान, सत्ता, निर्णय और प्रभाव खरीदा जाने लगा है। निर्धन का सत्य, चाहे वह कितना ही पवित्र अथवा तार्किक क्यों न हो, अक्सर महत्वहीन समझ लिया जाता है। इसके विपरीत धनवान का असत्य भी सम्मानित होकर आदर्श का रूप ले लेता है। न्यायपालिका, विधायिका तथा कार्यपालिका में सत्य के दमन के अनगिनत उदाहरण प्रतिदिन सामने आते हैं। न्याय अब गरीब का अधिकार न रहकर धनी वर्ग की मुट्ठी में बंद तिजोरी बन गया हैकृजहाँ निर्णय की कीमत तौल में मापी जाती है। चुनावों में धनबल का प्रभाव, मतदाताओं की खरीद-फरोख्त, मीडिया का दमन या प्रबंधन, व्यावसायिक और राजनीतिक भ्रष्टाचारकृये सब सत्य पर प्रश्नचिह्न बनकर उपस्थित हैं। अंतरराष्ट्रीय स्तर पर भी पर्यावरण संरक्षण के मुद्दे पर सम्पन्न देशों की दादागिरी सत्य को दबा देती है, और विकासशील देशों को बलि का बकरा बनाकर खड़ा कर दिया जाता है। जलवायु सम्मेलन असफल इसलिए होते हैं क्योंकि धन की आवाज सत्य की पुकार को परास्त कर देती है।

यूएसए और चीन के बाद भारत एशिया की तीसरी प्रमुख सैन्य शक्ति बना

> यह बात मैं नहीं बल्कि एशियन पॉवर इंडेक्स 2025 के8 एक वार्षिक सूची बोल रही है जो एशिया में देशों की समग्र शक्ति को मापती है। गौरतलब है कि इसमें आर्थिक, सैन्य, कूटनीतिक प्रभाव आदि आठ कैटेगिरी में देशों के संसाधन और प्रभाव का मूल्यांकन किया जाता है। इस सूची में भारत 40.0 अंक के साथ तीसरे स्थान पर है और इसे ₹मेजर पावर₹ यानी प्रमुख शक्ति घोषित किया गया है। भारत ने जापान को पीछे छोड़ते हुए यह पायदान हासिल किया है, जबकि टॉप पर संयुक्त राज्य अमेरिका और दूसरे नंबर पर चीन हैं। एपीआई के अनुसार, भारत की आर्थिक क्षमता, फ्यूचर रिसोर्सेज और राजनयिक प्रभाव में खासा सुधार हुआ है। भारत की सैन्य क्षमता में भी निरंतर सुधार के चलते उसकी क्षेत्रीय और ग्लोबल भूमिका मजबूत हुई है। वहीं, पाकिस्तान इस सूची में 16वें स्थान पर है और टॉप 10 में नहीं है। एशियाई पावर इंडेक्स लोवी इंस्टीट्यूट द्वारा जारी किया जाता है, जो एशिया-प्रशांत क्षेत्र के 27 देशों को देखता है और उनकी शक्ति संरचना का आकलन करता है। यह इंडेक्स सिर्फ सैन्य शक्ति तक सीमित नहीं है बल्कि कुल प्रभाव क्षमता को मापता है, जिसमें अर्थव्यवस्था, कूटनीति, रक्षा नेटवर्क, संस्कृति आदि शामिल हैं। लोवी इंस्टीट्यूट एशिया पावर इंडेक्स 2025 को मापने के लिए आठ मुख्य मापदंडों का उपयोग किया जाता है: सैन्य क्षमता, आर्थिक क्षमता, रक्षा नेटवर्क, कूटनीतिक प्रभाव, सांस्कृतिक प्रभाव, पुन:स्थापन क्षमता (रेजिलिएंस), भविष्य के संसाधन और अंतरराष्ट्रीय संबंध। कुल मिलाकर इसमें 30 उप-माप और 131 संकेतक शामिल हैं, जो किसी देश की व्यापक प्रभाव क्षमता का आंकलन करते हैं।

एपीआई के अनुसार, भारत की आर्थिक क्षमता, फ्यूचर रिसोर्सेज और राजनयिक प्रभाव में खासा सुधार हुआ है। भारत की सैन्य क्षमता में भी निरंतर सुधार के चलते उसकी क्षेत्रीय और ग्लोबल भूमिका मजबूत हुई है। वहीं, पाकिस्तान इस सूची में 16वें स्थान पर है और टॉप 10 में नहीं है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की अगुवाई में भारत अब यूएसए और चीन के बाद एशिया की तीसरी प्रमुख सैन्य शक्ति बन चुका है। यह पाकिस्तान और बांग्लादेश के लिए किसी सदमे की तरह है। वहीं उनके आका देश अमेरिका और चीन के लिए भी एक झटके की तरह है, क्योंकि आने वाले वर्षों में इन्हें भी बारी-बारी पूर्वक पीछे छोड़ेगा। यह बात मैं नहीं बल्कि एशियन पॉवर इंडेक्स 2025 के8 एक वार्षिक सूची बोल रही है जो एशिया में देशों की समग्र शक्ति को मापती है। गौरतलब है कि इसमें आर्थिक, सैन्य, कूटनीतिक प्रभाव आदि आठ कैटेगिरी में देशों के संसाधन और प्रभाव का मूल्यांकन किया जाता है। इस सूची में भारत 40.0 अंक के साथ तीसरे स्थान पर है और इसे ₹मेजर पावर₹ यानी प्रमुख शक्ति घोषित किया गया है। भारत ने जापान को पीछे छोड़ते हुए यह पायदान हासिल किया है, जबकि टॉप पर संयुक्त राज्य अमेरिका और दूसरे नंबर पर चीन हैं। एपीआई के अनुसार, भारत की आर्थिक क्षमता, फ्यूचर रिसोर्सेज और राजनयिक प्रभाव में खासा सुधार हुआ है। भारत की सैन्य क्षमता में भी निरंतर सुधार के चलते उसकी क्षेत्रीय और ग्लोबल भूमिका मजबूत हुई है। वहीं, पाकिस्तान इस सूची में 16वें स्थान पर है और टॉप 10 में नहीं है। एशियाई पावर इंडेक्स लोवी इंस्टीट्यूट द्वारा जारी किया जाता है, जो एशिया-प्रशांत क्षेत्र के 27 देशों को देखता है और उनकी शक्ति संरचना का आकलन करता है। यह इंडेक्स सिर्फ सैन्य शक्ति तक सीमित नहीं है बल्कि कुल प्रभाव क्षमता को मापता है, जिसमें अर्थव्यवस्था, कूटनीति, रक्षा नेटवर्क, संस्कृति आदि शामिल हैं। लोवी इंस्टीट्यूट एशिया पावर इंडेक्स 2025 को मापने के लिए आठ मुख्य मापदंडों का उपयोग किया जाता है: सैन्य क्षमता, आर्थिक क्षमता, रक्षा नेटवर्क, कूटनीतिक प्रभाव, सांस्कृतिक प्रभाव, पुनःस्थापन क्षमता (रेजिलिएंस), भविष्य के संसाधन और अंतरराष्ट्रीय संबंध। कुल मिलाकर इसमें 30 उप-माप और 131 संकेतक शामिल हैं, जो किसी देश की व्यापक प्रभाव क्षमता का आंकलन करते हैं। यह इंडेक्स केवल सैन्य शक्ति तक सीमित नहीं रहता, बल्कि यह देशों की असली ताकत को उनके क्षेत्रीय और वैश्विक प्रभाव, पड़ोसी देशों के साथ उनके रिश्ते, तकनीकी और व्यापारिक शक्तियों, और उनके भविष्य के विकास की संभावनाओं के हिसाब से मापता है। इस इंडेक्स के अंतर्गत हर देश को 100 अंकों के पैमाने पर स्कोर दिया जाता है, जो यह दर्शाता है कि वे एशिया में कितना प्रभावशाली हैं। लोवी इंस्टीट्यूट इस सूचकांक को एशिया-प्रशांत क्षेत्र के 27 देशों पर लागू करता है और यह वार्षिक रिपोर्ट के रूप में प्रकाशित होता है। इस इंडेक्स के परिणाम से देशों के भू-राजनीतिक और आर्थिक स्थिति में बदलाव और उनकी क्षेत्रीय भूमिका का पता चलता है। एशियन पॉवर इंडेक्स (एपीआई) के आठ माप निम्नलिखित हैंः पहला, सैन्य क्षमताझ इसमें देश की सैन्य ताकत, हथियार, सैन्य कर्मियों और रक्षा बजट को मापा जाता है। दूसरा, आर्थिक क्षमताझ देश की आर्थिक स्थिति, जीडीपी, मुद्रा रिजर्व, और अन्य आर्थिक संसाधनों का आकलन। तीसरा, रक्षा नेटवर्कझ क्षेत्रीय और अंतरराष्ट्रीय सैन्य गठबंधनों और सहयोग को मापा जाता है। चतुर्थ, कूटनीतिक प्रभावझ अन्य देशों के साथ राजनयिक संबंध, द्विपक्षीय समझौते और वैश्विक मंच पर देश की भूमिका।पंचम, सांस्कृतिक प्रभावझ देश की संस्कृति, भाषा, मीडिया प्रसारण और अन्य सांस्कृतिक माध्यमों के प्रभाव को दिखाता है। षष्टम, पुनःस्थापन क्षमताझ प्राकृतिक आपदाओं, आर्थिक संकटों आदि का सामना करने की देश की सामर्थ्य। सप्तम, भविष्य के संसाधनझ शैक्षणिक गुणवत्ता, अनुसंधान-प्रौद्योगिकी विकास और युवा आबादी की संभावना। अष्टम, अंतरराष्ट्रीय संबंधझ देश की विदेश नीति, व्यापार साझेदार और वैश्विक संगठनों में उसकी भागीदारी। वस्तुतः ये आठ माप 30 उप-मापों और 131 संकेतकों के जरिए विस्तृत रूप से मूल्यांकन किए जाते हैं, जिससे किसी देश की समग्र शक्ति का आंकलन होता है। पूरे इंडेक्स का स्कोर 100 अंकों के पैमाने पर दिया जाता है, जिससे यह पता चलता है कि कोई देश एशिया में कितना प्रभावशाली है। एशियन पावर इंडेक्स के उपर्युक्त आठ मापों का भारत के कुल स्कोर पर महत्वपूर्ण प्रभाव होता है। भारत की सैन्य क्षमता, आर्थिक क्षमता, कूटनीतिक प्रभाव, और भविष्य के संसाधन जैसे माप उसकी पूरी ताकत को बढ़ाते हैं, जिससे भारत को बेहतर कुल स्कोर मिलता है। उदाहरण के लिए, भारत की आर्थिक प्रगति और कूटनीतिक नेटवर्क में सुधार से इसकी रैंकिंग में मजबूती आई है। वहीं, पुनःस्थापन क्षमता और सांस्कृतिक प्रभाव जैसे माप भी भारत के क्षेत्रीय प्रभाव और वैश्विक छवि को मजबूत बनाते हैं। हालांकि, कुछ चुनौतियां जैसे प्राकृतिक आपदाओं का सामना करने की क्षमता और संसाधनों का प्रभावी उपयोग भारत के स्कोर को सीमित भी कर सकता है। कुल मिलाकर, ये आठ माप मिलकर भारत की समग्र शक्ति और क्षेत्रीय भूमिका का आंकलन करते हैं, जो इस इंडेक्स में भारत के तीसरे स्थान पर आने का कारण हैं। इसलिए भारत की कुल रैंकिंग इन सभी क्षेत्रों में उसके प्रदर्शन का समग्र प्रतिबिंब होती है। भारत ने एशियन पावर इंडेक्स के आठ मापों में सबसे अधिक सुधार आर्थिक क्षमता के क्षेत्र में किया है। भारतीय अर्थव्यवस्था ने पिछले दशक में वैश्विक औसत के मुकाबले लगभग 90% की वृद्धि दर्ज की है, जो अन्य क्षेत्रों की तुलना में सबसे उल्लेखनीय प्रगति है। यह सुधार भारत के सकल घरेलू उत्पाद (जीडीपी), निवेश, विनिर्माण, और सेवा क्षेत्र में तेज विकास की वजह से हुआ है। इस तेजी से बढ़ती आर्थिक ताकत ने भारत को एशिया में तीसरे स्थान पर पहुंचाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई है।

रूम हीटर चलाकर ये गलती मत कर बैठे, बीमारियों का घर बन जाएगी बॉडी !

सर्दियों में ठंड से बचने का सबसे आसान तरीका अक्सर हीटर ऑन करके सो जाना होता है। कई लोग इसे रोजाना की आदत बना लेते हैं लेकिन क्या आप जानते हैं कि रातभर चलने वाला हीटर आपकी सेहत और सुरक्षा दोनों के लिए जोखिम पैदा कर सकता है? ये इतना खतरनाक हो सकता है कि हीटर वाले रूम में सोने वाले लोगों की जान भी जा सकती है। जानें हीटर ऑन करके सो जाने से सेहत पर किया असर पड़ता है।

हीटर चलाने के दौरान स्वास्थ्य पर असर

सांस लेने में परेशानीः रातभर हीटर चलने से कमरे की हवा गर्म और भारी हो जाती है। ऑक्सीजन का स्तर कम होने लगता है, जिससे घुटन, चक्कर, कमजोरी या सुबह सिरदर्द जैसी समस्याएं हो सकती हैं।

नाक और गले में दिक्कतः हीटर की गर्म हवा नमी सोख लेती है। इससे नाक सूख जाती है, गला बैठने लगता है और खांसी बढ़ सकती है। नाक से सांस लेने में कठिनाई हो सकती है।

त्वचा और होंठ प्रभावितः कमरे की सूखी हवा त्वचा को खींचती है, स्किन फटने लगती है, खुजली होती है और होंठ फटने लगते हैं। पहले से ड्राई स्किन वाले लोगों को ये दिक्कत और ज्यादा होती है।

बच्चों और बुजुर्गों के लिए खतराः हीटर की गर्म और सूखी हवा बच्चों में डिहाइड्रेशन, बेचैनी और सांस लेने में दिक्कत पैदा कर सकती है। बुजुर्गों में सांस फूलना, दिल की धड़कन तेज होना और खांसी बढ़ने का खतरा रहता है।

सुरक्षा के गंभीर खतरे

आग लगने का खतराः रातभर चलने वाला हीटर पुराने या कमजोर तार के कारण चिंगारी दे सकता है। हीटर के पास कपड़े, कंबल या अन्य वस्तुएं रखी हों तो आग का खतरा और बढ़ जाता है।

कार्बन मोनोऑक्साइड गैस का जोखिमः अगर हीटर गैस वाला है, तो बंद कमरे में यह गैस सिरदर्द, चक्कर, घुटन, उलझन और बेहोशी तक पैदा कर सकती है। लंबे समय में यह जानलेवा भी हो सकती है।

बाल और आंखों पर असर

आंखें सूखना, खुजली, लाल होना और बार-बार पानी आना।

बाल कमजोर और सूखने लगना, डैंड्रफ बढ़ना और स्कैल्प में खुजली।

सुरक्षा और बचाव के उपाय

हीटर पूरी रात न चलाएं।

कमरे में थोड़ी खिड़की या वेंटिलेशन खुली रखें।

बच्चों और बुजुर्गों के कमरे में हीटर का इस्तेमाल सीमित करें।

इलेक्ट्रॉनिक और गैस हीटर की जांच नियमित रूप से करें।

ूमिडिफायर का इस्तेमाल करें, ताकि हवा में नमी बनी रहे। रातभर हीटर चलाना आरामदायक लग सकता है, लेकिन इससे स्वास्थ्य और सुरक्षा पर गंभीर असर पड़ सकता है। सही समय और सुरक्षा उपायों का पालन करके हीटर का इस्तेमाल करें, ताकि सर्दियों में गर्म रहना सुरक्षित और आरामदायक हो।

एचआईवी से एड्स बनने में लगता है कितना समय? डॉक्टर ने बताई सच्चाई

विश्व एड्स दिवस पर, डॉक्टर बताते हैं कि एचआईवी वायरस से एड्स बनने में 8-10 साल लग सकते हैं, जो व्यक्ति की सेहत और उपचार पर निर्भर करता है। एचआईवी संक्रमण के शुरूआती लक्षणों जैसे सिरदर्द, बुखार और थकान को पहचानकर तुरंत डॉक्टर की सलाह लेना महत्वपूर्ण है, ताकि एड्स

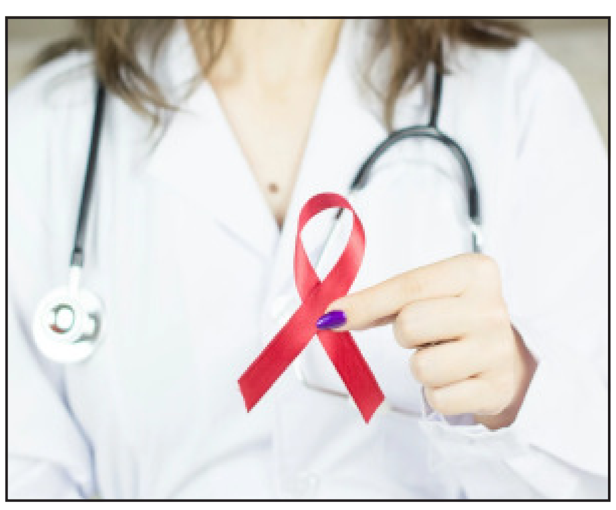

के अंतिम चरण तक पहुंचने से रोका जा सके और स्वस्थ जीवन जिया जा सके। नाम सुनते ही कई लोगों के मन में सवाल जरुर आते हैं, यह एक ऐसी बीमारी है, जिसके साथ कई स्टिग्मा जुड़े हुए है। विश्व एड्स दिवस हर साल 1 दिसंबर को मनाया जाता है। इसे मनाने का मुख्य उद्देश्य लक्स/अक्स्र के बारे में जागरूकता बढ़ाना, बीमारी से जुड़े मिथकों और भेदभाव को दूर करना, तथा इससे प्रभावित लोगों के प्रति समर्थन और संवेदना प्रकट करना है। एचआईवी हमारी प्रतिरक्षा प्रणाली को कमजोर कर देता है। यह बीमारी अनसेफ सेक्शुअल रिलेशन, संक्रमित सुई और ब्लड से यह वायरस हमारे शरीर में प्रवेश कर सकता है। अगर सही समय पर इसके लक्षण नहीं पहचाने गए, तो एड्स एख लाइलाज बीमारी बन जाती है। वैसे तो एड्स पूरी तरह से ठीक नहीं हो सकता है लेकिन डॉक्टर की सलाह और लाइफस्टाइल में बदलाव के कारण जीवन अवधि को बढ़ाया जा सकता है। आइए आपको बताते हैं एचआईवी वायरस से एड्स होने में कितना वक्त लगता है?

विश्व एड्स दिवस हर वर्ष 1 दिसंबर को इसलिए मनाया जाता है ताकि लक्स/अक्स्र के बारे में जागरूकता बढ़ाई जा सके। आज भी कई लोग इस बीमारी को लेकर डर, गलतफहमियों और मिथकों से घिरे रहते हैं। ऐसे में यह दिवस लोगों तक सही जानकारी पहुंचाने और फैल चुकी गलत धारणाओं को दूर करने के उद्देश्य से मनाया जाता है।

एचआईवी से एड्स होने में कितना वक्त लगता है?

- डॉक्टर के मुताबिक, शरीर में एचआईवी वायरस के प्रवेश करने के बाद यह धीरे-धीरे हमारे इम्यून सिस्टम को कमजोर कर देता है। यदि सही समय पर लक्स का इलाज न किया जाए, तो यह एड्स बनने में कई साल लग जाते हैं। कई मरीजों में 8-10 साल बाद एचआईवी, एड्स में बदलता है।

- यह समय हर व्यक्ति के लिए अलग-अलग हो सकता है। इस दौरान व्यक्ति की सेहत, इम्यून सिस्टम और देखभाल पर भी काफी निर्भर करता है कि यह वायरस कितने वक्त में एड्स में बदलेगा।

- एड्स, एचआईवी संक्रमण का अंतिम चरण होता है, जिसमें व्यक्ति की प्रतिरक्षा प्रणाली अत्यधिक कमजोर हो जाती है। यदि समय पर उचित इलाज और देखभाल न मिले, तो एचआईवी संक्रमित व्यक्ति में एड्स विकसित हो सकता है। हालांकि, आधुनिक एंटीरेट्रोवायरल दवाएं समय रहते जांच और सही उपचार मिलने पर एड्स बनने की प्रक्रिया को रोक सकती हैं।

एचआईवी के शुरूआती लक्षण क्या-क्या हैं?

- सिरदर्द
- बुखार
- रात में पसीना आना
- अचानक से वजन कम होना
- थकान महसूस होना
- गर्दन के आस-पास सूजन और दर्द
- भूख कम होना
- स्किन पर रैशेज होना

एचआईवी के लक्षण नजर आने पर क्या करें?

यदि आपको एचआईवी के लक्षण महसूस होते हैं, तो सबसे पहले आप डॉक्टर की सलाह लें। इन लक्षणों को नजरअंदाज न करें। वरना यह आपकी मुश्किलें बढ़ा सकती हैं। अगर सही समय पर लक्षणों की पहचान हो जाए, तो जल्दी इलाज हो सकता है और पेशेंट एक लंबा और स्वस्थ जीवन जी सकता है। अगर एचआईवी के लक्षण सही समय पर पहचान कर लें, तो इंसान एक अच्छी लाइफ जी सकता है।

ठंड में बढ़ते डैंड्रफ ने कर दिया है परेशान? ये नेचुरल हैक्स आएंगे आपके बेहद काम

सर्दी के दिनों में डैंड्रफ से निजात पाने के लिए नारियल तेल के साथ नींबू का इस्तेमाल करना अच्छा विचार है। जहां नारियल तेल रूखापन दूर करके स्कैल्प को पोषण देता है। वहीं, नींबू में हल्के एसिड होते हैं जो डैंड्रफ पैदा करने वाले फंगस को कंट्रोल करते हैं।

ठंड का मौसम हम सभी को अच्छा लगता है। कम्बल में कॉफी और कोजी वाइब्स की बात ही कुछ और है। लेकिन ये मौसम मन को जितना भाता है, उतना ही ज्यादा यह हमारी ब्यूटी पर कहर बरपाता है। इस मौसम में डैंड्रफ की समस्या काफी बढ़ जाती है। वो छोटे-छोटे सफेद फ्लेक्स जो हर डार्क आउटफिट पर बर्फबारी जैसे लगते हैं, देखने में काफी गंदे लगते हैं। इतना ही नहीं, स्कैल्प पर होने वाली लगातार खुजली भी मूड को खराब कर देती है।

सर्दी के मौसम में ठंडी हवा स्कैल्प की नेचुरल नमी खींचती है और ऐसे में रूखेपन की वजह से फ्लेक्स बनते हैं। इतन ही नहीं, बालों को धोने के लिए गरम पानी का इस्तेमाल करना या फिर कम पानी पीना कुछ ऐसी चीजें हैं, जो स्थिति को बद से बदतर बना देती हैं। हो सकता है कि आप भी इन दिनों डैंड्रफ की समस्या को झेल रहे हों और इनसे निजात पाने के लिए तरह-तरह के हेयर केयर प्रोडक्ट्स में पैसे खर्च कर रहे हों।

हालांकि, आपको ऐसा करने की जरूरत नहीं है। आप बेहद ही आसान हैक्स की मदद से इस डैंड्रफ से छुटकारा पा सकते हैं, जिसके बारे में आज हम आपको इस लेख में बता रहे हैं-

नारियल तेल और नींबू का करें इस्तेमाल

सर्दी के दिनों में डैंड्रफ से निजात पाने के लिए नारियल तेल के साथ नींबू का इस्तेमाल करना अच्छा विचार है। जहां नारियल तेल रूखापन दूर करके स्कैल्प को पोषण देता है। वहीं, नींबू में हल्के एसिड होते हैं जो डैंड्रफ पैदा करने वाले फंगस को कंट्रोल करते हैं। इसे इस्तेमाल करने के लिए आप 2 टेबलस्पून गर्म नारियल तेल लें और उसमें 1 छोटा चम्मच नींबू का रस मिलाएं। इसे स्कैल्प पर 20-30 मिनट लगाकर छोड़ दें। आखिरी में, बालों को माइल्ड शैम्पू से वॉश कर लें।

एलोवेरा जेल का करें इस्तेमाल

एलोवेरा जेल स्किन और बालों दोनों के लिए बेहद फायदेमंद माना गया है। यह ना केवल डैंड्रफ को कम करने में मदद करता है, बल्कि जलन और खुजली को तुरंत शांत करता है। दरअसल, इसमें नेचुरल एंजाइम होते हैं जो डेड स्किन को हटाकर हेल्दी स्कैल्प बनाते हैं। आप बस एलोवेरा की पत्ती तोड़कर उसका फ्रेश जेल निकालें और उसे अपनी स्कैल्प पर लगाकर करीबन 20 मिनट के लिए छोड़ दें। आखिरी में, बालों को वॉश कर लें।

टी ट्री ऑयल का करें इस्तेमाल

अगर आप सर्दियों में डैंड्रफ से परेशान हो चुके हैं तो ऐसे में टी ट्री ऑयल आपके बेहद काम आएगा। यह एक ये एक पावरफुल एंटी-फंगल ऑयल है। इस तेल की खास बात यह है कि यह डैंड्रफ की मुख्य वजह मसलन यीस्ट या फंगल ओवरग्रोथ को कंट्रोल करता है। बस आप अपने शैम्पू में 2-3 ड्रॉप्स टी ट्री ऑयल मिलाकर इस्तेमाल करें। आपको पहली बार में ही काफी फर्क महसूस होगा।

एंग्जाइटी में क्या खाएं? ये फूड्स ओवरईटिंग के बिना भी देते हैं इंस्टेंट कंफर्ट

हल्दी के दूध को गोल्डन मिल्क कहा जाता है और यह सेहत के लिए किसी वरदान से कम नहीं है। अगर आपको एंग्जायटी महसूस हो रही है तो ऐसे मे हल्दी का दूध पीना काफी फायदेमंद साबित हो सकता है। दरअसल, हल्दी में करक्यूमिन होता है, जो एंग्जायटी कम करता है और नींद को बेहतर बनाता है।

जब भी हम कभी स्ट्रेस महसूस करते हैं या फिर एंग्जायटी महसूस होती है तो खुद ब खुद खाने की क्रेविंग बढ़ जाती है। इस दौरान खुद को रिलैक्स करने के लिए बॉडी अपना कंफर्ट फूड मांगती है। हम सभी अपने जीवन में अक्सर कंफर्ट ईटिंग करते हैं, लेकिन असली प्रॉब्लम तब शुरू होती है, जब हम ओवरईट कर लेते हैं और फिर अपने वजन या सेहत को लेकर गिल्ट में आ जाते हैं।

एक्चुअली, एंग्जायटी में हमारा माइंड एक तरह की सेफ्टी ढूढ़ता है, और खाने में उसे कहीं ना कहीं वह कंफर्ट महसूस होता है। इसलिए कंफर्ट फूड खाना किसी भी लिहाज से गलत नहीं है, बस जरूरत है कि आप सही चीजों को चुनें और उसे सही तरह से खाएं, जिससे आपकी एंग्जाइटी भी शांत हो और साथ ही साथ आपकी सेहत पर भी उसका अच्छा असर पड़े। तो चलिए आज इस लेख में हम आपको

कुछ ऐसे ही सिंपल, टेस्टी, घर वाले इंडियन कंफर्ट फूड्स के बारे में बता रहे हैं, जो एंग्जायटी को कम करने के साथ-साथ डाइजेशन को बेहतर भी बनाते हैं। साथ ही साथ इससे आपका मूड भी रिलैक्स होता है-

गर्म हल्दी दूध

हल्दी के दूध को गोल्डन मिल्क कहा जाता है और यह सेहत के लिए किसी वरदान से कम नहीं है। अगर आपको एंग्जायटी महसूस हो रही है तो ऐसे मे हल्दी का दूध पीना काफी फायदेमंद साबित हो सकता है। दरअसल, हल्दी में करक्यूमिन होता है, जो एंग्जायटी कम करता है और नींद को बेहतर बनाता है। इसमें आप अगर चाहें तो शहद की 2-3 बूंदें भी डाल सकते हैं।

वेजिटेबल दलिया

मेन्टल स्ट्रेस में शायद ही कोई दलिया खाना चाहता हो, लेकिन अगर आप इसे खाते हैं तो यकीनन आपको काफी रिलैक्स फील होगा। यह सॉफ्ट, गर्म और पेट के लिए काफी अच्छा है। चूंकि, दलिया स्लो कार्ब्स देता है, इसलिए यह शुगर स्पाइक नहीं होने देता। ऐसे में यह एंग्जायटी को तुरंत कम करता है। आप अपनी पसंद की सब्जियों के साथ इसे बनाएं और गरमा-गरम एक छोटा बाउल खाएं।

नारियल पानी के साथ लें बादाम

कभी-कभी एंग्जायटी की एक मुख्य वजह डिहाइड्रेशन भी होता है। इसलिए ऐसे में नारियल पानी पीना काफी अच्छा होता है। इसमें मौजूद इलेक्ट्रोलाइट्स और हेल्दी फैट आपको तुरंत आराम महसूस करवाते हैं। आप एक गिलास नारियल पानी को पांच भीगे हुए बादाम के साथ खाएं। आपको तुरंत काफी अच्छा महसूस होगा।

केसर दूध

स्ट्रेस होने पर केसर दूध पीना भी काफी अच्छा विचार हो सकता है। दरअसल, केसर एक मूड लिफ्टर की तरह काम करता है। इससे ना केवल दिमाग शांत होता है, बल्कि नींद भी काफी अच्छी आती है। आप एक कप गर्म दूध में बस चुटकी भर केसर डालकर ले सकते हैं। इससे आपको काफी रिलैक्स और कंफर्ट फील होगा।

अगर ये चीज खाएंगे हद से ज्यादा तो जवानी में ही दिखेंगे बुढ़े

हम सभी चाहते हैं कि हमारी त्वचा, बाल और खूबसूरती लंबे समय तक बनी रहे, लेकिन कभी-कभी हम अनजाने में कुछ ऐसी गलतियां कर बैठते हैं जिनकी वजह से हमारी त्वचा पर जल्दी बुढ़ापे के लक्षण दिखाई देने लगते हैं। इसका मुख्य कारण है द्द हद से ज्यादा मीठी चीजें खाना। मीठी चीजें खाना से सिर्फ शरीर की सेहत पर असर पड़ता है, बल्कि यह आपकी त्वचा पर भी बुरा प्रभाव डाल सकता है। जब आप ज्यादा मीठा खाते हैं, तो यह शरीर में ग्लाइकेशन प्रोसेस

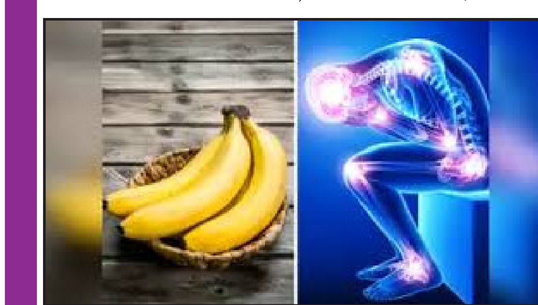

को बढ़ा देता है, जिससे कोलेजन का प्रोडक्शन कम हो जाता है। कोलेजन हमारी त्वचा के लिए बहुत जरूरी होता है, क्योंकि यह त्वचा को लचीला और स्वस्थ बनाए रखता है। जब कोलेजन कम होने लगता है, तो झुर्रियां और अन्य बुढ़ापे के लक्षण जल्दी दिखाई देने लगते हैं। इसलिए मीठी चीजों का सेवन सीमित मात्रा में करना बेहद जरूरी है, ताकि आपकी त्वचा समय से पहले बूढ़ी न लगे।

कोलेजन क्या है?

कोलेजन एक प्रकार का प्रोटीन है जो शरीर के महत्वपूर्ण हिस्सों की संरचना को बनाए रखने में मदद करता है। त्वचा में कोलेजन की कमी होने से त्वचा की लचीलापन घटने लगती है और उसमें झुर्रियां दिखने लगती हैं।

हद से ज्यादा मीठी चीजों का सेवन

मीठी चीजें जैसे केक, चॉकलेट और शक्कर ज्यादा खाने से ग्लाइकेशन का प्रोसेस तेज हो जाता है, जो कोलेजन के टूटने का कारण बनता है। इसके परिणामस्वरूप झुर्रियां और अन्य त्वचा समस्याएं हो सकती हैं। इसीलिए शहद और गुड़ जैसे प्राकृतिक विकल्पों का सेवन करना बेहतर होता है।

सिगरेट पीना

सिगरेट में निकोटिन होता है, जो रक्त प्रवाह को बाधित करता है। इसका असर यह होता है कि त्वचा तक ऑक्सीजन और न्यूट्रिएंट्स नहीं पहुंच पाते, जिससे त्वचा कमजोर हो जाती है और कोलेजन का प्रोडक्शन कम हो जाता है।

सनस्क्रीन का उपयोग न करना

सूरज की हानिकारक यूवी किरणों से बचने के लिए हमेशा सनस्क्रीन का इस्तेमाल करना चाहिए। अगर आप सनस्क्रीन का इस्तेमाल नहीं करते हैं तो कोलेजन टूटने लगता है, और इससे त्वचा पर झुर्रियां, पिगमेंटेशन और फाइन लाइन्स आ सकती हैं।

सही नींद न लेना

नींद न लेने से शरीर खुद को ठीक से रिपेयर नहीं कर पाता। सही नींद से कोलेजन का उत्पादन बढ़ता है और शरीर अपनी नवीनीकरण प्रक्रिया को सही से कर पाता है।

हमेशा स्ट्रेस में रहना

लंबे समय तक स्ट्रेस में रहने से शरीर में कोर्टिसोल नामक हार्मोन का स्तर बढ़ जाता है। यह भी कोलेजन के टूटने का कारण बनता है और आपकी त्वचा को डल और थकी हुई दिखा सकता है। इन छोटी-छोटी आदतों पर ध्यान देकर आप अपनी त्वचा को स्वस्थ रख सकते हैं और उम्र से पहले दिखने वाले लक्षणों से बच सकते हैं।

रोटी बच जाए तो टेंशन नहीं! ऐसे बनाएं टेस्टी-टेस्टी सलाद

आप अपने सलाद में रोटी को क्रूटॉन की तरह इस्तेमाल कर सकते हैं। इससे आपका सलाद खाने में सुपर क्रंची लगेगा। फिर आप स्प्राउट्स सलाद बनाएं या फिर खीरा टमाटर सलाद, इस रोटी क्रूटॉन से टेस्ट को कई गुना बढ़ाएं। इसे बनाने के लिए सबसे पहले रोटी को छोटे चौकोर या स्ट्रिप्स में काट लो।

हम सभी के घरों में अमूमन ऐसा होता है कि मम्मी पहले ही रोटियां बना देती हैं, ताकि सभी लोग एक साथ खाना खा सकें। लेकिन जब डिनर खत्म होता है तो यह देखने में आता है कि अक्सर 2-3 रोटियां बच जाती हैं। ऐसे में समझ में नहीं आता कि बची हुई रोटियों का क्या किया जाए। अक्सर लोग बासी रोटी खाना पसंद नहीं करते हैं और उन्हें यूं ही बाहर फेंक देना भी समझदारी नहीं है। अधिकतर

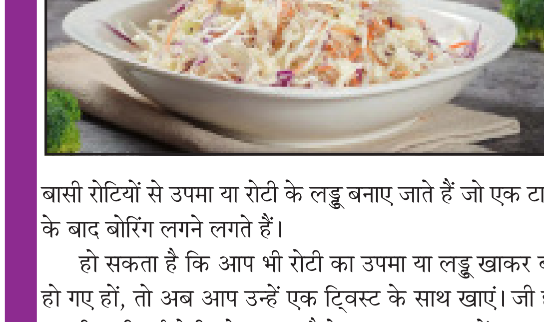

बासी रोटियों से उपमा या रोटी के लड्डू बनाए जाते हैं जो एक टाइम के बाद बोरिंग लगने लगते हैं।

हो सकता है कि आप भी रोटी का उपमा या लड्डू खाकर बोर हो गए हों, तो अब आप उन्हें एक ट्विस्ट के साथ खाएं। जी हां, अपनी बची हुई रोटी को एकदम कैफे-स्टाइल सलाद में बदलकर खाया जाता है। रोटी का सलाद ना केवल हेल्दी होता है, बल्कि यह काफी टेस्टी और क्रंची भी लगता है और इसलिए एक बार रोटी का सलाद बनाने के बाद आपका बार-बार इसे बनाकर खाने का मन करेगा। तो चलिए आज इस लेख में हम आपको बता रहे हैं कि आप रोटी की मदद से सलाद बनाकर किस तरह खा सकते हैं-

रोटी क्रूटॉन सलाद

आप अपने सलाद में रोटी को क्रूटॉन की तरह इस्तेमाल कर सकते हैं। इससे आपका सलाद खाने में सुपर क्रंची लगेगा। फिर आप स्प्राउट्स सलाद बनाएं या फिर खीरा टमाटर सलाद, इस रोटी क्रूटॉन से टेस्ट को कई गुना बढ़ाएं। इसे बनाने के लिए सबसे पहले रोटी को छोटे चौकोर या स्ट्रिप्स में काट लो। अब एक पैन में थोड़ा ऑलिव ऑयल डालो और रोटी के टुकड़ों को धीमी आंच पर क्रिस्पी होने तक सेक लो। अब इसमें थोड़ा नमक, काली मिर्च, ऑरेगेनो या चाट मसाला छिड़क दो। आपके रोटी क्रूटॉन बनकर तैयार है। इसे किसी भी सलाद में डालकर उसे एक ट्विस्ट के साथ खाओ।

प्रियंका चोपड़ा ने पति निक जोनस-बेटी और परिवार संग मनाया थैंक्सगिविंग डे, कैलिफोर्निया से साझा की तस्वीरें

बॉलीवुड अभिनेत्री प्रियंका चोपड़ा ने अपने पति निक जोनस, बेटी मालती और परिवार संग कुछ तस्वीरें साझा की हैं। देखें तस्वीरें। अभिनेत्री प्रियंका चोपड़ा अक्सर सोशल मीडिया हैंडल पर अपने पति, बेटी और परिवार के साथ तस्वीरें साझा करती हैं। एक्ट्रेस ने आज वीकएंड पर परिवार संग बिताए कुछ खुशनुमा पलों को शेयर किया है। इन तस्वीरों को अभिनेत्री ने कैलिफोर्निया से साझा करते हुए नोट भी लिखा है। बेटी और पति संग साझा की तस्वीर प्रियंका चोपड़ा ने अपने इंस्टाग्राम अकाउंट पर कुछ तस्वीरें शेयर की, जिनमें वो कैलिफोर्निया के किसी पार्क में गुनगुनी धूप में पति निक जोनस और बेटी मालती संग एंजाय कर रही हैं। एक तस्वीर में तीनों पार्क में लेटे हुए प्यारा पोज दे रहे हैं। वहीं कुछ तस्वीरों में निक और प्रियंका बेटी संग खेलते नजर आ रहे हैं। परिवार संग किया डिनर इसके अलावा अन्य तस्वीरों में अभिनेत्री अपनी मां मधु चोपड़ा और परिवार के अन्य सदस्यों और दोस्तों संग भी नजर आ रही हैं। एक्ट्रेस ने परिवार के साथ डिनकर करते हुए भी एक तस्वीर साझा की है। परिवार के साथ मनाया थैंक्सगिविंग डे अभिनेत्री ने परिवार के साथ थैंक्सगिविंग डे मनाया। इस पोस्ट को साझा करते हुए एक्ट्रेस ने कैप्शन में लिखा, 'थोड़े समय के लिए घर वापस आ गई हूं। कभी-कभी मैं खुद को अपने तरफ से प्रेम पाकर धन्यवाद महसूस करती हूं। इस थैंक्स गिविंग डे पर मैं स्वास्थ्य, आनंद, एकजुटता और जीवन के उन साधारण सुखों के लिए बहुत आभारी हूं, जिन्हें हम कभी-कभी हल्के में ले लेते हैं। मैं अपने परिवार, दोस्तों, टीम और उन सभी लोगों की बहुत आभारी हूं, जिन्होंने इस रोमांचक सफर को आसान बना दिया है।' आगे उन्होंने कहा, 'इतना लंबा समय घर से दूर बिताने के बाद, मैं बस खुद को याद दिला रही हूं कि जिंदगी की सबसे अच्छी चीजों में से एक है अपने प्रियजनों के बीच रहना। थैंक्सगिविंग मनाने वाले सभी लोगों को शुभकामनाएं।' आपको बताते चलें कि इस साल 27 नवंबर को थैंक्सगिविंग डे मनाया गया था। प्रियंका चोपड़ा का वर्कफ्रंट प्रियंका इन दिनों निर्देशक एसएस राजामौली की आगामी बहुचर्चित फिल्म 'वाराणसी' को लेकर चर्चा में हैं। इसमें वह साउथ सुपरस्टार महेश बाबू के साथ नजर आएंगी। प्रियंका और महेश के अलावा इस फिल्म में साउथ हीरो पृथ्वीराज सुकुमारन विलेन की भूमिका में नजर आएंगे। यह एक एडवेंचर फिल्म है। इसमें महेश बाबू एक शिव भक्त के किरदार में हैं, जो एक प्राचीन कलाकृति की तलाश में निकलता है। फिल्म 2027 में हिंदी, तेलुगु, तमिल, मलयालम और कन्नड़ भाषाओं में रिलीज होगी।

धर्मेंद्र को याद कर इमोशनल हुए सलमान खान, बोले- मन्नतें मांग कर, प्रार्थनाएं करके, आंसुओं के साथ..

बॉलीवुड इंडस्ट्री के दिग्गज एक्टर धर्मेंद्र के निधन को करीब एक हफ्ता हो गया है, लेकिन अभी भी चाहने वाले उनकी मौत के गम से बाहर नहीं आ पा रहे हैं। सेलेब्स व फैंस लगातार सोशल मीडिया के जरिए उन्हें याद करते दिख रहे हैं। इसी बीच सलमान खान ने भी हाल ही में अपने शो बिग बॉस 19 के वीकेंड का वार में उन्हें श्रद्धांजलि दी और उन्हें याद कर इमोशनल हो गए। बिग बॉस के एपिसोड में धर्मेंद्र को याद करते हुए सलमान खान ने कहा ये हफ्ते वैसे ही जो गुजरा है। मन्नतें मांग कर, प्रार्थनाएं करके, आंसुओं के साथ गुजरा है। देश को एक बहुत ही बड़ा झटका लगा है। फैंस को एक बहुत ही बड़ा झटका लगा है। इंडस्ट्री को एक बहुत ही बड़ा सदमा पहुंचा है। मुझे लगता है आप समझ रहे हैं कि मैं किन की बात कर रहा हूं। उनकी आत्मा को शांति मिले। काश मैं इस हफ्ते वीकेंड का वार न कर रहा होता, लेकिन जिंदगी चलती रहती है। बता दें, सलमान खान एक्टर धर्मेंद्र के बेहद करीब थे। एक्टर कई बार बता चुके हैं कि वह सुपरस्टार धर्मेंद्र को तब से फॉलो करते हैं जब से उन्होंने इंडस्ट्री में कदम रखा। हाल ही में कतर में दबंग टूर की एक प्रेस कॉन्फ्रेंस में जब उनसे फिटनेस प्रेरणा के बारे में पूछा गया तो सलमान ने कहा था- मेरे आने से पहले दो तीन शख्स थे और उनमें से अव्वल थे धरम जी। वह मेरे पिता हैं और बस यही काफी हैं। मैं उनसे बेहद प्यार करता हूं और दुआ करता हूं कि वह जल्द ठीक होंगे। धर्मेंद्र को 31 अक्टूबर को सांस लेने की तकलीफ के बाद मुंबई के ब्रीच कैंडी हॉस्पिटल में भर्ती किया गया था। इसके 12 दिन बाद उन्हें अस्पताल से छुट्टी मिली, लेकिन घर लौटने कुछ दिन बाद 24 अक्टूबर को उनका निधन हो गया, जिससे उनके परिवार और इंडस्ट्री को बड़ा धक्का लगा है।

बिग बॉस 19 से बाहर होते ही अशनूर कौर ने किया पहला पोस्ट, घर की बालकनी से फोटो शेयर कर कहा- तूफान के बाद सुकून

एक्ट्रेस अशनूर कौर टीवी रियलिटी शो बिग बॉस 19 के घर से बाहर हो चुकी हैं। उनका एविक्शन फैंस के लिए किसी बड़े झटके से कम नहीं रहा। शो के होस्ट सलमान खान ने वीकेंड के एपिसोड में जानकारी दी कि अशनूर को तान्या मित्तल के साथ अनजाने में हुई फिजिकल वायलेंस के चलते घर से बाहर कर दिया गया है। वहीं, बिग बॉस के घर से अपने घर पहुंचते ही अशनूर ने पहला पोस्ट किया, जो सोशल मीडिया पर आते ही वायरल हो गया। शो से बाहर आने के बाद अशनूर ने सोशल मीडिया पर अपनी पहली प्रतिक्रिया दी। उन्होंने अपने घर की बालकनी में खड़े होकर एक प्यारी-सी फोटो पोस्ट की, जिसमें उनके हाथों में उनका पालतू डॉग भी नजर आया। फोटो शेयर करते हुए उन्होंने लिखा- मुश्किल तूफान के बाद सुकून। अशनूर का पोस्ट कुछ ही घंटों में वायरल हो गया और फैंस उनके सपोर्ट में लगातार मैसेज भेज रहे हैं। रिपोर्ट्स के मुताबिक, इस सीजन का ग्रैंड फिनाले 7 दिसंबर 2025 (रविवार) को होने वाला है। गौरव खन्ना टिकट टू फिनाले जीतकर पहले ही फिनाले वीक में पहुंच चुके हैं। वहीं घर में अभी अमाल मलिक, तान्या मित्तल, शहबाज बदेशा, मालती चाहर, प्रणित मोरे और फरहाना भट्ट बने हुए हैं। चर्चा है कि शहबाज बदेशा जल्द ही एलिमिनेट हो सकते हैं, लेकिन इसका खुलासा रविवार 30 नवंबर को होने वाले वीकेंड का वार में होगा।

पति जैकी संग मालदीव वेकेशन पर निकलीं रकुल प्रीत, समंदर किनारे दिखा मिसेज भगनानी का बेहद बोल्ड अवतार

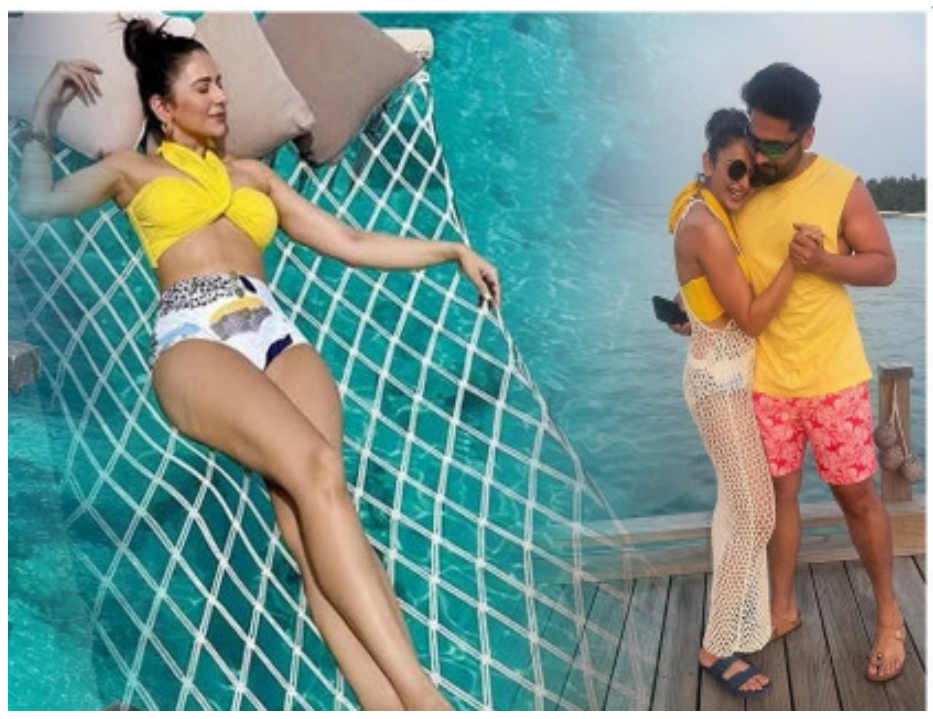

फिल्म दे दे प्यार दे 2 की शानदार सफलता का जश्न मनाने के बाद रकुल प्रीत सिंह इन दिनों मालदीव में वेकेशन पर निकल गई हैं, जहां वो अपने जीवनसाथी जैकी भगनानी संग खूबसूरत लम्हें एंजॉय कर रही हैं। रकुल ने अपने इस ट्रॉपिकल गेटअवे की कई खूबसूरत तस्वीरें सोशल मीडिया पर शेयर की हैं, जिन्हें देखकर फैंस का दिल खुश हो गया है। शेयर की गई तस्वीरों में देखा जा सकता है कि रकुल नीले समुद्र और रेत के बीच खुलकर मस्ती करती नजर आ रही हैं। कई तस्वीरों में रकुल प्रीत सिंह को स्टाइलिश मिनी स्कर्ट और टॉप में बेहद हॉट लग रहा हैं। वेकेशन के दौरान एक्ट्रेस ने अपने बिकिनी लुक की झलक भी दिखाई। येलो बिकिनी में बीच पर रिलैक्स करते हुए उनकी तस्वीरें छुट्टी का सुकून साफ बयान करती हैं। एक फोटो में रकुल और जैकी को बीच पर क्लोज मोमेंट्स शेयर करते देखा गया। दोनों एक साथ बेहद खुश नजर आए। फैंस ने इस तस्वीर पर ढेर सारा प्यार बरसाते नजर आ रहे हैं। काम की बात करें तो रकुल प्रीत सिंह को हाल ही में फिल्म दे दे प्यार दे 2 में अजय देवगन के साथ लीड रोल में देखा गया है। फिल्म बॉक्स ऑफिस पर लगातार अच्छी कमाई कर रही है। इस फिल्म में उनके साथ आर. माधवन, जावेद जाफरी और मिजान जाफरी भी अहम किरदारों में नजर आए हैं।

लाल परी बन 52 की मलाइका ने रैंप पर लगाई आग, शिमरी रेड मिनी ड्रेस में अपने लुक से दी सबको मात

एक्ट्रेस मलाइका अरोड़ा भले ही 52 साल की हो गई हों, लेकिन खूबसूरती और बोल्डनेस के मामले में आज भी वह 25 की एक्ट्रेसेस को टक्कर देती हैं। हाल ही में मलाइका को मुंबई में आयोजित एक इवेंट में हुस्न का कहर बरपाते देखा गया। इस इवेंट से मलाइका के हॉट लुक की तस्वीरें इंटरनेट पर खूब वायरल हो रही हैं। सामने आई तस्वीरों में देखा जा सकता है कि मलाइका अरोड़ा ने शो में स्टाइलिस्ट ऐशले रेबेलो द्वारा तैयार की गई शिमरी रेड मिनी ड्रेस पहनी, जो उनके फिगर पर बेहद खूबसूरती से फिट हो रही थी। ड्रेस में साइड में क्रिएटिव कट-आउट्स, बस्टियर स्टाइल का अपर सेक्शन और ऊपर से एक लंबा फ्लोई रेड रोब उनके पूरे लुक को रॉयल और ड्रामैटिक टच दे रहा है। रैंप पर उतरते ही पूरे कॉन्फिडेंस और चार्म से सभी का ध्यान अपनी ओर खींचा।

सीआईडी के इंस्पेक्टर अभिजीत ने दोबारा की शादी? दूल्हा बने दिखे आदित्य श्रीवास्तव

सोशल मीडिया पर तेजी से एक वीडियो वायरल हो रहा है, जिसमें शो सीआईडी फेम आदित्य श्रीवास्तव दूल्हा बने नजर आ रहे हैं। क्या आदित्य ने दूसरी शादी की है? जानिए, क्या है वायरल वीडियो का पूरा सच?

आदित्य श्रीवास्तव ने सीरियल सीआईडी से घर-घर अपने लिए अलग जगह बनाई। वह इस सीरियल में इंस्पेक्टर अभिजीत का किरदार निभाते हैं। इस सीरियल ने लगभग 21 साल तक लोगों का मनोरंजन किया। फिर कुछ वक्त के लिए यह सीरियल बंद हो गया। लेकिन दर्शकों की डिमांड पर सीआईडी की वापसी हुई। हाल ही में उनका एक वीडियो वायरल हुआ, जिसमें वह दूल्हा बने हुए, एक महिला दूल्हन का जोड़ा पहने उनके साथ नजर आ रही हैं। लोगों को लगा कि आदित्य ने दूसरी शादी की है। जानिए, क्या है, इस वायरल वीडियो का सच? क्या सच में दूसरी बार दूल्हा बने आदित्य श्रीवास्तव? वायरल वीडियो में एक महिला दुल्हन का जोड़ा पहने नजर आती है, उसे आदित्य अंगूठी पहनाते हैं। बताते चलें कि यह दुल्हन कोई और नहीं, आदित्य की पत्नी हैं। आदित्य ने हाल ही में अपनी शादी की 25वीं सालगिरह मनाई। इस खास मौके पर शादी की रस्में दोबारा निभाईं। पत्नी और आदित्य, दोबारा दूल्हा और दुल्हन बने। पत्नी मानसी संग सेलिब्रेट की शादी की सालगिरह आदित्य श्रीवास्तव की शादी को 25 साल हो चुके हैं। हाल ही में उन्होंने अपनी शादी की 25वीं एनिवर्सरी सेलिब्रेट की। अपनी पत्नी मानसी के साथ अपनी शादी की रस्मों को रीक्रिएट किया। इस फंक्शन में आदित्य के परिवार के लोग शामिल थे। सोशल मीडिया पर भी फैंस ने आदित्य श्रीवास्तव और मानसी वाले वीडियो को पसंद किया है।

नयनतारा के जुड़वा बेटों ने एक्ट्रेस को दिया खास तोहफा, मां के लिए हाथों से बनाया कार्ड

साउथ अभिनेत्री नयनतारा ने अपने जुड़वा बच्चों के साथ कुछ तस्वीरें साझा की हैं। एक्ट्रेस को उनके बेटों ने खास गिफ्ट दिया है। अभिनेत्री नयनतारा ने सोशल मीडिया पर हैंडल पर अपने जुड़वा बेटों उइर और उलग के साथ तस्वीरें साझा की हैं। इसके साथ ही उन्होंने एक खास तस्वीर भी पोस्ट की, जिसमें एक्ट्रेस को उनके दो नन्हें बच्चों ने खूबसूरत तोहफा दिया है। अभिनेत्री नयनतारा ने अपने आधिकारिक एक्स अकाउंट पर उलग और उइर के साथ तस्वीरें साझा कीं। अभिनेत्री ने अपने बेटों द्वारा बनाए गए जन्मदिन कार्ड को शेयर किया है। इसमें लिखा है, दुनिया की सबसे अच्छी अम्मा को जन्मदिन की शुभकामनाएं। आपको बताते चलें कि अभिनेत्री ने बीते 18 नवंबर को अपना 41वां जन्मदिन मनाया था। नेटिजंस ने दी प्रतिक्रिया इस पोस्ट पर नेटिजंस प्रतिक्रियाएं दे रहे हैं और बच्चों द्वारा किए गए इस कार्य की सराहना कर रहे हैं। साथ ही कह रहे हैं सबसे अच्छा परिवार। एक नजर नयनतारा के करियर पर नयनतारा ने साल 2003 में मलयालम फिल्म 'मनास्सिनक्कारे' से अपने करियर की शुरूआत की और अपने

अभिनय से जल्द ही इंडस्ट्री में अपनी एक अलग पहचान बना ली। इतना ही नहीं एक्ट्रेस ने साल 2023 में आई फिल्म जवान से बॉलीवुड में भी कदम रखा था। एटली द्वारा निर्देशित इस फिल्म में नयनतारा बॉलीवुड सुपरस्टार शाहरुख खान के साथ प्रमुख भूमिका में नजर आई थीं। इसके अलावा इस समय एक्ट्रेस कई फिल्म प्रोजेक्ट्स में व्यस्त हैं, जिनमें निर्देशक सुंदर सी के साथ एक बड़े बजट की फिल्म, 'मुकुथी अम्मन 2', यश की आगामी कन्नड़ फिल्म 'टॉक्सिक' और विष्णु एडवन द्वारा निर्देशित कविन के साथ तमिल फिल्म 'हाय' शामिल है।

नीलामी से पहले आंद्रे रसेल ने आईपीएल से लिया संन्यास

कोलकाता। रसेल 2014 से केकेआर फ्रेंचाइजी का अभिन्न अंग रहे हैं, लेकिन अब वह टीम के साथ नई भूमिका में शामिल रहेंगे। रसेल के के आर के कोचिंग स्टाफ का हिस्सा होंगे और उन्हें पावर कोच नियुक्त किया गया है। आईपीएल 2026 के लिए होने वाली खिलाड़ियों की नीलामी से पहले वेस्टइंडीज के दिग्गज ऑलराउंडर आंद्रे रसेल ने आईपीएल से संन्यास लेने की घोषणा कर दी है। रसेल को कोलकाता नाइट राइडर्स (केकेआर) ने टीम से रिलीज कर दिया था और माना जा रहा था कि नीलामी में उन पर बड़ी बोली लग सकती है, लेकिन इस स्टार ऑलराउंडर ने टूनार्मेंट को अलविदा कह दिया है। आईपीएल के आगामी सत्र के लिए मिनी नीलामी अबु धाबी में 16 दिसंबर को होगी।

केकेआर के साथ लंबे समय तक जुड़े रहे 37 साल के रसेल 2014 से केकेआर फ्रेंचाइजी का अभिन्न अंग रहे हैं, लेकिन अब वह टीम के साथ नई भूमिका में शामिल रहेंगे। रसेल के के आर के कोचिंग स्टाफ का हिस्सा होंगे और उन्हें पावर कोच नियुक्त किया गया है। केकेआर द्वारा रसेल को रिलीज करने का फैसला हैरान करने वाला था, लेकिन अब उन्होंने आईपीएल से संन्यास लेकर सभी को चौंका दिया है। अन्य लीग में खेलते रहेंगे रसेल रसेल ने एक्स पर लिखा, मैं आईपीएल से संन्यास ले रहा हूं। आईपीएल का यात्रा शानदार रही, 12 वर्षों की यादें और के के आर परिवार से काफी प्यार मिला। मैं दुनिया की अन्य लीग में अभी भी छक्के लगाऊंगा और विकेट लूंगा। सबसे अच्छी बात यह है कि मैं घर नहीं छोड़ रहा हूं। आप मुझे नई भूमिका में देखेंगे। के के आर के सहायक स्टाफ के तौर पर 2026 में पावर कोच। नया अध्याय, लेकिन वही ऊर्जा, हमेशा नाइट का हिस्सा। पोलार्ड के नक्शेकदम पर चले रसेल सपोर्ट स्टाफ में शामिल होकर रसेल ने कैरेबियाई टीम के एक और दिग्गज टी20 क्रिकेटर कीरोन पोलार्ड के नक्शेकदम पर चलना शुरू कर दिया। पोलार्ड ने मुंबई इंडियंस के बल्लेबाजी कोच के रूप में काम किया है। पोलार्ड इससे पहले लंबे समय तक खिलाड़ी के तौर पर मुंबई टीम का हिस्सा रहे हैं। रसेल ने कहा, मैंने आईपीएल से संन्यास लेने का फैसला किया है। मैं अभी भी दुनिया भर की विभिन्न लीगों और के के आर की अन्य सभी फ्रेंचाइजी के लिए सक्रिय रूप से खेलता रहूंगा। मैंने आईपीएल में कुछ शानदार पल और बेहतरीन यादें साझा कीं, छक्के जड़े, मैच जीते, एमवीपी हासिल किए। जब मैंने यह फैसला लिया, तो मुझे लगा कि इस समय यह सबसे अच्छा फैसला था। मैं अपने पीछे एक विरासत छोड़ना चाहता हूं कि प्रशंसक संन्यास क्यों नहीं ले रहे कि जगह संन्यास अभी क्यों ले रहे जैसे सवाल पूछे। रसेल 2012 से आईपीएल का एक भी सत्र नहीं छोड़ा है। उन्होंने अपनी शुरूआती दो सत्र में दिल्ली की फ्रेंचाइजी का प्रतिनिधित्व करने के बाद 2014 से केकेआर के साथ है। अपने बल्ले और गेंद से मैच का रूख किसी भी समय मोड़ने की क्षमता रखने वाले रसेल के नाम 140 मैचों में 174.18 की स्ट्राइक रेट से 2651 रन हैं। उन्होंने 123 विकेट लिए हैं।

बंगाल के खिलाफ आया अभिषेक शर्मा का तूफान महज 32 गेंदों पर जड़ दिया शतक

हैदराबाद । अभिषेक सैयद मुश्ताक अली टी20 ट्रॉफी में पंजाब टीम की कमान संभाल रहे हैं। अभिषेक ने इस मैच में टॉस जीतकर पहले बल्लेबाजी करने का फैसला किया और प्रभसिमरन सिंह के साथ टीम को मजबूत शुरूआत दिलाई। भारतीय टीम के विस्फोटक सलामी बल्लेबाज अभिषेक शर्मा ने सैयद मुश्ताक

अली ट्रॉफी में दमदार प्रदर्शन किया। बंगाल के खिलाफ एलीट ग्रुप सी मुकाबले में अभिषेक ने महज 32 गेंदों पर अर्धशतक जड़ दिया और दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ टी20 सीरीज से पहले अपना दम दिखाया। अभिषेक पिछले कुछ समय से भारतीय टी20 टीम का स्थायी रूप से हिस्सा हैं और अगले साल टी20 विश्व कप से पहले उनका फॉर्म में रहना भारत के लिए सकारात्मक संकेत है। अभिषेक की दमदार बल्लेबाजी से पंजाब ने बंगाल के खिलाफ 20 ओवर में पांच विकेट पर 310 रन बनाए। अभिषेक ने 52 गेंदों पर आठ चौकों और 16 छक्कों की मदद से 148 रन बनाए। शमी के ओवर से जुटाए 23 रन अभिषेक सैयद मुश्ताक अली टी20 ट्रॉफी में पंजाब टीम की कमान संभाल रहे हैं। अभिषेक ने इस मैच में टॉस जीतकर पहले बल्लेबाजी करने का फैसला किया और प्रभसिमरन सिंह के साथ टीम को मजबूत शुरूआत दिलाई। अभिषेक ने पहली ही गेंद से आक्रामक बल्लेबाजी की और महज 12 गेंदों पर पचासा जड़ दिया। उन्होंने अनुभवी तेज गेंदबाज मोहम्मद शमी के ओवर से 23 रन जुटाए। टी20 करियर का जड़ा आठवां शतक अभिषेक और प्रभसिमरन ने इतनी आक्रामक होकर बल्लेबाजी की जिससे पंजाब का स्कोर 10 ओवर की समाप्ति के बाद बिना किसी नुकसान के 163 रन हो गया। बंगाल के गेंदबाजों के पास इन दोनों का कोई तोड़ नहीं था। अभिषेक का 157 पारियों में यह आठवां टी20 शतक है और उन्होंने इस मामले में रोहित शर्मा की बराबरी कर ली है। टी20 प्रारूप में सबसे ज्यादा शतक लगाने वाले भारतीय बल्लेबाज में विराट कोहली आगे हैं जिन्होंने नौ शतक लगाए हैं। इतना ही नहीं, अभिषेक सबसे तेज टी20 अर्धशतक लगाने वाले तीसरे बल्लेबाज बन गए हैं और उन्होंने इस मामले में अपने गुरु युवराज सिंह की बराबरी कर ली है। युवराज ने इंग्लैंड के खिलाफ 12 गेंदों पर अर्धशतक लगाया था।

वनडे में सबसे ज्यादा छक्के लगाने वाले बल्लेबाज बने रोहित शर्मा

रांची। पाकिस्तान के पूर्व कप्तान अफरीदी ने अपने वनडे करियर में कुल 351 छक्के लगाए हैं, लेकिन रोहित के नाम अब

इस प्रारूप में 352 छक्के हो गए हैं और वह सभी से आगे निकल गए हैं। रोहित ने यह उपलब्धि दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ पहले वनडे मैच के दौरान हासिल की। भारतीय टीम के पूर्व कप्तान रोहित शर्मा वनडे में सबसे ज्यादा छक्के लगाने वाले बल्लेबाज बन गए हैं। रोहित ने यह उपलब्धि दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ पहले वनडे मैच के दौरान हासिल की। इस मैच से पहले रोहित ये उपलब्धि हासिल करने से तीन छक्के दूर थे और उन्होंने मैच में तीन छक्के लगाते ही पाकिस्तान के शाहीद अफरीदी को पीछे छोड़ दिया। रोहित ने की दमदार बल्लेबाजी रोहित शर्मा और विराट कोहली ने दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ पहले वनडे मैच में शानदार बल्लेबाजी की। रोहित को शुरूआत में जीवनदान मिला था और उन्होंने इसका पूरा फायदा उठाया। रोहित इससे पहले ऑस्ट्रेलिया दौरे पर भी अच्छी फॉर्म में थे और उन्होंने इस लय को दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ भी बरकरार रखा है। पाकिस्तान के पूर्व कप्तान अफरीदी ने अपने वनडे करियर में कुल 351 छक्के लगाए हैं, लेकिन रोहित के नाम अब इस प्रारूप में 352 छक्के हो गए हैं और वह सभी से आगे निकल गए हैं। रोहित ने पारी के 15वें ओवर में दक्षिण अफ्रीका के स्पिनर प्रेनेलन सुब्रयन की गेंद पर डीप मिडविकेट पर लगातार दो छक्के लगाकर अफरीदी की बराबरी की और फिर मार्को यानसेन की गेंद को डीप स्क्वायर लेग पर पुल करके अफरीदी के काफी कम पारियों में सर्वाधिक वनडे छक्के लगाने का विश्व रिकॉर्ड बना लिया। रोहित ने 2007 में पदार्पण के बाद भारत के लिए 278 मैचों की 270वीं पारी में इस उपलब्धि को हासिल किया। कोहली के साथ निभाई शतकीय साझेदारी रोहित ने इस दौरान कोहली के साथ दूसरे विकेट के लिए शतकीय साझेदारी निभाई। दक्षिण अफ्रीका ने भारत के खिलाफ पहले वनडे मैच में टॉस जीतकर पहले गेंदबाजी का फैसला लिया। नांद्रे बर्गर ने यशस्वी जायसवाल को आउट कर भारत को पहला झटका दिया। यशस्वी ने तेज शुरूआत दिलाई थी, लेकिन वह इस लय को बरकरार नहीं रख सके और विकेट के पीछे डि कॉक को कैच थमा बैठे। इसके बाद रोहित ने कोहली के साथ मिलकर मोर्चा संभाला और दोनों बल्लेबाजों के बीच 109 गेंदों पर 136 रनों की साझेदारी हुई। रोहित अच्छी लय में दिख रहे थे, लेकिन मार्को यानसेन ने एलबीडब्ल्यू आउट कर उन्हें पवेलियन की राह दिखाई। इस तरह रोहित और कोहली के बीच यह साझेदारी टूट गई। रोहित 51 गेंदों पर पांच चौकों और तीन छक्कों की मदद से 57 रन बनाकर आउट हुए।

रोहित-कोहली ने इस मामले में सचिन और द्रविड़ को पीछे छोड़ा

रांची। कोहली और रोहित ने दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ आक्रामक रुख अपनाया है और दोनों के बीच दूसरे विकेट के लिए अर्धशतकीय साझेदारी पूरी हुई। कोहली इस दौरान पुरानी लय में नजर आए। रोहित शर्मा और विराट कोहली ने दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ पहले वनडे मैच में शानदार बल्लेबाजी की है। इन दोनों बल्लेबाजों के बीच दूसरे विकेट के लिए 50+ रनों की साझेदारी हुई जिससे भारत ने दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ अच्छी शुरूआत की। भारत को यशस्वी जायसवाल के रूप में पहला झटका जल्द ही लग गया था, लेकिन रोहित-कोहली की जोड़ी ने मोर्चा संभाला और टीम को बड़े स्कोर की ओर अग्रसर किया। दक्षिण अफ्रीका ने जीता टॉस दक्षिण अफ्रीका ने भारत के खिलाफ पहले वनडे मैच में टॉस जीतकर पहले गेंदबाजी का फैसला लिया है। भारतीय कप्तान केएल राहुल ने भी कहा कि अगर वह टॉस जीतते तो पहले गेंदबाजी करने का फैसला ही लेते। नांद्रे बर्गर ने यशस्वी जायसवाल को आउट कर भारत को पहला झटका दिया। यशस्वी ने तेज शुरूआत दिलाई थी, लेकिन वह इस लय को बरकरार नहीं रख सके और विकेट के पीछे डि कॉक को कैच थमा बैठे। यशस्वी 16 गेंदों पर दो चौकों और एक छक्के की मदद से 18 रन बनाकर आउट हुए। रोहित-कोहली के बीच अर्धशतकीय साझेदारी कोहली और रोहित ने दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ आक्रामक रुख अपनाया है और दोनों के बीच दूसरे विकेट के लिए अर्धशतकीय साझेदारी पूरी हो गई है। कोहली इस दौरान पुरानी लय में नजर आए। इन दोनों के बीच वनडे में घरेलू जमीन पर 18वीं बार 50+ रनों की साझेदारी हुई है। रोहित और कोहली की जोड़ी ने इस मामले में मार्टिन गुप्टिल

और केन विलियमसन की जोड़ी को पीछे छोड़ा जिन्होंने 39 वनडे पारियों में 17 बार 50+ रनों की साझेदारी की है। वनडे में सर्वाधिक बार इतने रनों की साझेदारी का रिकॉर्ड कुमार संगकारा और माहेला जयवर्धने के नाम है जिन्होंने 57 पारियों में 24 बार ऐसा किया है। रोहित-कोहली का साथ में यह 392वां अंतरराष्ट्रीय मुकाबला है। भारत के लिए किसी भी जोड़ी ने अब तक साथ में इतने मैच नहीं खेले हैं। रोहित और कोहली ने इस मामले में सचिन तेंदुलकर और राहुल द्रविड़ को पीछे छोड़ा। सचिन और द्रविड़ ने साथ में 391 मैच खेले थे और अब रोहित और कोहली इस मामले में इस जोड़ी से आगे निकल गए।

आंद्रे रसेल के आईपीएल से संन्यास पर शाहरुख खान ने दिया रिएक्शन

वेस्टइंडीज के दिग्गज ऑलराउंडर आंद्रे रसेल ने आईपीएल से संन्यास लेने की घोषणा कर दी है। वे 2014 से केकेआर फ्रेंचाइजी का अभिन्न अंग रहे हैं। टीम में वे अब नई भूमिका निभाएंगे। आंद्रे के संन्यास पर शाहरुख खान ने रिएक्शन दिया है। आंद्रे रसेल साल 2014 से केकेआर फ्रेंचाइजी का

हिस्सा रहे हैं। हालांकि, अब उन्होंने आईपीएल से ही संन्यास का एलान कर दिया है। आईपीएल 2026 के लिए होने वाली खिलाड़ियों की नीलामी से ठीक पहले आईपीएल से रिटायरमेंट का एलान करके आंद्रे से सभी को चौंका दिया है। हालांकि, उन्होंने यह भी साफ किया कि वे अब केकेआर के कोचिंग स्टाफ का हिस्सा होंगे और पावर कोच की भूमिका में होंगे। शाहरुख खान ने नई भूमिका पर रसेल को बधाई दी है। केकेआर में रसेल के योगदान पर शाहरुख ने कहा- 'शुक्रिया' शाहरुख खान ने सोशल मीडिया पोस्ट के जरिए आंद्रे रसेल के केकेआर टीम में दिए गए योगदान के लिए शुक्रिया अदा किया है। साथ ही टीम में पावर कोच के रूप में नई भूमिका की नियुक्त पर बधाई दी है। शाहरुख खान ने आंद्रे रसेल के पोस्ट पर रिएक्शन दिया है। उन्होंने लिखा है, 'शानदार यादों के लिए शुक्रिया, आंद्रे। हमारे शानदार योद्धा। केकेआर में आपका योगदान यादगार है और एक खिलाड़ी के तौर पर अब आपकी शानदार यात्रा का एक और चैप्टर... पावर कोच के रूप में'। शाहरुख बोले- 'कोई दूसरी जर्सी अजीब लगेगी दोस्त' शाहरुख खान ने आगे लिखा है, 'हमारे पर्पल और गोल्ड बॉयज को ज्ञान और ताकत देते हुए आपकी भूमिका मजबूत रहेगी। और हां, कोई भी दूसरी जर्सी आप पर अजीब लगेगी मेरे दोस्त... जिंदगी भर के लिए मसल रसेल! पूरी टीम और खेल से प्यार करने वाले सभी लोगों की तरफ से लव यू'। रसेल ने लिखा- 'अन्य लीग में अभी भी छक्के लगाऊंगा' रसेल ने एक्स पर लिखा, मैं आईपीएल से संन्यास ले रहा हूं। आईपीएल का यात्रा शानदार रही, 12 वर्षों की यादें और केकेआर परिवार से काफी प्यार मिला। मैं दुनिया की अन्य लीग में अभी भी छक्के लगाऊंगा और विकेट लूंगा। सबसे अच्छी बात यह है कि मैं घर नहीं छोड़ रहा हूं। आप मुझे नई भूमिका में देखेंगे। केकेआर के सहायक स्टाफ के तौर पर 2026 में पावर कोच। नया अध्याय, लेकिन वही ऊर्जा, हमेशा नाइट का हिस्सा।

विजय हजारे ट्रॉफी में दिल्ली के लिए खेल सकते हैं विराट कोहली

नई दिल्ली। रोहित मुंबई के लिए खेल सकते हैं और माना जा रहा है कि कोहली भी बंगलूरू में दिल्ली टीम के लिए विजय हजारे ट्रॉफी के कुछ मैचों में खेल सकते हैं। भारत के स्टार बल्लेबाज विराट कोहली दिल्ली के लिए विजय हजारे ट्रॉफी वनडे टूनार्मेंट में खेल सकते हैं। 50 ओवर के प्रारूप में खेला जाने वाला यह घरेलू टूनार्मेंट 24 दिसंबर से 18 जनवरी तक खेला जाएगा। मीडिया रिपोर्ट्स के अनुसार, दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ तीन मैचों की वनडे सीरीज के बाद कोहली लंदन लौट जाएंगे, लेकिन इस घरेलू टूनार्मेंट में हिस्सा लेने के लिए दिल्ली टीम से जुड़ेंगे। मुंबई के लिए उतर सकते हैं रोहित रिपोर्ट्स की मानें तो भारतीय क्रिकेट कंट्रोल बोर्ड (बीसीसीआई) चाहता है कि रोहित शर्मा और कोहली दोनों विजय हजारे ट्रॉफी में हिस्सा लें। रिपोर्ट के अनुसार, रोहित मुंबई के लिए खेल सकते हैं और माना जा रहा है कि कोहली भी बंगलूरू में दिल्ली टीम के लिए विजय हजारे ट्रॉफी के कुछ मैचों में खेल सकते हैं। दक्षिण अफ्रीका सीरीज के बाद कोहली लंदन लौट जाएंगे, लेकिन बंगलूरू में दिल्ली टीम के साथ जुड़ेंगे। हालांकि, फिलहाल दिल्ली एवं जिला क्रिकेट संघ (डीडीसीए) से कोई बातचीत नहीं हुई है, लेकिन बताया जा रहा है कि यह स्टार बल्लेबाज विजय हजारे ट्रॉफी में खेल सकता है। विजय हजारे ट्रॉफी में कैसा है कोहली का रिकॉर्ड? कोहली फिलहाल भारतीय टीम के साथ हैं जो रविवार से दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ शुरू हो रही तीन मैचों की वनडे सीरीज खेलेगी। दोनों टीमों के बीच पहला मैच रांची में है। कोहली ने 2008 से 2010 तक विजय हजारे ट्रॉफी में दिल्ली के लिए 13 मैच खेले हैं और कुल 819 रन बनाए हैं। इस टूनार्मेंट में उनका औसत 68.25 और स्ट्राइक रेट 106.08 का है। विजय हजारे ट्रॉफी में कोहली ने चार शतक और तीन अर्धशतक लगाए हैं और इस टूनार्मेंट में उनका सर्वोच्च स्कोर 124 रन है। इतना ही नहीं कोहली ने 2010 में कोहली ने विजय हजारे ट्रॉफी के पांच मैचों में दिल्ली की कमान संभाली थी जिसमें से टीम तीन मैच जीतने में सफल रही थी।

पहले मैच में तीन स्पिनर और इतने ही तेज गेंदबाजों के साथ उतरा भारत

रांची। दक्षिण अफ्रीका ने भारत के खिलाफ पहले वनडे मैच में टॉस जीतकर पहले गेंदबाजी का फैसला लिया है। भारतीय कप्तान केएल राहुल ने भी कहा कि अगर वह टॉस जीतते तो पहले गेंदबाजी करने का फैसला ही लेते। भारतीय टीम दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ रांची में खेले जा रहे पहले वनडे मैच में तीन स्पिनर और इतने ही तेज गेंदबाजों के साथ उतरा है। इस मैच से पहले टीम संयोजन को लेकर काफी माथापच्ची हो रही थी, लेकिन टीम प्रबंधन ने तीन स्पिनर और इतने ही विशेषज्ञ तेज गेंदबाजों के साथ उतरने का फैसला लिया। दिलचस्प बात यह है कि ऋषभ पंत को एकादश में जगह नहीं मिली और कप्तान केएल राहुल इस मैच में विकेटकीपिंग की भूमिका भी निभाएंगे। दक्षिण अफ्रीका ने जीता टॉस दक्षिण अफ्रीका ने भारत के खिलाफ पहले वनडे मैच में टॉस जीतकर पहले गेंदबाजी का फैसला लिया है। भारतीय कप्तान केएल राहुल ने भी कहा कि अगर वह टॉस जीतते तो पहले गेंदबाजी करने का फैसला ही लेते। केएल ने इस बात की पुष्टि कर दी कि ऋतुराज गायकवाड़ इस मैच के लिए प्लेइंग-11 का हिस्सा होंगे, जबकि रोहित शर्मा के साथ यशस्वी जायसवाल पारी की शुरूआत करेंगे। पंत-राहुल का साथ खेलना मुश्किल? विकेटकीपर बल्लेबाज ऋषभ पंत और केएल राहुल दोनों ही इस सीरीज का हिस्सा हैं। केएल शुभमन गिल की अनुपस्थिति में टीम की कमान संभाल रहे हैं तो यह तय था कि वह मैच में होंगे, लेकिन सबसे ज्यादा चर्चा इस बात की थी कि पंत राहुल के साथ एकादश में कैसे फिट हो सकते हैं। पंत का खेलना रणनीतिक रूप से महत्वपूर्ण हो सकता था क्योंकि वह बाएं हाथ के बल्लेबाज हैं, जबकि भारतीय बल्लेबाजी क्रम में अधिकतर बल्लेबाज दाएं हाथ के हैं।

घर में सबसे ज्यादा बार 50+ स्कोर बनाने वाले बल्लेबाज बने विराट कोहली

रांची। भारतीय टीम के स्टार बल्लेबाज विराट कोहली ने रविवार को इतिहास रच दिया। वह घर में वनडे में सबसे ज्यादा बार 50 से ज्यादा रन बनाने वाले बल्लेबाज बन गए। इस मामले में उन्होंने महान बल्लेबाज सचिन तेंदुलकर को पीछे छोड़ दिया। भारतीय टीम के स्टार बल्लेबाज विराट कोहली ने रविवार को इतिहास रच दिया। वह घर में वनडे में सबसे ज्यादा बार 50 से ज्यादा रन बनाने वाले बल्लेबाज बन गए। इस मामले में उन्होंने महान बल्लेबाज सचिन तेंदुलकर को पीछे छोड़ दिया। बता दें कि, भारत और दक्षिण अफ्रीका के बीच आज तीन मैचों की वनडे सीरीज का पहला मुकाबला रांची में खेला जा रहा है। इस मैच में मेहमानों ने टॉस जीतकर भारत को बल्लेबाजी का न्योता दिया है। कोहली ने हासिल की बड़ी उपलब्धि इस मुकाबले में किंग कोहली का बल्ला जमकर गरजा। उन्होंने दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ महज 48 गेंदों में अपने वनडे करियर का 76वां अर्धशतक पूरा किया। इसी के साथ उन्होंने बड़ी उपलब्धि भी हासिल कर ली। वह घर में वनडे खेलते हुए 50 से ज्यादा रन बनाने वाले बल्लेबाज बन गए। कोहली ने यह कारनामा 59 बार किया। वहीं, सचिन तेंदुलकर ने 58 बार वनडे में 50 से ज्यादा रनों की पारी खेली। तीसरे स्थान पर दक्षिण अफ्रीका के जैक्स कैलिस हैं जबकि चौथे पायदान पर ऑस्ट्रेलिया के रिकी पोंटिंग हैं। रोहित और कोहली के बीच हुई शतकीय साझेदारी विराट कोहली ने इस दौरान रोहित शर्मा के साथ दूसरे विकेट के लिए शतकीय साझेदारी निभाई। नांद्रे बर्गर ने यशस्वी जायसवाल को आउट कर भारत को पहला झटका दिया। यशस्वी ने तेज शुरूआत दिलाई थी, लेकिन वह इस लय को बरकरार नहीं रख सके और विकेट के पीछे डि कॉक को कैच थमा बैठे। इसके बाद रोहित ने कोहली के साथ मिलकर मोर्चा संभाला और दोनों बल्लेबाजों के बीच 109 गेंदों पर 136 रनों की साझेदारी हुई। रोहित अच्छी लय में दिख रहे थे, लेकिन मार्को यानसेन ने एलबीडब्ल्यू आउट कर उन्हें पवेलियन की राह दिखाई। इस तरह रोहित और कोहली के बीच यह साझेदारी टूट गई। रोहित 51 गेंदों पर पांच चौकों और तीन छक्कों की मदद से 57 रन बनाकर आउट हुए। इसी के साथ रोहित और कोहली के बीच घर में वनडे में सबसे ज्यादा रनों की साझेदारी हुई। 41 पारियों में दोनों के बीच 2598 रनों की साझेदारी हुई। इस मामले में दूसरे स्थान पर कुमार संगकारा और महेला जयवर्धने हैं, जिन्होंने 57 पारियों में 2596 रनों की साझेदारी की।

अमेरिका में प्रवासन पर स्थायी रोक लगाने पर अड़े ट्रंप

वॉशिंगटन। आईएनए की धारा 212 (एफ) अमेरिकी राष्ट्रपति को किसी भी आवेदक या आवेदकों के किसी भी वर्ग के प्रवेश को निलंबित करने का अधिकार देती है। राष्ट्रपति आवेदकों के प्रवेश पर कोई भी प्रतिबंध लगा सकते हैं, जिसे वह उचित समझें। अमेरिका के वॉशिंगटन में हुए आतंकी हमले के बाद राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने कई देशों से आने वाले लोगों के प्रवासन पर रोक लगा दी थी। संयुक्त राष्ट्र (यूएन) की कई एजेंसियों ने अमेरिकी प्रशासन से शरणार्थियों को देश में आने की अनुमति जारी रखने की अपील की थी, जिसे ठुकरा दिया गया है। राष्ट्रपति ट्रंप 'सभी तीसरी दुनिया के देशों से प्रवासन को स्थायी रूप से रोकने' के अपने रुख पर अड़े हुए हैं। तीसरी दुनिया के देशों में खासतौर से युद्धग्रस्त या आर्थिक रूप से कमजोर देश शामिल हैं। इन देशों के नागरिकों के लिए अमेरिका में प्रवेश पर ट्रंप ने रोक लगा दी है। अपने हालिया एक पोस्ट में ट्रंप ने प्रवासन पर रोक लगाने के अपने कदम को सही ठहराने के लिए आव्रजन एवं राष्ट्रीयता अधिनियम (आईएनए) की धारा 212 (एफ) का हवाला दिया। आईएनए की धारा 212 (एफ) अमेरिकी राष्ट्रपति को किसी भी आवेदक या आवेदकों के किसी भी वर्ग के प्रवेश को निलंबित करने का अधिकार देती है। इस धारा से राष्ट्रपति को यह भी अधिकार मिलता है कि वह आवेदकों के प्रवेश पर कोई भी प्रतिबंध लगा सकते हैं, जिसे वह उचित समझें। यह प्रतिबंध उस अवधि के लिए लागू किया जा सकता है, जब वह यह निर्धारित करने पर आवश्यक समझें कि उनका प्रवेश संयुक्त राज्य अमेरिका के हितों के लिए नुकसानदायक होगा। ट्रंप ने आईएनए की धारा 212 (एफ) का हवाला देते हुए कहा, ₹जब भी राष्ट्रपति को लगता है कि किसी विदेशी या किसी वर्ग के विदेशी का संयुक्त राज्य अमेरिका में प्रवेश संयुक्त राज्य अमेरिका के हितों के लिए हानिकारक होगा, तो वह घोषणा करके, और आवश्यक समझे जाने वाली अवधि के लिए, सभी विदेशी या किसी वर्ग के विदेशी अप्रवासी या गैर-अप्रवासी के रूप में प्रवेश निलंबित कर सकते हैं, या विदेशियों के प्रवेश पर कोई भी प्रतिबंध लगा सकते हैं, जिसे वह उचित समझें। ट्रंप प्रशासन ने शुक्रवार को आव्रजन प्रतिबंधों को और कड़ा कर दिया और विदेश विभाग के निर्देश के बाद सुरक्षा उपायों की एक श्रृंखला लागू की, जिसके तहत अफगान पासपोर्ट रखने वाले सभी यात्रियों के लिए वीजा जारी करने पर अस्थायी रूप से रोक लगा दी गई है। अमेरिकी विदेश मंत्री मार्को रुबियो ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर एक पोस्ट में इस फैसले का एलान करते हुए कहा, 'राष्ट्रपति ट्रंप के विदेश विभाग ने अफगान पासपोर्ट पर यात्रा करने वाले सभी व्यक्तियों के लिए वीजा जारी करने पर रोक लगा दी है।' उन्होंने कहा, 'संयुक्त राज्य अमेरिका के लिए अपने राष्ट्र और अपने लोगों की सुरक्षा से बड़ी कोई प्राथमिकता नहीं है।' अधिकारियों ने इस निर्णय को व्हाइट हाउस के निकट बुधवार को हुई गोलीबारी की व्यापक प्रतिक्रिया का हिस्सा बताया, जिसमें दो नेशनल गार्ड सैनिक गंभीर रूप से घायल हो गए थे।

कैलिफोर्निया में गोलीबारी चार की मौत

वॉशिंगटन। पुलिस के अनुसार, गोलीबारी की घटना स्टॉकटन के लुसिले एवेन्यू के 1900वें ब्लॉक में घटी। घायलों को अस्पताल में भर्ती कराया गया है। स्टॉकटन के उप-मेयर जेसन ली ने बताया कि एक बच्चे के बर्थडे के दौरान गोलीबारी की घटना हुई। अमेरिका में एक बार फिर गोलीबारी की घटना हुई है। पुलिस ने बताया कि कैलिफोर्निया के स्टॉकटन में हुई गोलीबारी में चार लोगों की मौत हुई है और 10 लोग घायल हुए हैं। एक बच्चे की बर्थडे पार्टी के दौरान गोलीबारी हुई। घायलों को अस्पताल में भर्ती कराया गया है। मीडिया रिपोर्ट्स के अनुसार, गोलीबारी में मरने वाले लोगों में दो बच्चे भी शामिल हैं। स्टॉकटन के उप-मेयर ने दी जानकारी सैन जाओकिन काउंटी शेरिफ ने सोशल मीडिया पोस्ट पर बताया कि मरने वालों में दो बच्चे और दो व्यस्क शामिल हैं। पुलिस ने बताया कि शुरूआती जांच में ऐसा लग रहा है कि इन लोगों की निशाना बनाकर हत्या की गई। गोलीबारी की घटना एक बैंक्वेट हॉल के भीतर हुई। पुलिस गोलीबारी के पीछे की वजह तलाशने में जुटी है। पुलिस के अनुसार, गोलीबारी की घटना स्टॉकटन के लुसिले एवेन्यू के 1900वें ब्लॉक में घटी। घायलों को अस्पताल में भर्ती कराया गया है। स्टॉकटन के उप-मेयर जेसन ली ने बताया कि एक बच्चे के बर्थडे के दौरान गोलीबारी की घटना हुई। उन्होंने घटना पर दुख जताया और कहा कि वह अधिकारियों के संपर्क में हैं। पुलिस ने एहतियातन घटनास्थल की ओर जाने वाली सड़कों को बंद कर दिया है। मिसिसिपी में हुई गोलीबारी में हुई थी छह की मौत बीते माह अमेरिका के मिसिसिपी डेल्टा क्षेत्र में भी गोलीबारी की घटना हुई थी। दो अलग-अलग जगहों पर हुई गोलीबारी में छह लोगों की मौत हो गई और 12 अन्य लोग घायल हो गए। राज्य के सीनेटर डेरिक सिमंस ने बताया कि एक घटना में लीलैंड शहर में हाई स्कूल फुटबॉल होमकमिंग गेम के बाद गोलीबारी हुई। इसमें चार लोगों की मौत हुई और 4 अन्य घायल हो गए। वहीं दूसरी घटना हाइडलबर्ग शहर में हाई स्कूल होमकमिंग वीकेंड के दौरान स्कूल परिसर में गोलीबारी हुई, जिसमें दो लोगों की मौत हो गई।

यूक्रेनी प्रतिनिधिमंडल अमेरिका पहुंचा, राष्ट्रपति जेलेंस्की ने अपने बयान से दिए युद्ध विराम के संकेत

वॉशिंगटन। यूक्रेनी राष्ट्रपति ने एक्स पर साझा पोस्ट में लिखा, 'यूक्रेन, अमेरिका के साथ मिलकर काम कर रहा है, और हमें उम्मीद है कि जिनेवा में हुई बैठकों के नतीजे अब अमेरिका में तय किए जाएंगे।' रूस यूक्रेन युद्ध रुकवाने के लिए बातचीत की कोशिशें तेज हो गई हैं। इस बीच एक यूक्रेनी प्रतिनिधिमंडल अमेरिकी विदेश मंत्री मार्को रुबियो और अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप के विशेष प्रतिनिधि स्टीव विटकॉफ से मुलाकात करने रविवार को अमेरिका पहुंच गया है। यह प्रतिनिधिमंडल फ्लोरिडा में रूस के साथ युद्ध विराम की योजना पर अमेरिकी नेताओं से चर्चा करेगा। राष्ट्रपति ट्रंप के सलाहकार जेरेड कुशनर भी इस बैठक में शामिल रहेंगे। यूक्रेनी राष्ट्रपति वोलोदिमिर जेलेंस्की ने भी संकेत दिए हैं कि वे भी युद्धविराम के लिए तैयार हैं। यूक्रेनी राष्ट्रपति बोले- युद्ध का गरिमापूर्ण अंत संभव यूक्रेनी राष्ट्रपति वोलोदिमिर जेलेंस्की ने रविवार को एक बयान में कहा कि युद्ध का गरिमापूर्ण अंत संभव है क्योंकि अमेरिका एक रचनात्मक दृष्टिकोण दिखा रहा है। जेलेंस्की ने सोशल मीडिया मंच एक्स पर साझा एक पोस्ट में लिखा, 'यूक्रेनी प्रतिनिधिमंडल को आज शाम तक (स्थानीय समयनुसार) अमेरिका में होना चाहिए। जिनेवा बिंदुओं पर आधारित बातचीत जारी रहेगी। कूटनीति सक्रिय है। अमेरिका रचनात्मक दृष्टिकोण दिखा रहा है, और आने वाले दिनों में यह तय करना मुमकिन है कि युद्ध को गरिमापूर्ण तरीके से कैसे खत्म किया जाए। यूक्रेनी प्रतिनिधिमंडल के पास जरूरी निर्देश हैं, और मुझे उम्मीद है कि लोग यूक्रेनी प्राथमिकताओं के हिसाब से काम करेंगे।' 'जिनेवा में बैठकों के नतीजे अमेरिका में तय किए जाएंगे' यूक्रेन की नेशनल सिक्योरिटी और डिफेंस काउंसिल के सचिव रुस्तम उमरोव, यूक्रेनी प्रतिनिधिमंडल का नेतृत्व कर रहे हैं। यूक्रेनी राष्ट्रपति ने एक्स पर साझा पोस्ट में लिखा, 'यूक्रेन, अमेरिका के साथ मिलकर काम कर रहा है, और हमें उम्मीद है कि जिनेवा में हुई बैठकों के नतीजे अब अमेरिका में तय किए जाएंगे। मैं अपने प्रतिनिधिमंडल की रिपोर्ट का इंतजार कर रहा हूं। यूक्रेन की जय हो।' यूक्रेनी प्रतिनिधिमंडल ऐसे समय अमेरिका में है, जब रूस ने यूक्रेन पर 36 मिसाइलें और 600 ड्रोन्स से हमला किया, जिसमें कम से कम तीन लोग मारे गए हैं और दर्जनों लोग घायल हुए हैं। पुतिन की चेतावनी रूसी राष्ट्रपति ने भी सकारात्मक संकेत देते हुए कहा है कि लड़ाई खत्म करने की अमेरिका की योजना संघर्ष विराम का आधार बन सकती है। हालांकि, पुतिन ने चेतावनी दी कि अगर कीव पीछे नहीं हटा तो रूस जबरदस्ती और इलाके पर कब्जा कर लेगा। पुतिन ने गुरुवार को किर्गिस्तान के बिश्केक में मीडिया से बात करते हुए कहा कि 'क्रेमलिन को उम्मीद है कि स्टीव विटकॉफ की लीडरशिप में एक अमेरिकी प्रतिनिधिमंडल आने वाले हफ्ते में मॉस्को आएगा। रूसी राष्ट्रपति ने कहा कि क्रेमलिन 'गंभीर चर्चा' के लिए तैयार है।

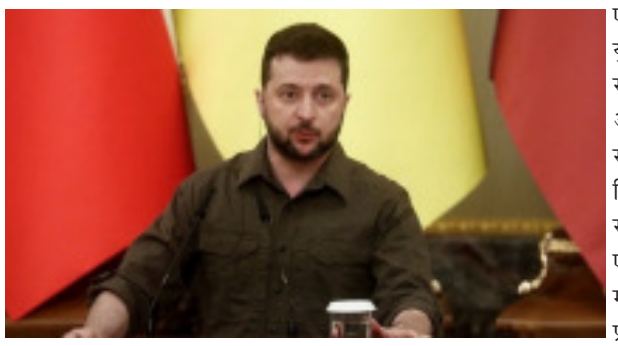

अमेरिका में आव्रजन कार्रवाई से दहशत न्यूयॉर्क पुलिस से भिड़े प्रदर्शनकारी

न्यूयॉर्क। न्यूयॉर्क पुलिस की ओर से जारी बयान में कहा गया कि प्रदर्शनकारियों को सड़क जाम हटाने के आदेश दिए गए, लेकिन उन्होंने इसकी अनदेखी की। बयान के मुताबिक सरकारी पॉर्किंग के पास करीब 200 से ज्यादा प्रदर्शनकारी इकट्ठा हो गए थे। अमेरिका के न्यूयॉर्क में शनिवार को लोअर मैनहट्टन में एक सरकारी पार्किंग गैराज के बाहर संभावित आव्रजन और सीमा शुल्क प्रवर्तन की कार्रवाई के विरोध में प्रदर्शन किया गया। न्यूयॉर्क पुलिस विभाग ने बताया कि प्रदर्शन के दौरान टकराव के बाद कई प्रदर्शनकारियों को गिरफ्तार कर लिया गया। पुलिस और प्रत्यक्षदर्शियों के मुताबिक यह घटना चाइनाटाउन के पास स्थित एक सुविधा केंद्र के बाहर हुई। इस केंद्र के बाहर बड़ी संख्या में संघीय एजेंट संभावित आव्रजन छापे के लिए इकट्ठा हुए थे। न्यूयॉर्क टाइम्स की रिपोर्ट के अनुसार भीड़ बढ़ने के साथ मौके पर हालात बिगड़ गए। एबीसी न्यूज की रिपोर्ट के अनुसार प्रदर्शनकारियों ने वाहनों को रोका, जिसके चलते सड़क जाम हो गई। अधिकारियों ने भीड़ को हटाने के लिए कई एलान किए, लेकिन हालात जस के तस बने रहे। जब प्रदर्शनकारी नहीं माने तो अधिकारियों ने कई प्रदर्शनकारियों को गिरफ्तार कर लिया। न्यूयॉर्क पुलिस की ओर से जारी बयान में कहा गया कि प्रदर्शनकारियों को सड़क जाम हटाने के आदेश दिए गए, लेकिन उन्होंने इसकी अनदेखी की। बयान के मुताबिक सरकारी पॉर्किंग के पास करीब 200 से ज्यादा प्रदर्शनकारी इकट्ठा हो गए थे। इस दौरान प्रदर्शनकारियों ने कूड़ेदान और गमले फेंकना शुरू कर दिया। वे सड़क जाम करके वाहनों को रोकने लगे, इसके चलते पुलिस औ? प्रदर्शनकारियों के बीच झड़पें हुईं। हालांकि, होमलैंड सुरक्षा विभाग ने संघीय एजेंटों की ओर से किसी भी तरह की कार्रवाई की योजना बनाए जाने पर बयान जारी नहीं किया है। गौरतलब है कि शनिवार को हुई झड़प उसी इलाके में एक बड़ी संघीय प्रवर्तन कार्रवाई के एक महीने बाद हुई है। इस कार्रवाई में नौ लोग गिरफ्तार हुए थे। एबीसी न्यूज ने बताया कि स्थानीय कांग्रेस डैन गोल्डमैन के मुताबिक एक महीने पहले चले अभियान में चार अमेरिकी नागरिकों को बिना किसी संघीय आरोप के करीब 24 घंटे तक हिरासत में रखा गया था।

पाकिस्तान के बलूचिस्तान में 24 घंटे में 7 धमाके

अमेरिकी विदेश मंत्री मार्को रुबियो, विशेष दूत स्टीव विटकॉफ और राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप के दामाद जेरेड कुशनर रविवार को फ्लोरिडा में यूक्रेनी अधिकारियों से मुलाकात करेंगे। यह बैठक ऐसे समय हो रही है, जब युद्ध समाप्त करने के संभावित समझौते पर बातचीत आगे बढ़ाने के लिए यूक्रेन का प्रतिनिधिमंडल अमेरिका पहुंचा है। अमेरिकी अधिकारी के अनुसार, यह मुलाकात दोनों देशों के बीच जारी संवाद का महत्वपूर्ण चरण होगा, जिसमें संघर्ष विराम और शांति समझौते से जुड़े प्रमुख मुद्दों पर चर्चा की उम्मीद है। यूक्रेनी प्रतिनिधिमंडल का यह दौरा संकेत देता है कि कूटनीतिक स्तर पर वार्ता फिर से गति पकड़ रही है। पाकिस्तान में भारतीय नीलगाय मारी गई; 12 लोगों के खिलाफ केस दर्ज पुलिस ने शनिवार को बताया कि भारत से पाकिस्तान में घुसी एक नीलगाय को एक दर्जन से ज्यादा लोगों ने कथित तौर पर उनकी फसलें बर्बाद करने के आरोप में मार डाला। यह घटना लाहौर से करीब 400 किमी दूर बहावलनगर में हुई, जब नीलगाय (नीला बैल) पिछले हफ्ते भारतीय बॉर्डर पार कर आई थी। पंजाब पुलिस ने शनिवार को कहा कि उन्होंने 12 लोगों के खिलाफ ₹भारतीय नीलगाय का शिकार करने, उसे टॉर्चर करने और मारने₹ का केस दर्ज किया है, लेकिन अभी तक कोई गिरफ्तारी नहीं हुई है। सीनियर वाइल्डलाइफ रेंजर सीमाब फातिमा की शिकायत पर दर्ज की गई है। पुलिस ने कहा, ₹वाइल्डलाइफ टीम ने देखा कि करीब 12 हथियारबंद लोग भारतीय नीलगाय का पीछा कर रहे थे, उसे लाठी से थका रहे थे और घायल कर रहे थे। टीम को देखकर वे जानवर को बुरी हालत में छोड़कर भाग गए। बाद में नीलगाय ने जख्मों की वजह से दम तोड़ दिया।₹ पता चला कि लोगों से समय पर जानकारी मिलने के बावजूद, वाइल्डलाइफ टीम ने जल्दी कार्रवाई नहीं की। पुलिस ने कहा कि भूखी नीलगाय अक्सर खाने की तलाश में लोगों के खेतों में घुस जाती हैं। काठमांडो-पोखरा उड़ान से पक्षी टकराया, प्रोपेलर क्षतिग्रस्त बुद्ध एयर की काठमांडो-पोखरा उड़ान (विमान संख्या-617) शनिवार को पोखरा विमान स्थल पर लैंडिंग के दौरान पक्षी से टकरा गई। एटीआर-72 विमान रनवे 12 की पूर्व दिशा से उतर रहा था, उसी दौरान पक्षी के टकराने से दाहिनी ओर के इंजन के एक प्रोपेलर में नुकसान हुआ। विमान में 68 यात्री सवार थे और सभी सुरक्षित हैं। बुद्ध एयर के पोखरा कार्यालय के अनुसार प्रारंभिक जांच में यह पुष्टि हुई है कि विमान से टकराने वाला पक्षी गिद्ध था। विमान को काठमांडो लौटते समय यात्रियों को लेकर जाना था, लेकिन क्षति के आकलन और मरम्मत के बाद इसे दोबारा उड़ान के लिए अनुमति मिलेगी। पोखरा विमान स्थल के महाप्रबंधक जगन्नाथ निरौला के अनुसार एक माह पहले भी पोखरा से काठमांडो के लिए टेकऑफ कर रहा बुद्ध एयर का एक एटीआर विमान गिद्ध से टकराने के बाद रनवे पर लौट आया था। नेपाल के विमान स्थलों में पर्यटकीय नगरी पोखरा में अवस्थित एयरपोर्ट उन स्थानों में शामिल है, जहां पक्षियों की गतिविधि सबसे अधिक रहती है। अधिकारियों का कहना है कि इजिप्शियन वल्चर की आवाजाही पोखरा क्षेत्र में बार-बार दर्ज की जाती है, इसलिए पायलट और एयरलाइंस को अतिरिक्त सतर्कता बरतनी चाहिए। पाकिस्तान में फंसी श्रीलंकाई महिला 18 साल बाद जुमार्ना देकर देश लौटी श्रीलंकाई महिला रशीना (65) पाकिस्तान में 18 साल से फंसे होने के बाद 2 दिसंबर को कोलंबो पहुंचेंगी। रशीना वीजा अवधि से अधिक रुकने पर लगाए गए 22 लाख पाकिस्तानी रुपये का जुमार्ना नहीं चुका पाने के कारण 18 साल तक पाकिस्तान में फंसी थी। रशीना ने शुक्रवार को मीडिया को बताया कि 18 साल पहले अपने पाकिस्तानी पति से साथ यहां आईं थी, लेकिन उनकी मौत के बाद वे यहां फंस गईं। उनके बच्चे और परिवार कोलंबो में ही हैं। अब्दुल सत्तार ईधी फाउंडेशन के चेयरमैन फैसल ईधी ने बताया कि उनकी मानवीय पीड़ा को देखते हुए सैलानी ट्रस्ट और मानवाधिकार वकील जिया आवान ने उनका केस लड़ा। ब्लैक फ्राइडे पर कैलिफोर्निया के शॉपिंग मॉल में गोलीबारी कैलिफोर्निया के सैन जोस में शुक्रवार को ब्लैक फ्राइडे की भीड़ के दौरान एक शॉपिंग मॉल को गोलीबारी के बाद खाली कराया गया।

पाकिस्तान गाजा में भेजेगा सैनिक

इस्लामाबाद। पाकिस्तान के उप प्रधानमंत्री इशाक डार ने घोषणा की कि पाकिस्तान गाजा में इंटरनेशनल सिक्योरिटी फोर्स की सहायता के लिए सैनिक भेजेगा। उन्होंने स्पष्ट किया कि हमास से समर्पण करवाना पाकिस्तान का काम नहीं है। मध्य पूर्व में जारी गाजा संकट को लेकर पाकिस्तान ने बड़ा कदम उठाया है। उप प्रधानमंत्री इशाक डार ने शनिवार को घोषणा की कि पाकिस्तान गाजा में इंटरनेशनल सिक्योरिटी फोर्स की सहायता के लिए सैनिक भेजेगा। डार ने यह भी स्पष्ट किया कि पाकिस्तान का उद्देश्य किसी भी समूह से समर्पण करवाना नहीं है, यह फिलिस्तीनी प्रशासन और अंतरराष्ट्रीय कानून का विषय है। डार ने कहा कि गाजा में किसी भी मिशन से पहले इस बात की जरूरत है कि सैनिकों की भूमिका, विनियमन, अधिकार और जिम्मेदारियां बिल्कुल स्पष्ट हों। क्रक्रका मुख्य उद्देश्य युद्धोपरांत गाजा पट्टी में स्थिरता, सुरक्षा और मानवीय व्यवस्था को बहाल करना है। हमास से समर्पण करवाने की जिम्मेदारी हमारी नहीं: डार डार ने साफ कहा कि हमास से समर्पण करवाना पाकिस्तान का काम नहीं है। यह फिलिस्तीन के कानून और संबंधित अधिकारियों का दायित्व है, अन्य देशों को इसमें दखलंदाजी नहीं करनी चाहिए। उन्होंने कहा कि पाकिस्तान केवल शांति और स्थिरता बहाल करने वाले अंतरराष्ट्रीय प्रयासों में योगदान देगा। 4 साल में 4,000 पाक सैनिक मारे जाने का दावा डार ने यह भी दावा किया कि पिछले चार वर्षों में पाकिस्तान 4,000 सैनिकों की मौत और 20,000 से अधिक जवानों के घायल होने जैसी भारी कीमत चुका चुका है। उन्होंने कहा कि अफगानिस्तान में तालिबान के सत्ता संभालने के बाद पाकिस्तान को सुरक्षा और आतंकवाद के मोर्चे पर गंभीर चुनौतियों का सामना करना पड़ा है। तालिबान को चेतावनी: TTP को पनाह न दें उन्होंने कहा कि पाकिस्तानी तालिबान (टीटीपी) के लड़ाकों को सीमा इलाके में पनाह नहीं दी जानी चाहिए।

वचनामृत (शरणों के वचन)

डॉ प्रभाशंकर 'प्रेमी'
प्रोफेसर (से. नि.), बेंगलूरू विश्वविद्यालय, बेंगलूरू

अंगार के शव सा, सूत्र कटी गुडिया सा, जली हुई रस्सी सा, क्या दुबारा पा सकता है अपना पूर्व रूप जिसको चेन्नमल्लिकार्जुन का अंग ही आश्रय है?

इस वचन में अक्क महादेवी कह रही है कि क्या किसीको नष्ट होने के बाद अपना पूर्व रूप पाना संभव है? जैसे शव के जलने पर गुडिया का सूत्र कट जाने पर जल रहित तालाब और जली हुई रस्सी के समान पूर्व रूप पाना संभव नहीं। उसी तरह अक्क कहती है कि मेरा अंग देव चेन्नमल्लिकार्जुन में लीन होने के बाद जब देव का अंग ही आश्रय हो गया है फिर पूर्व रूप पाने का प्रश्न ही नहीं। शिवज्ञान पाने के बाद फिर लौकिक का संबंध कैसे?

अक्क महादेवी

हांगकांग अग्निकांड में मृतकों का आंकड़ा 146 पहुंचा

हांगकांग। हांगकांग में सात ऊंची आवासीय इमारतों में लगी आग में मरने वालों की संख्या रविवार को बढ़कर 146 हो गई है। जबकि 150 लोगों का अभी भी पता नहीं चल पाया है, क्योंकि तलाशी अभियान पांचवें दिन भी जारी है। हांगकांग में बुधवार को लगी भयावह आग ने शहर को झकझोर कर रख दिया है। सात ऊंची आवासीय इमारतों में लगी इस आग में मरने वालों की संख्या रविवार को बढ़कर 146 हो गई है। वहीं, अब भी 150 लोगों का कोई पता नहीं है और बचाव दल लगातार तलाश में जुटा हुआ है। यह घटना पिछले कई दशक में हांगकांग की सबसे बड़ी त्रासदी मानी जा रही है। हांगकांग सरकार के सुरक्षा मंत्री क्रिस टैंग के मुताबिक, आग की शुरूआत इमारत के निचले हिस्से में लगी प्लास्टिक और फोम बोर्ड वाली जालीदार परत से हुई। हवा और ज्वलनशील सामग्री के कारण आग तेजी से फैली और देखते ही देखते सातों इमारतों को अपनी चपेट में ले लिया। तेज तापमान ने बांस से बनी निर्माण सामग्री और स्कैफोल्डिंग को भी जला दिया, जिससे जलते हुए बांस के टुकड़े गिरकर आसपास की इमारतों में आग फैलाते गए। हादसे के बाद कई खामियां उजागर घटना के बाद बचे हुए लोगों ने गंभीर आरोप लगाए। उनके अनुसार कई मंजिलों पर फायर अलार्म नहीं बजे, बाहर निकलने के रास्ते भी बंद थे, इमारतों में पुरानी और खराब आग सुरक्षा व्यवस्था थी। इन इमारतों में कुल 1984 फ्लैट और लगभग 4600 निवासी थे, इसलिए नुकसान काफी बड़ा है। अग्निकांड के बाद कुल आठ गिरफ्तारियां इस हादसे में आग के तेजी से बढ़ने की वजहों की जांच चल रही है। अब तक मामले में आठ लोगों को गिरफ्तार किया गया है, इनमें एक महिला भी शामिल है, जो इमारतों के नवीनीकरण कार्य से जुड़ी थी। वहीं आरोप है कि निर्माण में नियमों के खिलाफ सस्ती और ज्वलनशील सामग्री का इस्तेमाल किया गया था। चीन में बड़ा अभियान शुरू इस घटना के बाद पूरे चीन में चिंता बढ़ गई है।

PRINTED PUBLISHED AND OWNED BY ASHT BHUJA PANDEY AND PRINTED AT MNS PRINTERS PVT. LTD., NO. 345/4, BHATTARAHALLI, OLD MADRAS ROAD, BANGLORE KARNATAKA- 560049 AND PUBLISHED AT NO. 62, SAGAR SADAN, 3RD FLOOR, 7TH CROSS NEAR MUNESHWARA SWAMY MARIKAMBA TEMPLE, PILLARODDY NAGAR, CHIKKA-BANASWADI, BANGALORE NORTH, BANGALORE KARNATAKA-560043, EDITOR: BANDANA PANDEY, FOR-EDITORIAL 080-485-41870/8660106725, ADVERTISEMENT: 916-4117755, ENAIL HINDSAGARPLK@GMAIL.COM, RNI NO. KARHIN/2021/82440